मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.2	32.1
जमशेदपुर	35.4	28.2
डालटनगंज	42.8	28.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 27 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 48

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चुनावी समर

लंबी और थकाऊ चुनाव प्रक्रिया का साइड इफेक्ट- नेताओं की फिसलने लगी जुबान

ये क्या बोल गए नीतीश कुमार

हम तो चाहते हैं एक बार फिर नरेंद्र मोदी जी मुख्यमंत्री बनें

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की जुबान लगातार फिसल रही है. रविवार को एक बार फिर एक सभा में नीतीश की जुबान फिसल गई और उन्होंने पीएम मोदी के मुख्यमंत्री बनने की कामना कर दी. लोगों से पीएम मोदी को मुख्यमंत्री बनाने का आग्रह किया. दरअसल सीएम पटना साहिब सीट के दनियावां में प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के प्रचार में भाषण दे रहे थे, तभी बोलते-बोलते गड़बड़ा गए. नीतीश ने रविशंकर के कमल छाप पर वोट देने का जनता से आग्रह किया और कहा-हम तो चाहते हैं कि एनडीए बिहार की सभी 40 सीटों पर जीते और देश में 400 सीट जीते और मोदी जी फिर मुख्यमंत्री बनें. ये सुनते ही अंगरक्षक ने कान में कहा- मोदी प्रधानमंत्री हैं, इसके बाद नीतीश ने कहा, अरे वह तो पीएम हैं ही उनको फिर से प्रधानमंत्री बनाना है, वह और आगे बढ़ें. वहीं नीतीश ने लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा कि एक आदमी था, जो नौ गो बेटा-बेटी पैदा किया और अपने हट गया तब बेटी को बना दिया. बेटा-बेटी यही सब करते रहता है.

मोदी का हिंदू-मुस्लिम राग जारी

विपक्षी लोग मुस्लिमों के लिए संविधान बदल देंगे

मिर्जापुर (उप्र)। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को गठबंधन इंडिया को साम्प्रदायिक और जातिवादी बताते हुए दावा किया कि वह मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदल देगा. मोदी ने घटक अपना दल की अनुप्रिया पटेल के समर्थन में चुनावी रैली में कहा- सपा-कांग्रेस वोट बैंक के लिए समर्पित हैं, जबकि मोदी पिछड़ों-गरीबों के के लिए समर्पित है. सबने इनको पहचान लिया है. ये लोग कट्टर साम्प्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी हैं. जब भी इनकी सरकार बनेगी, वे इसी आधार पर फैसला लेंगे. इससे पहले, भारत माता की जय, माता विंध्यवासिनी के जयघोष के साथ बात शुरू करते हुए मोदी ने जय श्रीराम का नारा लगाया. कहा कि संयोग देखिए 4 जून (जिस दिन मतगणना होगी) को बड़ा मंगल है. 4 जून को बड़ा मंगल के दिन फिर एक बार -जय श्रीराम. देश ने तीसरी बार भाजपा- राजग की सरकार बनाना पक्का कर दिया. इसका सीधा कारण नेकनीयत, नेक नीतियां और राष्ट्र प्रथम और हमारी राष्ट्र निष्ठा है.

राहुल गांधी का मोदी पर निशाना

पीएम एकमात्र इंसान जिनका डायरेक्ट परमात्मा से कनेक्शन

नाहन (हिमाचल)। आखिरी चरण के प्रचार के लिए रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश के नाहन पहुंचे. सभा में राहुल ने कई पत्रकारों पर पीएम मोदी से कठिन सवाल नहीं पूछने का आरोप लगाते हुए उन्हें एक बार फिर चमचा कहा. कहा कि आजकल मोदी के इंटरव्यू चल रहे हैं, चार चमचों को बैठा देते हैं और फिर वो सवाल पूछते हैं. मोदी जी बताइए- आप आम कैसे खाते हो? उसे छील कर खाते हो या चूस कर. मोदी जी जवाब देते हैं पता नहीं, सबकुछ अपने आप होता है, मैं बाकी लोगों की तरह बायोलॉजिकल नहीं हूं. बाकी लोग खेती करते हैं, मेहनत करते हैं. मुझे तो परमात्मा गाइड करते हैं. मैं हिंदुस्तान में अकेला व्यक्ति हूं अकेला, जिसका डायरेक्ट परमात्मा से कनेक्शन है. इस बात पर चमचे कहते हैं वाह-वाह. राहुल ने कहा, एक व्यक्ति का जिसका डायरेक्ट परमात्मा से संबंध है, उसको संविधान की क्या जरूरत है. वो तो डायरेक्ट बात कर रहा है. मोदी जी, मैं पूछना चाहता हूं कि आपको ऐसी फीलिंग कब आती है.

संजय राउत ने किया बड़ा दावा

मोदी-शाह ने चुनाव में गडकरी को हराने के लिए काम किया

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव में नितिन गडकरी की हार के लिए काम किया. शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना में राउत ने लिखा, पीएम मोदी, शाह और फडणवीस ने नागपुर में गडकरी की हार के लिए काम किया. जब फड़नवीस को लगा कि उन्हें हराया नहीं जा सकता, तो उन्होंने न चाहते हुए भी गडकरी के लिए प्रचार किया. आरएसएस के लोग कह रहे हैं कि फडणवीस ने विपक्ष के लिए गडकरी को हराने का काम किया. राउत ने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर चुनाव के बाद मोदी-शाह सत्ता में लौटे, तो यूपी के सीएम को बदल दिया जाएगा.राउत के इन दावों पर महाराष्ट्र के भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वह भ्रम में हैं. भाजपा एक पार्टी नहीं, बल्कि परिवार है. जो लोग हमेशा गुटबाजी की राजनीति करते आए हैं, वे पारिवारिक बॉन्ड को नहीं समझ सकते.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,800
चांदी (किलो)	92,000

ब्रीफ खबरें

इजरायल पर फिर बड़ा हमला, दागीं मिसाइलें

तेल अवीव। हमास ने इजरायल पर एक बार फिर से हमला किया है. हमास की सशस्त्र विंग अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि उसने तेल अवीव पर बड़ा मिसाइल हमला किया है. इजरायली सेना ने आने वाले रॉकेटों की चेतावनी के लिए सायरन भी बजाया, जिससे लोगों को अलर्ट किया जा सके. पिछले अक्टूबर महीने की शुरुआत में हमास के आतंकियों ने अचानक से इजरायल पर हमला बोल दिया था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी.

विदेशी फर्जी कॉल पर रोक लगाने का निर्देश

नयी दिल्ली। सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली सभी इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है. दूरसंचार विभाग ने रविवार को जारी बयान में कहा कि टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं ने ऐसी विदेशी फर्जी कॉलों की पहचान करने और उन्हें किसी भी भारतीय टेलीकॉम इसे रोकने के लिए एक प्रणाली तैयार की है. ऐसी अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉलों को रोकने के लिए टीएसपी को निर्देश जारी किए गए हैं.

हादसे में 12 श्रद्धालुओं की मौत, कई घायल

शाहजहांपुर (उप्र)। यूपी से पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में स्थित पूर्णागिरि मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की बस के ऊपर शाहजहांपुर जिले में गिट्टियों (बजरी) से भरा डंपर ट्रक पलट जाने से हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गयी है.

पढ़ा-लिखा और संपन्न समाज ही वोट करने में कम दिलचस्पी दिखा रहा

शहरी क्षेत्र में वोटिंग कम क्यों?

संजय सिंह। रांची

निर्वाचन आयोग और राज्य प्रशासन की तमाम कोशिशों के बावजूद झारखंड में मतदान का आंकड़ा लगातार गिरता गया. देश के छठे और झारखंड के तीसरे चरण में चार लोकसभा सीटों रांची, जमशेदपुर, धनबाद, गिरिडीह में शनिवार को मतदान हुआ, लेकिन इस चरण में भी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा. कहीं-कहीं तो शहरी क्षेत्र में पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में काफी कम मतदान हुआ.

रांची लोकसभा सीट की बात करें, तो यहां शहरी क्षेत्र के हटिया, कांके, रांची में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा, हालांकि ग्रामीण क्षेत्र के ईचागढ़, सिल्ली, खिजरी विस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत ज्यादा रहा. यानी निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन भी शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को वोटिंग के लिए घर से बाहर निकालने में सफल नहीं हो पाया. उनकी सारी कोशिशें नाकाम हो गईं. निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान तो चलाया, लेकिन इसका शहरी वोटरों पर कोई असर नहीं पड़ा. राजनीतिक दलों के लोगों को भी यह भलीभांति पता था कि जितने ज्यादा मतदाता घरों से निकलेंगे, उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को उतना फायदा हो सकता है. लेकिन पार्टियों, चुनाव व बूथ एजेंटों ने भी न तो वोटरों से संपर्क करने की कोशिश की और न उन्हें बूथ तक लाने का प्रयास किया. दरअसल शहरी क्षेत्र में वोटिंग कम होने की एक नहीं कई वजहें हैं.

झारखंड के भी तीन चरणों को देखें तो जिन क्षेत्रों में जितना ज्यादा शहरी क्षेत्र शामिल हुआ, वहां कम मतदान हुआ. लेकिन जहां ग्रामीण क्षेत्र ज्यादा है, वहां मतदान प्रतिशत 2019 के आसपास ही रहा. देखने में आया है कि पढ़ा-लिखा और कमोबेश संपन्न समाज ही ज्यादा वोट करने से विमुख हो रहा है.

पहला चरण

सीट	2024	2019
खूंटी	69.93	69.25
पलामू	61.27	64.34
लोहरदगा	66.45	66.30
सिंहभूम	69.32	69.26

दूसरा चरण

सीट	2024	2019
कोडरमा	61.81	66.68
चतरा	63.69	64.97
हजारीबाग	64.39	64.85

तीसरा चरण

सीट	2024	2019
गिरडीह	67.23	67.12
जमशेदपुर	67.68	67.19
धनबाद	62.06	60.47
रांची	61.92	64.49

राजनीतिक दलों की उदासीनता

पहले राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जिन्हें बूथ की जिम्मेवारी मिलती थी, मतदान के दिन से एक-दो दिन पहले ही वोटर लिस्ट से मतदाताओं का नाम दर्ज कर पर्ची घर-घर तक पहुंचा दिया करते थे. पर्ची पर इस बात का उल्लेख हुआ करता था कि मतदाता को किस बूथ पर मतदान करना है. लेकिन अब राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता या बूथ प्रभारी मतदाता पर्ची नहीं पहुंचा रहे हैं, मतदाताओं को पता ही नहीं चल पता है कि उन्हें किस बूथ पर जाना है. नतीजतन शहरी क्षेत्र के मतदाता माथापच्ची करने की बजाय वोट डालने के लिए घर से निकलते ही नहीं है.

बूथों के बाहर भी बूथ एजेंट नहीं नजर आते

शहरी क्षेत्र के अधिकांश मतदान केंद्रों के बाहर राजनीतिक दलों के बूथ एजेंट भी नजर नहीं आते हैं. कहीं बैठे भी रहते हैं, तो मतदाताओं से कनेक्ट नहीं हो पाते. नतीजतन वोटर भी मतदान केंद्र पर जाने से हिचकिचाते हैं. पहले राजनीतिक दलों के एजेंट बूथ पर बैठते थे और अपने बूथ के मतदाताओं से सीधे तौर पर कनेक्ट भी रहा करते थे, लेकिन अब वैसी बात नहीं रह गयी. बूथ पर पहुंचा मतदाता भटकता रह जाता है.

बूथों पर नहीं मिलती मूलभूत सुविधाएं

शहरी क्षेत्र के ज्यादातर मतदान केंद्रों पर आम मतदाताओं के लिए न तो पीने के पानी की व्यवस्था, न गर्मी व धूप से बचने के लिए टेंट या शेड की ही व्यवस्था प्रशासन की ओर से की जाती है. मतदाताओं को कड़ी धूप में खुले आसमान के नीचे कतार में खड़े रहना पड़ता है. नतीजतन गर्मी, धूप को देखते हुए मतदाता वोट डालने के बजाय घर पर ही रहना पसंद करते हैं.

नाम ढूंढने में ही करनी पड़ती है माथापच्ची

आम मतदाता को पहले तो वोटर लिस्ट में नाम ढंढने में माथापच्ची करनी पड़ती है. मतदान केंद्रों पर बीएलओ सहित अन्य सरकारी कर्मचारी मतदाता सूची के साथ बैठे रहते हैं. लेकिन जब मतदाता उनके पास पर्ची के लिए के लिए पहुंचते हैं, तो वोटर लिस्ट में उन्हें नाम ढूंढने में ही काफी वक्त लग जाता है. कई दफा नाम नहीं मिलता नहीं या पता चलता है कि उनका बूथ किसी दूसरी जगह है, तो वो वोटिंग करने की बजाये घर लौट जाता है.

सब तो एक जैसे क्या फायदा वोट देकर

आम शहरी मतदाता राजनीतिक दलों व उनके प्रत्याशियों को लेकर उदासीन रहते हैं. उनका मानना है कि सभी राजनीतिक पार्टियां लगभग एक जैसी ही हैं. कोई जीते-कोई हारे, उनके काम कोई आनेवाला नहीं. ऐसी हालत में मतदान के लिए क्यों व्यर्थ समय जाया किया जाए. यह कहते हुए भी ज्यादातर शहरी मतदाता घरों से मतदान के लिए नहीं निकलते हैं.

तेजस्वी पर मोदी के दिए 'जेल' बयान से गरमाया सियासी पारा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली में गर्मी के साथ-साथ सियासी पारा भी बढ़ता जा रहा है. लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण की वोटिंग से पहले भाजपा और विपक्षी दलों के बीच जुबानी हमले भी तेज हो गए हैं. इसी कड़ी में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने पीएम नरेंद्र मोदी पर उनके एक बयान के लिए जमकर हमला बोला है. दरअसल, पीएम मोदी ने मोदी ने शनिवार को काराकाट में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था, मैं आज बिहार के लोगों को एक और गारंटी दे रहा हूं. जिन्होंने बिहार के गरीबों को लूट कर नौकरी के बदले में जमीन लिखवाई है, कान खोल कर सुन लो, उनके भी जेल जाने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. ये जैसे ही हेलीकॉप्टर में चक्कर मारने का उनका समय पूरा होगा, जेल का रास्ता तय हो जाएगा.

मैंने पहले ही किया था जिक्र : केजरीवाल

पीएम मोदी के इसी बयान को लेकर सीएम केजरीवाल ने रविवार को अपना विरोध जताया. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कल बिहार में मोदी जी ने कहा - कुछ दिनों में तेजस्वी यादव जेल जाएंगे. इससे साफ जाहिर है कि कौन जेल जाएगा, कितने दिन जेल में रहेगा, ये मोदी जी तय करते हैं. ये बात जब मैंने कुछ दिन पहले कही थी, तो मुझसे पूछा गया कि ये मैं कैसे कह रहा हूं. शनिवार को नरेंद्र मोदी जी ने इसे पूरे देश के सामने कबूल किया.

मोदी की टिप्पणी का इशारा कुछ और

सांसद कपिल सिब्बल ने तेजस्वी यादव पर जेल संबंधी कटाक्ष किए जाने को लेकर पीएम मोदी पर रविवार को निशाना साधा और दावा किया कि यह एक स्वीकारोक्ति है कि जांच एजेंसियां उनके इशारे पर काम कर रही हैं. मोदी ने गारंटी दी है कि चुनाव खत्म होने पर तेजस्वी को जेल भेजा जाएगा. वह तेजस्वी को जेल कैसे भेज सकते हैं? एक कानूनी प्रक्रिया है. इसका मतलब है कि कानून मोदी निर्देश पर काम कर रहा है. मैं कहता रहा हूं कि जांच एजेंसियां उनके इशारे पर काम कर रही हैं.

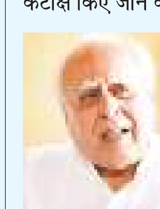

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को पत्र लिखा

आप जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं अपने पद की गरिमा का ख्याल रखें

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को एक पत्र लिख कर संविधान और आरक्षण समेत कई मुद्दों को उठाया है. पत्र अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है. पत्र में तेजस्वी ने कहा- आप भैंस, मंगलसूत्र के रास्ते होते मुजरा तक आ गये हैं. आपसे अपेक्षा नहीं है कि आप अब पद की गरिमा का ख्याल रखेंगे, विमर्श ऊंचा रखेंगे. तेजस्वी ने लिखा है कि आप लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के बजाय एक 34 वर्षीय युवा को जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं.

क्या आप धमकियां देकर संविधान का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं? चुनाव तो आते-जाते रहेंगे लेकिन संविधान, देश की सामाजिक संरचना व उसके ढांचे पर और हमला मत कीजिए. आप बिहार आये, लेकिन यहां आकर आपने झूठी, आधारहीन बातें कहीं.

एक विशाल देश के पीएम की भाषा क्या ऐसी होनी चाहिए? आप खुद ही सोचिए. आपके चुनावी भाषणों का गिरता पैमाना ही आपकी राजनैतिक सरकार में आये तो हमने आते ही राज्य के खर्च पर जातिगत सर्वेक्षण कराया. पीएम जी, हमने उसके आलोक में आरक्षण का दायरा 75% तक बढ़ाया और आपसे मांग करते रहे कि इसको संविधान की नौंवी अनुसूची में डालिए, लेकिन मोदी जी, मूलतः आप पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता के हैं.

चक्रवात रेमल का दिखने लगा असर

- आधी रात को आ रहा प्रचंड तूफान, मचा सकता है भारी तबाही
- **बंगाल समेत कई राज्यों में हाई अलर्ट जगह-जगह टीमें की गईं मुस्तैद**
- मौसम में आया अचानक बदलाव, कुछ स्थानों पर हवा के साथ बारिश शुरू

एजेंसी। कोलकाता/ नयी दिल्ली

चक्रवाती तूफान रेमल ने अब और प्रचंड रूप अख्तियार कर लिया है और यह रविवार आधी रात तक बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तटों पर दस्तक देने का अनुमान है. मौसम विभाग ने यह जानकारी दी.

रेमल के तटों पर पहुंचने पर 110 से 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और उनका वेग 135 किमी प्रति घंटे तक होगा. चक्रवात से पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा और कोलकाता एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा का अनुमान है. रेमल उत्तर की ओर बढ़ रहा है और आधी रात तक मोंगला के दक्षिण-पश्चिम के निकट सागर द्वीप (बंगाल) खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच तटों को पार करने से पहले इसके और तेज होने के आसार हैं. चक्रवात उत्तरी बंगाल की खाड़ी में सागर द्वीप से 240 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व में स्थित था और इस दौरान 90-100 किमीर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं.

कम विनाशकारी होगा तूफान

कोलकाता में मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वी क्षेत्र के प्रमुख सोमनाथ दत्ता ने कहा कि दक्षिण बंगाल के कई जिलों समेत कुछ पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा में रविवार शाम से 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं. दत्ता ने कहा, रेमल नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन इसके 2020 में आए चक्रवात अम्फान के मुकाबले कम विनाशकारी रहेगा.

सकारात्मक असर बिहार में शराबबंदी से 18 लाख पुरुषों में घटा मोटापा, आई खुशहाली

घरेलू महिला हिंसा के मामलों में 21 लाख तक की कमी

लगातार न्यूज नेटवर्क। पटना

बिहार में 2016 में शराब पर लगी रोक से रोज और साप्ताहिक रूप से शराब पीने के मामलों में 24 लाख की कमी आई है. साथ ही अंतरंग साथी द्वारा हिंसा के मामलों में 21 लाख की कमी आई है. द लांसेट रीजनल हेल्थ साउथ-ईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित एक नये अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं. इसमें कहा गया कि यह भी अनुमान है कि इस प्रतिबंध ने राज्य में 18 लाख पुरुषों को अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होने से रोका है.

बता दें कि अनुसंधानकर्ताओं के दल में अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के लोग भी शामिल रहे. शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय और जिला स्तर पर स्वास्थ्य और घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण किया. इसके लेखकों ने कहा, सख्त शराब विनियमन नीतियां अंतरंग साथी द्वारा की गयी हिंसा के कई पीड़ितों और शराब के आदी लोगों के स्वास्थ्य के लिहाज से लाभकारी हो सकती हैं. रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2016 में बिहार सरकार ने शराब के निर्माण, परिवहन, बिक्री और सेवन पर पूर्ण रोक लगा दी थी. सख्ती से इसके पालन ने इसको स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा के परिणामों पर सख्त शराब प्रतिबंध नीति के वास्तविक असर का अनुमान लगाने के लिए एक आकर्षक स्वाभाविक प्रयोग बना दिया है.

- बिहार में 2016 में लागू हुई थी पूर्ण शराबबंदी
- यौन हिंसा में भी आई 3.6% तक की गिरावट

पुरुषों में शराब का सेवन 9.7% से बढ़कर 15% हो गया था

प्रतिबंध से पहले बिहार के पुरुषों में शराब का सेवन 9.7% से बढ़ कर 15% हो गया था जबकि पड़ोसी राज्यों में यह 7.2% से बढ़कर 10.3% हो गया. उन्होंने कहा, प्रतिबंध के बाद ये प्रवृत्ति बदल गयी और बिहार में कम से कम साप्ताहिक रूप से शराब के सेवन में 7.8 प्रतिशत तक की गिरावट आयी जबकि पड़ोसी राज्यों में यह बढ़कर 10.4 फीसदी हो गयी. उन्हें बिहार में महिलाओं के खिलाफ शारीरिक हिंसा में कमी के सबूत भी मिले और भावनात्मक हिंसा में 4.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट और यौन हिंसा में 3.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गयी.

शराब पीने के मामलों में 24 लाख की कमी आयी

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के अन्य राज्यों में भी ऐसा ही प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे नीति निर्माताओं के लिए इसके नतीजे अहम साबित होंगे. इस प्रतिबंध के कारण शराब पीने के मामलों में 24 लाख, पुरुषों में अधिक वजन/ मोटापे के 18 लाख मामलों और अंतरंग साथी द्वारा हिंसा के मामलों में 21 लाख की कमी आयी है. इस अध्ययन की रिपोर्ट से बिहार के सीएम नीतीश कुमार खुश हो सकते हैं. क्योंकि उन्होंने ही बिहार में पूर्ण शराबबंदी का फैसला किया था. जिसका सकारात्मक असर अब दिखने लगा है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पिता से लाभ होगा. आलस का त्याग करें. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृषभ धन के लिए समय बहुत ही उत्तम है भाग्य का साथ मिलेगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. मित्रों से मदद मिलेगी.

मिथुन पेट से संबंधित रोगों से बचें. साथ ही किसी बड़े कार्य मे जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क समय उत्तम है. रोजगार में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. माता का सेवा से तरक्की संभव है.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव अति आवश्यक है. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या समय उत्तम है. कार्य होगा और प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला व्यर्थ की भागदौड़ ज्यादा रहेगी. कार्य नहीं होने से मन खिन्न होगा, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक समय उत्तम है. विद्यार्थी सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु वाणी पर नियंत्रण रखें. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी.

मकर समय बहुत ही उत्तम है. पर उदर रोग से बचे. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक करेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ क्रोध पर नियंत्रण रखें. विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मीन आय के लिए किया प्रयास सफल होगा. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. अन्न दान करें.

दोनों दलों ने झोंकी ताकत, झामुमो के लिए अपनों से पार पाना बड़ी चुनौती

राजमहल लोकसभा सीट पर झामुमो व भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर

प्रवीण कुमार। रांची

भाजपा और इंडिया गठबंधन के लिए राजमहल लोकसभा सीट इस बार प्रतिष्ठा की सीट बन गई है. यह सीट अनुसूचित जनजाति आरक्षित है. कभी कांग्रेस की परंपरागत सीट समझे जाने वाली राजमहल सीट पर बाद में झामुमो ने सेंध लगायी. अब इस सीट पर भाजपा और झामुमो में किसकी प्रतिष्ठा बचती है और किसे हार का मुंह देखना पड़ेगा, इसका फैसला एक जून को वहां के मतदाता करेंगे.

भाजपा ने राजमहल लोकसभा सीट से ताला मरांडी को अपना उम्मीदवार बनाया है. ऐसे में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता ताला मरांडी की जीत सुनिश्चित करने में जोर शोर से जुटे है. वहीं गठबंधन के तहत झामुमो तीसरी बार इस सीट पर अपनी जीत दर्ज करने की तैयारी कर रहा है. झामुमो ने निवर्तमान सांसद विजय हांसदा पर तीसरी बार भरोसा जताया है. इससे पहले विजय हांसदा 2014 व 2019 के चुनाव में जीत दर्ज कर चुके हैं. वहीं, अपनी ही पार्टी से बागी रुख अख्तियार किये झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम के चुनावी अखाड़े में कूदने से राजमहल का मुकाबला दिलचस्प हो गया है.

राजमहल लोकसभा क्षेत्र के चुनावी मुद्दे

राजमहल लोकसभा वैसे तो एक आदिवासी बहुल इलाका है, लेकिन यहां लंबे समय से अवैध तरीके से बांग्लादेशियों के घुसपैठ का मुद्दा काफी चर्चा में रहा है. हाल के दिनों में आदिवासी जमीन पर कब्जा के मामले में भी सुर्खियों में रहे हैं. इसके अलावा पलायन भी इस इलाके का अहम मुद्दा है. वहीं, क्षेत्र में मानव तस्करी का मुद्दा भी जोर-शोर से उठता रहा है. हाल के दिनों में राजमहल लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बोरियो, बरहेट और पतना जैसे इलाकों से मानव तस्करी के कई मामले आये हैं. इस पर रोकथाम एक बहुत बड़ी चुनौती है. अवैध खनन के मामले भी चुनाव के मुद्दे के रुप में समाने आ रहे हैं. इसके अलावा राजमहल को पश्चिम बंगाल से जोड़ने के लिए गंगा नदी पर पुल के निर्माण की मांग वर्षों से उठती रही है. यही हाल साहिबगंज रेलखंड का भी है. देश की सबसे पुरानी रेल खंडों में शुमार होने के बावजूद इसका अब तक अपेक्षित विकास नहीं हो सका है.

राजमहल का चुनावी समीकरण

राजमहल लोकसभा क्षेत्र की बड़ी आबादी गांवों में रहती है. इस सीट पर जनजीवन बेहद ही सामान्य है. पश्चिम बंगाल से सटे होने के कारण यहां बंग्ला भाषी लोगों का भी बड़ा प्रभाव रहा है. इसके साथ ही यहां अल्पसंख्यकों और ईसाई मिशनरी का भी प्रभाव है. राजमहल लोकसभा क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा साहिबगंज और पाकुड़ जिले में पड़ता है. वहीं सुंदर पहाड़ी का इलाका गोड्डा जिले और गोपीकांदर का इलाका दुमका जिले में पड़ता है. राजमहल विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की मजबूत पैठ है. 2019 के चुनाव में यहां से भाजपा प्रत्याशी ने एक लाख तीन हजार 62 मत लाकर झामुमो प्रत्याशी को 22 हजार 800 मतों के अंतर से पीछे धकेल दिया था.

ताला मरांडी के सामने हैं कई चुनौतियां

ताला मरांडी की सामने जीत के लिए नाराज चल रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के साथ ही खासकर राजमहल, लिट्टीपाड़ा व महेशपुर विधानसभा क्षेत्र में निकटतम प्रतिद्वंदी से काफी अंतरों से जीत हासिल करना सबसे बड़ी चुनौती रहेगी. क्योंकि, यही तीन विधानसभा क्षेत्र हैं, जहां ताला मरांडी ने अपने प्रतिद्वंदी को पीछे धकलने में कामयाबी हासिल की, तो संसद भवन तक उनके पहुंचने का उनका रास्ता साफ हो सकता है. राजमहल संसदीय क्षेत्र का पाकुड़ विधानसभा अल्पंसख्यक बहुल है. वहीं, बरहेट विधानसभा झामुमो का गढ़ है, लेकिन यहां से विधायक व पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कार्यकर्ताओं में निराशा देखी जा रही है.

झामुमो प्रत्याशी को अपनों से ही खतरा

राजमहल संसदीय क्षेत्र अंतर्गत बोरियो विधानसभा का प्रतिनिधित्व झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम कर रहे हैं. इस लोकसभा चुनाव में अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ वे चुनाव मैदान में खड़े हैं. ऐसे में झामुमो को पार्टी के भीतर से ही चुनौती मिल रही है. लोबिन के साथ झामुमो के वैसे कार्यकर्ताओं की एक बड़ा समूह है, जो हमेशा पार्टी के लिए लड़ता रहा, लेकिन पार्टी में कभी तरजीह नहीं मिली. जमीन की हेराफेरी को लेकर भी लोबिन अपनी ही सरकार के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं, लेकिन उनकी एक भी नहीं सुनी गयी. वहीं, निर्वतमान सांसद विजय हांसदा के खिलाफ लोगों की नाराजगी का लाभ भी लोबिन हेंब्रम को मिल सकता है.

2019 के लोकसभा चुनाव में किसे कितने वोट मिले थे

विधानसभा	झामुमो	भाजपा
राजमहल	80262	103062
बोरियो	76301	65360
बरहेट	62921	49299
लिट्टीपाड़ा	71504	55035
पाकुड़	125966	76711
महेशपुर	89635	58212

राजमहल लोकसभा में कब किस पार्टी का रहा कब्जा

वर्ष	राजनीतिक दल
1957	कांग्रेस
1962	झारखंड पार्टी
1967	झारखंड पार्टी
1971	कांग्रेस
1977	जनता पार्टी
1980	कांग्रेस
1984	कांग्रेस
1989	झामुमो
1991	झामुमो
1996	कांग्रेस
1998	भाजपा
1999	कांग्रेस
2004	झामुमो
2009	भाजपा
2014	झामुमो
2019	झामुमो

पिछले चार साल में फ्लैट और संपत्ति से मिलने वाले इनकम में भी हुई वृद्धि

ईडी की रडार में आए ब्यूरोक्रेट्स की संपत्ति में होता रहा इजाफा

- मनीष रंजन ने फ्लैट, तो रामनिवास यादव ने राजस्थान में खरीदी जमीन
- अफसरों ने कार्मिक विभाग को सौंपा है अपनी-अपनी संपत्ति का पूरा ब्योरा

रवि भारती। रांची

ईडी के रडार में आए झारखंड कैडर के आईएएस अफसरों की संपत्ति में लगातार इजाफा होता रहा है. पिछले चार साल के दौरान कई अफसरों की संपत्ति में वृद्धि हुई है. वर्ष 2019 में इन अफसरों ने कार्मिक विभाग को जो संपत्ति का ब्योरा सौंपा था, उस हिसाब से 2023 में इनकी संपत्ति और संपत्ति से होने वाले सालाना इनकम में भी 10 से 20 लाख रुपये तक की वृद्धि हुई है.

राम निवास यादव ने राजस्थान में खरीदी जमीन

अवैध खनन मामले में ईडी की रडार में आए, रामनिवास यादव की संपत्ति में पिछले चार साल के दौरान इजाफा हुआ है. उन्होंने राजस्थान के जयपुर में 3.5 बीघा कृषि भूमि खरीदी है, जिसकी कीमत 14.83 लाख रुपये बताई है. 2019 में उनके पास राजस्थान में जमीन के साथ एक फ्लोर का घर था, जिसकी कीमत 2019 में 25 लाख रुपये बताई थी. राम निवास यादव 2015 बैच के अफसर हैं.

झारखंड, बिहार, मुंबई व देहरादून में है मनीष रंजन की संपत्ति

झारखंड कैडर 2002 बैच के आईएएस अफसर मनीष रंजन की धन संपत्ति झारखंड सहित बिहार, मुंबई और देहरादून में भी है. पिछले चार साल के दौरान उन्होंने रांची के ओन्या में एक फ्लैट खरीदा है, जिसकी कीमत 27.49 लाख बताई है.

2019 में मनीष की संपत्ति

- बिहार के छपरा में जमीन (कीमत सिर्फ एक लाख रुपये बताई गई है)
- पुणे में घर (कीमत 3.50 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची में जमीन (कीमत 14 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची के सांगा में जमीन (कीमत 87500 रुपये बताई गई है)
- देहरादून में जमीन (कीमत 32.48 लाख रुपये बताई गई है)

2023 में रंजन की संपत्ति

- बिहार के छपरा में जमीन (कीमत बताई गई है सिर्फ एक लाख)
- पुणे में घर (कीमत 3.50 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची में जमीन (कीमत 14 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची के सांगा में जमीन (कीमत 87500 रुपये बताई गई है)
- देहरादून में जमीन (कीमत 32.48 लाख रुपये बताई गई है)
- रांची में फ्लैट (कीमत 27.49 लाख रुपये बताई गई है)

छविरंजन की संपत्ति में इजाफा नहीं

जमीन घोटाला मामले में ईडी की रडार में आए रांची के पूर्व डीसी आइएएस छवि रंजन ने कार्मिक को 2019 में जो संपत्ति की जानकारी दी थी, वहीं जानकारी 2023 में भी दी है. वर्ष 2019 व 2023 में दी गयी संपत्ति की जानकारी में छवि रंजन ने बताया था कि उनके पास रांची के कांके में 2139 वर्ग फीट का फ्लैट है.

घट गई पूजा सिंघल की संपत्ति

2000 बैच की आइएएस अफसर पूजा सिंघल की संपत्ति ईडी की कार्रवाई के बाद घट गई है. वे फिलहाल जेल में बंद हैं. 2019 में पूजा सिंघल के पास पश्चिम बंगाल के राजहाट में 30 लाख रुपये का घर था, जिससे सालाना इनकम पांच लाख रुपये थी. रांची के कांके में 7800 वर्गफीट जमीन, जिसकी कीमत 88 हजार रुपये थी. रांची के बरियातू में 4500 वर्गफीट का कॉमर्शियल प्लॉट था, जिसकी कीमत 2019 में 1.20 करोड़ रुपये बताई गई थी. इसके अलावा रांची के नगड़ी में 80 लाख रुपये की जमीन थी. अब चार साल बाद पूजा सिंघल के पास सिर्फ पश्चिम बंगाल के राजहाट में घर है, जिसकी कीमत 30 लाख रुपये बताई गई है. इस संपत्ति से पिछले चार साल में सालाना इनकम में सिर्फ एक लाख रुपये का इजाफा हुआ है. इसके अलावा कांके में 7800 वर्गफीट जमीन है, जिसकी कीमत 88 हजार रुपये बताई गई है.

विनय चौबे की संपत्ति में 12 लाख का इजाफा

शराब नीति को लेकर ईडी की रडार में आए 1999 बैच के आईएएस अफसर विनय चौबे का संपत्ति से मिलने वाले सालाना इनकम में 10 लाख रुपये का इजाफा हुआ है.

2019 में विनय चौबे की संपत्ति

- रांची के सांगा में 7820 वर्गफीट जमीन (कीमत आठ लाख रुपये बताई गई है)
- पाटलीपुत्र पटना में 1121 वर्गफीट का फ्लैट (कीमत 50 लाख रुपये बताई गई है)

2023 में विनय चौबे की संपत्ति

- रांची के सांगा में 7820 वर्गफीट जमीन (कीमत 10 लाख रुपये बताई गई है)
- पटना के पाटलीपुत्र में 1121 वर्गफीट का फ्लैट (कीमत 60 लाख रुपये बताई गई है)

राजीव अरूण एक्का की संपत्ति से मिलने वाले इनकम में इजाफा

इस साल मार्च में रिटायर हुए अपर मुख्य सचिव रैंक के अफसर राजीव अरूण एक्का की संपत्ति से मिलने वाले इनकम में इजाफा हुआ है. 1994 बैच के आइएएस अफसर राजीव अरूण एक्का के मोरहाबादी स्थित घर की कीमत 40 लाख रुपये थी, जो 2023 में बढ़कर 50 लाख रुपये हो गई. 2019 में इस संपत्ति से राजीव अरूण एक्का को सालाना 80 हजार रुपये मिलते थे, जो चार साल में बढ़ कर 1.25 लाख रुपये हो गए हैं.

रायपुर से अमन साहू गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोयला कारोबारी की हत्या करने पहुंचे अमन साहू गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार कर लिए गए हैं. गिरफ्तार अपराधियों में बोकारो निवासी रोहित स्वर्णकार के अलावा राजस्थान के पाली का रहने वाला मुकेश कुमार, देवेन्द्र सिंह और पप्पू सिंह शामिल है. इन अपराधियों के पास से एक पिस्तौल भी बरामद की गई है. ये अपराधी एक बड़े कोयला कारोबारी द्वारा पैसे नहीं देने पर उसकी हत्या की प्लानिंग करने के लिए रायपुर पहुंचे थे. पकड़े गये अपराधियों ने स्वीकार किया है कि अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई के कहने पर घटना को अंजाम देते थे. वर्तमान में अमन साहू गैंग को अपराधी मयंक सिंह मलेशिया में बैठ कर ऑपरेट कर रहा है.

आरोपियों से पूछताछ में हुए कई बड़े खुलासे : पुलिसिया पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि प्लानिंग के तहत मयंक सिंह ने रोहित स्वर्णकार को पहले मध्य प्रदेश के इंदौर शहर भेजा. इंदौर के सेंधवा से अपने संपर्क के माध्यम से एक पिस्तौल और एक मैग्जीन उपलब्ध कराया. फिर मयंक ने ही रोहित को पिस्तौल लेकर रायपुर पहुंचने कहा. वहीं, राजस्थान के पाली जिला के सारन गांव में बैठे पप्पू सिंह को वारदात को अंजाम देने के लिये एक बाइक राइडर की व्यवस्था करने को कहा गया. पप्पू सिंह ने सारन निवासी मुकेश कुमार भाट और देवेंद्र सिंह को वारदात के वक्त बाइक चलाने के लिये रायपुर रवाना किया. रोहित स्वर्णकार इंदौर के सेंधवा से पिस्तौल लेकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर ट्रेन से रायपुर पहुंचा. इधर मुकेश और देवेंद्र बस के माध्यम से रायपुर पहुंचे. प्लानिंग के मुताबिक, रायपुर पुलिस के जवान सादे लिबास में शहर के संभावित स्थलों पर तैनात किये गये. सादे लिबास में पेट्रोलिंग की अलग पार्टियां भी तैनात की गई. इसके बाद पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया.

खास बातें

- कोयला कारोबारी की हत्या करने गए थे चारों अपराधी
- गिरफ्तार अपराधियों में एक बोकारो का रहने वाला है

इंटेलीजेंस इनपुट पर रायपुर पुलिस ने की कार्रवाई

विश्वसनीय सूत्रों व इंटेलीजेंस इनपुट के आधार पर अमन साहू के कुछ सदस्यों की रायपुर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए मूवमेंट की सूचना पुलिस को मिली थी. आईजी अमरेश मिश्रा और रायपुर एसएसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में रायपुर पुलिस द्वारा 72 घंटे का गोपनीय ऑपरेशन प्लान कर तीन अपराधियों को छत्तीसगढ़ और एक को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया.

चौथी बार दुमका में जनसभा को संबोधित करेंगे पीएम

कल दुमका में विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे मोदी

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को फिर झारखंड आयेंगे. झारखंड में यह उनका चौथा दौरा होगा. वे दुमका में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करेंगे. इससे पहले पीएम मोदी की जनसभा जामा के मधुबन में, फिर राजमहल संसदीय क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा में तय हुई थी. हालांकि, बाद में पीएम का कार्यक्रम दुमका में तय हुआ. पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर रविवार को एसपीजी के अधिकारियों ने स्थानीय पदाधिकारियों के साथ सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर बैठक की. एयरपोर्ट पर बन रहे पंडाल में आम लोगों का प्रवेश, वीआइपी प्रवेश द्वार सहित अन्य चीजों को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिये गये. यह चौथा मौका होगा, जब प्रधानमंत्री मोदी दुमका पहुंचेंगे. इसके पहले दो बार वे चुनावी जनसभा को संबोधित करने और एक बार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को लॉन्च करने यहां आ चुके हैं.

नेशनल किक बॉक्सिंग में रांची के आयुष ने स्वर्ण जीता

रांची। पुणे के शिवाजी स्टेडियम में आयोजित जिल्ड्रेन व कैडेट नेशनल किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रांची आयुष कुमार ने स्वर्ण पदक जीता. इस प्रतियोगिता में झारखंड में खाते में कुल चार पदक आये, जिनमें तीन कांस्य व एक स्वर्ण पदक शामिल हैं. कांस्य पदक जीतनेवाले खिलाड़ियों में गर्व रिटोलिया (57 किलो वर्ग), प्राची प्रिया (37 किलो वर्ग), कार्तिक शौर्य (63 किलो वर्ग) शामिल हैं. इस प्रतियोगिता में झारखंड के एमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के 32 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. इस उपलब्धि पर झारखंड के अध्यक्ष बीसी ठाकुर व सचिव ओवैस अराफात ने राज्य के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है.

नशा संपूर्ण मानव जीवन को नष्ट करती है : विजय कुमार

रांची। झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अधक्ष, रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में 26 मई को नशा उन्मूलन विषय पर जागरुकता कार्यक्रम रांची रेलवे स्टेशन और बिरसा मुंडा बस स्टैंड टर्मिनल पर आयोजित किया गया. इस अवसर पर रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव, एलएडीसी के अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, वीरेंद्र प्रताप, पीएलवी संगीता सिंह, श्यास्था परवीन, संगीता देवी, पिंकू कुमारी, बबलू कुमार, राजा वर्मा एवं अन्य लोग शामिल थे.जागरुकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो हमारे संपूर्ण जीवन को नष्ट कर देती है. नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ समाज पर बोझ बन जाता है.एलएडीसी अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप ने कहा कि युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे की लत से पीड़ित है. सरकार इन पीड़ितों को नशे के चुंगल से छुड़ाने के लिए नशामुक्ति अभियान चलाती है.एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि नशा मुक्ति एक महत्वपूर्ण मानविक उद्देश्य है, जिसका मकसद व्यक्ति और समाज को नशे की बुराई से मुक्त करना है.

उपलब्धि | इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर देगा पेशेंट एडवोकेट एजुकेशनल अवार्ड

दुनिया भर के कैंसर पीड़ितों की राह रोशन करेंगे रांची के रविप्रकाश

चेतना झा। रांची

करीब साढ़े तीन साल से कैंसर के चौथी स्टेज को परास्त कर रहे झारखंड के पत्रकार रवि प्रकाश के हौसले से अब देश ही नहीं, दुनिया के लोग भी उम्मीदें बुलंद करेंगे. उनका चयन प्रतिष्ठित पेशेंट एडवोकेट एडुकेशनल अवार्ड के लिए हुआ है. यह अवार्ड इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी) नामक संस्था देगी. यह दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था है, जो लंग कैंसर के क्षेत्र में काम करती है और हर साल लंग कैंसर के क्षेत्र में मरीजों के मुद्दों को उठाने वाले शख्स को पेशेंट एडवोकेसी के लिए पुरस्कार देती है. रविप्रकाश को यह पुरस्कार सात सितंबर को अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन डिएगो शहर में आयोजित होनेवाले वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन लंग कैंसर (डब्लूसीएलसी) के दौरान दिया जाएगा.

व्यक्तिगत दर्द, समग्र में समाधान

2021 में जब रवि प्रकाश को अपने लंग कैंसर की जानकारी चौथे स्टेज में मिली, तो जाहिर है एक गहरा आघात सा उन्हें भी लगा होगा. पर आम मरीज और पत्रकार रविप्रकाश में फर्क यह रहा कि वे इस आघात से उबरे और बहुत बुलंद अंदाज में उबरे. अपनी बीमारी और दर्द को व्यक्तिगत नजरिए से निकाल कर समग्रता में देखा और फिर राहत के उपाय भी समग्रता में ही ढूंढ़े. कई राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय मंच पर कैंसर के इलाज, इस दौरान हुई दिक्कतों, महंगी दवाओं के खिलाफ आवाज बुलंद की. इससे कई दूसरे कैंसर पीड़ितों और उनके परिजनों को राहत मिली. कैंसर का इलाज बेहद महंगा है, ऐसे में जब खुद आर्थिक स्तर पर उन्होंने प्रयास किए तो एक राहत भरा कोना दूसरे कैंसर मरीजों के इलाज के लिए भी सुरक्षित किया. "कैंसर वाला कैमरा" उनका ऐसा ही एक कदम है. पहले रांची, फिर उसके बाद कई शहरों में अपनी खींची तस्वीरों की प्रदर्शनी सह बिक्री से जुटाए फंड से उन्होंने न केवल अपने इलाज, बल्कि दूसरे कैंसर पीड़ितों के इलाज के लिए भी फंड जुटाये. रवि प्रकाश कैंसर के मरीज़ों के लिए काम कर रही स्वयंसेवी संस्था लंग कनेक्ट इंडिया के निदेशक भी हैं. बहरहाल, रविप्रकाश कीमोथेरेपी के 68 सत्रों से गुजर चुके हैं. उनकी हिम्मत मानों कैंसर से ही सवाल करती हैं-

मैं आंधियों के पास तलाश-ए-सबा में हूं
तुम मुझ से पूछते हो मिरा हौसला है क्या?

"मैंने कैंसर मरीजों की दिक्कतें समझीं, फिर आवाज उठानी शुरू की

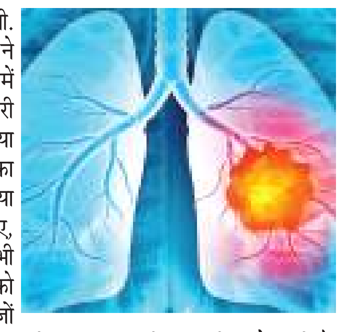

जिंदगी आराम से चल रही थी. तब एक दिन अचानक कैंसर ने दस्तक दे दी. अंतिम स्टेज में मेरे शरीर में घुस आया. मेरी सांसें अब चंद घंटे, महीने या साल की मेहमान थीं. उसका भी कोई तय समय नहीं. दुनिया से जाने का वक्त कब आ जाए, इसकी कोई गारंटी आज भी नहीं है. तभी मैंने कैंसर को समझना शुरू किया. मरीजों की दिक्कतें समझीं, तो फिर इसकी आवाज उठानी शुरू की. मुझे खुशी है कि इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर जैसी बड़ी संस्था ने मुझे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना है.

रविप्रकाश, वरिष्ठ पत्रकार

क्लासिफाइड

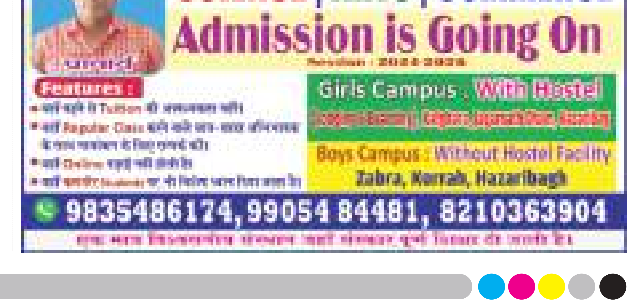

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, सोमवार 27 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 2, अंक : 48 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

मतदाताओं को नगर निगम ने दिया तोहफा

धनबाद । मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नगर निगम ने घोषणा किया था कि जो मतदाता अपने मतदान का प्रयोग किये हैं, उन्हें निगम के पार्कों में मुफ्त एंट्री दी जाएगी. शनिवार को मतदान के बाद रविवार को जिनके हाथ की उँगली पर मतदान का निशान दिखा, उन्हें मुफ्त एंट्री दी गई. मालूम हो कि शनिवार को मतदान के मद्देनजर निगम के सभी पार्क बन्द रखे गए थे. वहीं रविवार को पार्क खुलते हीं दिनभर पार्क में घूमने वालों की लंबी कतार रही. निगम के बिरसा मुंडा पार्क में घूमने आए लोगों की उंगली पर काली स्याही का निशान देख कर उन्हें मुफ्त एंट्री कराई गई. वहीं बेकारबांध स्थित राजेन्द्र सरोवर पार्क में सभी को मुफ्त एंट्री मिली.

350 लोगों ने अंगुली दिखाकर पाई एंट्री

धनबाद। नगर निगम के बिरसा मुंडा पार्क में रविवार को कुल 1122 सैलानी आये. जिसमे 772 के टिकट काटे गए. वहीं 350 लोगों ने अपनी उँगली पर काली स्याही लगी दिखा कर मुफ्त एंट्री पाएं. इसी तरह गोल्फ ग्राउंड में 443 सैलानियों में से 120 को मुफ्त एंट्री मिली. राजेन्द्र सरोवर पार्क में 455 सैलानियों में से 130 को मुफ्त एंट्री दी गई. मतदाताओं में पार्क में एंट्री मिलने पर काफी खुशी देखी गई।

आइएपीएल फाइनल में खूब लगा सट्टा

धनबाद : धनबाद में आइपीएल के दौरान खूब सट्टेबाजी हुई है. इस बार चुनाव के कारण पुलिस ने भी इस सट्टेबाजों की तरफ ध्यान नहीं दिया. रविवार को आइपीएल का फाइनल खेला गया.फाइनल के दौरान तो सट्टेबाज पूरी तरह सक्रिय रहे. मोबाइल से लेकर चाय-पान की दुकानों में खुलकर दांव लगाया गया. इस बार भी कई लोगों ने सट्टेबाजी में लाखों रुपये जीते तो अधिकांश लोग हारकर दुखी दिखे. फाइनल के दिन मैच के दौरान हर गेंद कर रुपये दांव पर लगाए गए. एक अनुमान के मुताबिक सिर्फ फाइनल के मैच में यहां करोड़ों रुपये की जीत-हार हुई है.

चंचनी कॉलोनी में भाजपा की बैठक संपन्न

धनबाद। चंचनी कॉलोनी में रविवार को भारतीय जनता पार्टी धनबाद लोकसभा स्तरीय एक बैठक हुई. बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि धनबाद सहित पूरे झारखंड में भारतीय जनता पार्टी की लहर है. पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गारंटी पर आम जनमानस ने काफी स्नेह और समर्थन तथा विश्वास व्यक्त किया है. झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तथा चंदनक्यारी के विधायक अमर बाउरी ने कहा कि झारखंड में सभी 14 सीट भारतीय जनता पार्टी तथा आजसू जीतेगी.

अंतिम चरण : इंडी गठबंधन के प्रत्याशी प्रदीप यादव के समर्थन में वोट मांगने के लिए गांधीग्राम पहुंची झामुमो नेत्री

प्रदीप यादव अनुभवी नेता हैं, इनको जिताकर संसद भेजिए : कल्पना सोरेन

खास बातें

- भाजपा वालों ने साजिश कर हेमंत सोरेन को भेजा जेल
- गांधीग्राम में कल्पना सोरेन ने जनसभा को संबोधित किया

संवाददाता।पथरगामा

अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ लिया है. रविवार को इंडी गठबंधन के प्रत्याशी प्रदीप यादव के समर्थन में वोट मांगने के लिए झामुमो नेत्री सह पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन जनता के बीच पहुंची. प्रखंड अंतर्गत गांधीग्राम में आयोजित जनसभा में उपस्थित ग्रामीणों को संबंधित करते हुए श्रीमती सोरेन ने कहा कि प्रदीप यादव एक अनुभवी नेता है. विधानसभा में इनकी आवाज गूंजती है, जिसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिलता है. इसलिए आप सबों से विनती है कि इन्हें अपना आशीर्वाद देकर दिल्ली तक भेजे. अब यह आवाज सांसद तक पहुंचनी चाहिए. दिल्ली की सरकार से आपके हक की लड़ाई लड़ने का काम ये करेंगे. आपके ही समाज से निकले हुए यहां का बेटा है. यहां की मिट्टी से जुड़े बेटा को अपना प्रतिनिधि चुनिए ताकि आपके हर सुख दुख में आपके लिए खड़ा हो सके. इस अवसर पर जेल में बंद अपने पति को याद करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि उन्होंने हमेशा आप सब के सहयोग से वे राज्य के मुख्यमंत्री बने. आपका और आपके क्षेत्र के विकास के लिए काम किया, इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा वालों ने साजिश कर इन्हें जेल भेज दिया. श्रीमती सोरेन ने बताई कि अब तक झारखंड में हुए चुनाव में गठबंधन के उम्मीदवार सभी सीटों पर चुनाव जीत रही है. अंतिम चरण में बचे तीन सीट भी हमारे खाते में आयेगी. इस मौके पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री हेमलाल मुर्मू, पूर्व विधायक संजय यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष कल्पना देवी, जिप सदस्य पश्चिमी पूनम देवी, पूर्व जिप सदस्य पूर्वी फूल कुमारी देवी, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष वासुदेव सोरेन, झामुमो नेता राजेश मंडल, राजद जिला अध्यक्ष सुरेश यादव आदि मौजूद थे.

एक बार मौका दें, मैं आपके लिए हमेशा खड़ा रहूंगा: प्रदीप

सभा को संबंधित करते हुए प्रदीप यादव ने कहा कि आप हमें एक बार मौका दें, मैं हमेशा आपके बीच मौजूद रहूंगा. पिछले 25 वर्षों से मैं जनता की सेवा ही करता आया हूं. आपके साथ हमेशा ईमानदारी के साथ रहूंगा और विकास के कार्यों को आगे बढ़ाऊंगा. इस बार पंद्रह वर्षों के आराजकता को हटाकर अपने घर के बच्चे को आशीर्वाद दीजिए.

सड़क हादसे में तीन तो उसरी फॉल में डूबकर दो की मौत

एनएच कल्याणपुर के समीप तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने ओमनी वैन को चपेट में लिया

खास बातें

- हादसे के बाद स्टीयरिंग में फंस गया था चालक, पांच जख्मी
- ओमनी को चपेट में लेकर ट्रेलर ढाई सौ फीट तक घसीटते ले गया

संवाददाता।बरवाअड्डा

बरवाअड्डा थाना अंतर्गत जीटी रोड कल्याणपुर में रविवार को करीब तीन बजे हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. इनमें चालक समेत तीन शामिल हैं. घटना में एक ओमनी कार को विपरीत दिशा से आ रही ट्रेलर ने चपेट में ले लिया. ओमनी कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच बुरी तरह जख्मी हो गए. सभी घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा गया है. उपरोक्त सभी लोग एक ही परिवार के हैं और राजगंज के डोमनपुर में बेटे का रिश्फाते की तारीख इनल करने जा रहे थे. इसी दौरान हादसा हो गया. हादसे का शिकार परिवार लोदना का रहने वाला है. बताते हैं कि रविवार को करीब तीन बजे टेलर संख्या एचआर47सी- 5677 ने मारुति ओमनी वैन संख्या जेएच10 एजे- 4165 को जोरदार धक्का मारा और लगभग दो ढाई सौ फीट तक रगड़ते हुए ले गया. वैन राजगंज की ओर जा रही थी, लेकिन गलत दिशा में होने की बात कही जा रही है. हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर फरार हो गया. हादसा इतना भयावह था कि वैन के चालक शमसाद अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई.

वाहन छोड़ भागा चालक

ट्रेलर का चालक इतनी तेज गति से वाहन चला रहा था कि उसने ओमनी वैन को करीब ढाई सौ फीट तक रगड़ दिया. इसके बाद भी वह नहीं रुका और मौके से भाग निकला. मामले की खबर गोविंदपुर पुलिस को दी गई कि एक ट्रेलर एक्सीडेंट कर फरार हो रहा है, ताकि उसे पकड़ लिया जाए. लेकिन चालक पहले ही उतर गया, और वाहन छोड़ कर फरार हो गया. ट्रेलर को गोबविंपुर पुलिस ने जब्त कर थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद ने इसकी सूचना बरवाअड्डा थाना प्रभारी को दी. गोबिन्दपुर थाना प्रभारी और डीएसपी शंकर कामती भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली.

छोटे बेटे की शादी की तारीख पक्की करने जा रहे थे

मारुति वैन सवार झरिया तिलावनी निवासी महेश्वर महतो अपने छोटे पुत्र नंदकिशोर महतो की शादी तय करने के लिए अपने सगे संबंधी विक्रम महतो, राजेन्द्र महतो, बंटी कुमार, मुकेश कुमार एवं गुजना कुमार के साथ राजगंज थाना क्षेत्र के डोमनपुर निवासी हारु महतो के घर जा रहे थे. इस दौरान कल्याणपुर के समीप टेलर ने मारुति वैन को जोरदार धक्का मारते हुए लगभग दो ढाई सौ फीट रगड़ते ले गया। घटना में मारुति चालक शमशाद अंसारी स्टीयरिंग सीट में बुरी तरह दब गए थे, इससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई. जबकि महेश्वर और राजेंद्र ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. मारुति में सवार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

सात दोस्तों के साथ आया था नहाने, पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया

खास बातें

- देवघर के निजी कोचिंग संस्थान से दोस्तों के साथ आया था घूमने
- गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों शव को बाहर निकाला

संवाददाता।गिरिडीह

गिरिडीह का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल उसरी वाटरफॉल (उसरी झरना) में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई. दोनों युवक देवघर जिले का निवासी बताया जाता है. जो उसरी झरना (वाटरफॉल) अपने सात अन्य दोस्तों के साथ घूमने आए थे.

मृतक युवकों में देवघर के राममंदिर झोंसागढ़ी निवासी राजकुमार गुप्ता का 20 वर्षीय पुत्र पवन गुप्ता और जूनपोखर निवासी मौली प्रसाद वर्मा का 18 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार वर्मा शामिल है.

घटना के संबंध में बताया गया कि देवघर के झोंसागढ़ी स्थित संचालित एक निजी कोचिंग संस्थान मिंडवेरा क्लासेज में पढ़ने वाले 9 छात्र रविवार को उसरी फॉल आए थे. झरना में नहाने के क्रम में पवन और दीपक फिसलकर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे. दोनों को डूबता देख उनके अन्य साथियों ने शोर मचाना शुरू किया लेकिन उनकी शोर सुन जब तक स्थानीय लोग वहां पहुंचे तब तक दोनों डूब चुके थे. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मुफ्फसिल थाना की पुलिस को दी.

घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने तुरंत ही महतोडीह पिकेट से अवर निरीक्षक संजय कुमार को मौके पर भेजा. संजय ने स्थानीय लोगों एवं गोताखोरों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों शव को बाहर निकलवाया. उसके बाद पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया. वहीं पुलिस ने घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे है. घटना के बाबत अवर निरीक्षक संजय ने कहा कि दोनों की मौत डूबने से हुई है. सूचना पाकर दोनों के परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे. इधर लोगों का कहना है कि वाटर फॉल में हर वर्ष इस तरह का हादसा होते रहता है. प्रशासन को वहां ब्रेकेटिंग की व्यवस्था करनी चाहिये, ताकि दूर दराज से आने वाले अनजान लोग गहरे पानी वाले क्षेत्र में नहीं जाएं और उनके जान माल की सुरक्षा हो सके. लोगों ने कहा कि पिछली बार धनबाद के एक छात्र की भी इसी प्रकार नहाने के दौरान उसके पैर फिसलने से वह भी गहरे पानी में समा गया था, जिससे उसकी भी मौत हो गई थी.

2,539 बूथ के ईवीएम रिसीव होने के बाद स्ट्रांग रूम सील

खास बातें

- चार जून को होगी वोटों की गिनती, थ्री लेयर सिक्योरिटी
- सीसीटीवी कैमरे से भी रखी जा रही रही निगरानी

संवाददाता ।धनबाद

धनबाद संसदीय क्षेत्र के बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, झरिया और धनबाद विधानसभा के सभी 2539 बूथ के ईवीएम कृषि बाजार समिति में रिसीव कर उन्हें संबंधित विधानसभा के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखकर स्ट्रांग रूम सील किया गया. स्ट्रांग रूम सील करने से पहले सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन और जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व निर्दलीय उम्मीदवारों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया. ईवीएम के सीरियल नंबर का मिलान किया. तत्पश्चात स्ट्रांग रूम सील किया गया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि धनबाद संसदीय क्षेत्र के सभी 2539 बूथों की सामग्री रिसीव करके ए, बी, सी व डी कैटेगरी के अनुसार उसे स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखकर स्ट्रांग रूम सील कर दिया है. अब मतगणना की तिथि 4 जून तक स्ट्रांग रूम थ्री लेयर सिक्योरिटी और सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेगा.

प्रीजाइडिंग ऑफिसर डायरी की स्क्रूटनी

सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन ने कृषि बाजार समिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व निर्दलीय उम्मीदवारों की मौजूदगी में प्रीजाइडिंग ऑफिसर डायरी की स्क्रूटनी की. उन्होंने धनबाद संसदीय क्षेत्र के बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, झरिया एवं धनबाद विधानसभा के सभी 2539 बूथ के प्रीसाइडिंग ऑफिसर से प्राप्त प्रीजाइडिंग ऑफिसर डायरी की बारी-बारी से स्क्रूटनी की.

2019 के लोकसभा चुनाव से 2% ज्यादा मतदान

2019 में हुए लोकसभा चुनाव से इस बार के चुनाव में दो प्रतिशत ज्यादा मतदान हुए हैं. उपायुक्त ने कहा कि इस बार जिला प्रशासन द्वारा लगातार चलाए जा रहे जागरुकता अभियान और स्वीप एक्टिविटी से मतदान प्रतिशत पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में 2 प्रतिशत अधिक रहा. इस बार के चुनाव में धनबाद लोकसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत 62.06% रहा. जिसमें धनबाद में 56.49%, झरिया 55.84%, सिंदरी 72.57%, निरसा 70.73%, बोकारो 52.86% और चंदनकियारी में 72.98% मतदान हुआ. धनबाद, झरिया, सिंदरी, निरसा और चंदनकियारी में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई, जबकि बोकारो में कम मतदान हुआ.

इनकी रही मौजूदगी

मौके पर सामान्य प्रेक्षक के. थवसीलन, उपायुक्त माधवी मिश्रा, सिंदरी के एआरओ सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, झरिया की एआरओ सह एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, धनबाद के एआरओ सह अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, निरसा के एआरओ सह एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, टुंडी के एआरओ सह डीसीएलआर संतोष गुप्ता, बाघमारा के एआरओ सह निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन के अलावा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व निर्दलीय उम्मीदवार मौजूद थे.

निर्देश स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी पर बंदियों से की बातचीत

प्रधान न्यायाधीश ने किया धनबाद जेल का निरीक्षण

- खुद जाकर जेल के हालात का जायजा लिया, जारी किए कई दिशानिर्देश

संवाददाता।धनबाद

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन राम शर्मा ने रविवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी ,अवर न्यायाधीश राकेश रोशन के साथ धनबाद मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया.जेल में कुल 636 दोषसिद्ध व विचाराधीन बंदी मिले. न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली. स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालयों की साफ-सफाई का निर्देश दिया. कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने का निर्देश जय डॉक्टर को दिया. शिक्षापरक एवं रोजगारपरक शिविरों का आयोजन कराकर उन्हें प्रशिक्षित किए जाने की बात जेलर से कही. महिला बैरक में कुल 26 महिला बंदियों से मुलाकात कर न्यायाधीश ने उनकी समस्याओं को सुना.

बंदियों को दी गई कानून की जानकारी

मंडल कारा धनबाद में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह ने बंदियों के अधिकार, , मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला ने प्ली बारगेनिंग अधिनियम, हाईकोर्ट द्वारा चलाए जा रहे यूटीआरसी स्कीम के बारे में जानकारी दी .अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी ने जमानत संबंधी प्रावधान के विषय में बंदियों को जानकारी दी .अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने कहा कि वैसे बंदी जो अपराध के मामलों में जेल में बंद है तथा जो अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं है, उनके लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की स्थापना की गई है. इसमें ऐसे बंदी जो अपना अधिवक्ता स्वयं करने में आर्थिक रूप से असमर्थ हैं. उनके मुकदमे की निशुल्क पैरवी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार में चीफ , डिप्टी चीफ व असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल की नियुक्ति की गई है. उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों की समस्याओं के समाधान के लिए लीगल एड डिफेंस काउंसिल से निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करें इसके लिए बंदी आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकार को भेजें.

30 मई से कॉलेजों में शुरू होगा नामांकन, प्रथम चयन सूची 29 को

संवाददाता।धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के अधीन धनबाद और बोकारो जिला के कॉलेजों में स्नातक में नामांकन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि भी समाप्त हो चुकी है. अब तक 28,015 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कॉलेजों के लिए यहां आवेदन किया है. नामांकन के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कॉलेज व विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रथम चयन सूची 29 मई को प्रकाशित की जाएगी. बीबीएमकेयू में इस वर्ष स्नातक के लिए करीब 52 हजार सीटें हैं. जिन छात्र-छात्राओं ने नामांकन के लिए आवेदन किया है, उनमें से 24,060 का आवेदन पेड है. अब भी काफी सीटें खाली हैं. व्यवसायिक पाठ्यक्रम के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है. अब तक 250 विद्यार्थियों ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए आवेदन कर चुके हैं.इसमें आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 31 मई तक निर्धारित है. 30 मई से छात्र-छात्राओं के कागजातों के सत्यापन का कार्य कॉलेज स्तर पर आरंभ कर दिया जाएगा. यह कार्य सात जून तक चलेगा.इसके बाद 12 जून तक नामांकन लेने वाले विद्यार्थियों को फीस जमा करनी होगी. 13 जून को नामांकन के लिए द्वितीय चयन सूची प्रकाशित की जाएगी.

23 जून को होगी नीट की परीक्षा

धनबाद। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में पीजी की पढ़ाई की अनुमति मिलने पर कॉलेज प्रबंधन उत्साहित है. 23 जून को नीट (पीजी) का एग्जाम होना है. इसके बाद रिजल्ट घोषित होने पर मेडिकल कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दाखिला शुरू होगा. मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने मेडिसिन विभाग में पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई के लिए तैयारी शुरू कर दी. मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. उमेश कुमार ओझा ने बताया कि पहली बार पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई मेडिसिन विभाग में शुरू हो रही है. इसके लिए पहले से ही संसाधन विकसित किए गए थे. पढ़ाई के दौरान मरीज के विभिन्न केस पर डिस्कशन किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

चोरी की मोटरसाइकिल सहित दो पकड़ाये

झरिया । मोटरसाइकिल चोरी के मामले में झरिया पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस ने चोरी गई मोटरसाइकिल के साथ दो आरोपियों को पकड़ने में सफलता पाई है. झरिया थाना कांड संख्या 96/24 में चोरी गई मोटरसाइकिल संख्या JHIOBP-2640 के साथ मो. हसनैन रजा, मो. राजा पुच्चर उर्फ राजा कुरैशी उम्र 25 वर्ष, पिता स्व. मनवर कुरैशी, पता नियर नूरी मस्जिद ऊपर कुल्ही झरिया को गिरफ्तार किया. जिसे पुलिस ने पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है. पुलिस का कहना है कि चोरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. घर-दुकान व वाहन चोरों के मामले में पुलिस संभावित इलाकों में रोजाना छापामारी कर रही है.

चेन पुलिंग करनेवाले 719 यात्री पकड़ाये

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर जोन अंतर्गत धनबाद समेत पांच रेल मंडलों में बिना पर्याप्त कारण के अवैध रूप से चेन पुलिंग कर रेल गाड़ियों को जहां-तहां रोकनेवालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जा रही है. पिछले 25 दिनों के अभियान में 719 यात्री पकड़े, जो बेवजह चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया था. पूर्व मध्य रेल सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन ''समय पालन'' के तहत ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि ट्रेनें अनावश्यक रूप से विलंब न हो. ऑपरेशन ''समय पालन'' के तहत 01 मई से 25 मई तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करने के आरोप में 719 लोगों को हिरासत में लिया गया.

क्विक वाटरिंग सिस्टम चालू

धनबाद। ईसीआर हाजीपुर जोन के धनबाद समेत पांच रेल मंडल में क्विक वाटरिंग सिस्टम चालू हो गया है. इस प्रणाली से किसी भी ट्रेन के सभी कोच में पांच मिनट में भर जाएगा. रेलवे अधिकारी के अनुसार पहले काफी परेशानी होती थी. पांच से दस मिनट के ठहराव के बाद भी पुरानी सिस्टम से सभी कोच में पानी नहीं भर पाता था. इससे यात्रियों को रास्ते में परेशानी होती थी. जोन के 12 स्टेशनों पर त्वरित जल प्रणाली की व्यवस्था की गई है.

30 मई से कॉलेजों में शुरू होगा नामांकन

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के अधीन धनबाद और बोकारो जिला के कॉलेजों में स्नातक में नामांकन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि भी समाप्त हो चुकी है. अब तक 28,015 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कॉलेजों के लिए यहां आवेदन किया है. नामांकन के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कॉलेज व विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रथम चयन सूची 29 मई को प्रकाशित की जाएगी. बीबीएमकेयू में इस वर्ष स्नातक के लिए करीब 52 हजार सीटें हैं. जिन छात्र-छात्राओं ने नामांकन के लिए आवेदन किया है, उनमें से 24060 का आवेदन पेड है. अब भी काफी सीटें खाली हैं. व्यवसायिक पाठ्यक्रम के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है. अब तक 250 विद्यार्थियों ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में नामांकन के लिए आवेदन कर चुके हैं.
इसमें आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 31 मई तक निर्धारित है.

पॉल्ट्री फार्म बना परेशानी का सबब, जानवर- इंसान दोनों को खतरा

तोपचांची प्रखंड के सिंहदाहा पंचायत अन्तर्गत तोलोडीह गांव के लोग परेशान

संवाददाता । तोपचांची

तोपचांचीः धनबाद जिला के तोपचांची प्रखंड के सिंहदाहा पंचायत अन्तर्गत तोलोडीह गांव में स्थित पोल्ट्री फार्म ग्रामीणों के लिए जी का जंजाल बन गया है. पोल्ट्री फार्म से निकलने वाला दुर्गंध ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी खड़ा कर रहा है. शुद्ध हवा में फैली पोल्ट्री फार्म की दुर्गंध से लोग परेशान हैं. सरकारी गाइडलाइन को दरकिनार कर पोल्ट्री फार्म का संचलन हो रहा है और संबंधित विभाग भी मौन धारण किए है.

तीन वर्षों से संचालित है पोल्ट्री फार्म

इस फार्म को लेकर ग्राणीणों में आक्रोश देखा जा रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि लगभग तीन वर्षों से गैर कानूनी तरीके से पोल्ट्री फार्म का संचालन किया जा रहा है. पोल्ट्री फार्म के दुर्गंध से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. शुद्ध हवा भी हमसे छीन लिया गया है. पिछले कई बार पोल्ट्री फार्म के विरुद्ध आवाज उठाया गया. लेकिन ग्रामीणों की आवाज को हर बार दबा दिया गया.

फार्म के वेस्टेज गड्ढों में मर जाती हैं गायें

पोल्ट्री फार्म के वेस्टेज गड्ढों में कई गाय की मौत हो चुकी है. पोल्ट्री फार्म के वेस्टेज पदार्थ को पोल्ट्री के संचालक द्वारा एक गड्ढे में पदार्थ को फेंक देता है. इसके बाद गांव के गाय वेस्टेज पदार्थ को खाने जाने के क्रम में दलदल रूपी इस जगह में फंस जाते हैं और इसी क्रम में एक गाय की मौत हो चुकी है. ग्रामीणों ने मुकाबिक कि कुछ माह के अन्तर्गत करीब दर्जन भर गाय की मौत हो चुकी है. चारदीवारी नहीं होने के कारण गाय चारा के लालच में पोल्ट्री फार्म की ओर प्रवेश कर जाती है और यह फंस कर मौत के घाट उतर जाती हैं.

पोल्ट्री फार्म में नहीं चारदीवारी

सरकारी गाइडलाइन के अनुसार पोल्ट्री फार्म के संचालन के लिए चारदीवारी की जरूरत होती है. बिना चारदीवारी के पोल्ट्री फार्म संचालन गैर कानूनी माना जाता है. लेकिन पोल्ट्री फार्म के संचालक सरकारी गाइडलाइन की को ताख पर रखकर पोल्ट्री फार्म का संचालन कर रहा है. चारदीवारी के संबंध में बीरबल मंडल ने कहा कि जमीन विवाद को लेकर चारदीवारी नहीं हो पाई थी.

खास बातें

- नियमों का नहीं हो रहा पालन, संबंधित विभाग भी मौन

पोल्ट्री फार्म के रसायन से कतरी जोरिया प्रदूषित

पोल्ट्री फार्म से निकलने वाला रसायन या अपशिष्ट पदार्थ कतरी जोरिया को प्रदुषित कर रहा. इधर कतरी जोरिया खुद ही अपनेअस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है. ग्रामीणों ने बताया कि कतरी जोरिया की पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि लोग इसमें अब नहाना भी पसंद नहीं करते हैं.

2018 यात्रियों से 12 लाख 26 हजार जुर्माना

धनबाद। धनबाद रेल मंडल के अधिकारियों द्वारा मंडल के विभिन्न खण्डों में रविवार को टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. 2018 यात्रियों से 12 लाख 26 हजार 525 रुपये जुर्माना वसूले गए. रविवार को सुबह से देर रात तक मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान कुल 2018 यात्रियों को पकड़ा गया, जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्री शामिल थे. इस दौरान उनसे 12 लाख 26 हजार 525 रुपये जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई व कड़ी हिदायत दी गई.

छत पर सो रहे थे दंपती, चोर उड़ा ले गए 5 लाख की संपत्ति

बेटा अपनी पत्नी के साथ गया था ससुराल, जेवरात ले गए चोर

खास बातें

- पत्नी के ऑपरेशन के लिए बैंक से निकाले थे रुपये

संवाददाता । महुदा

महुदा थाना क्षेत्र के चरकीटांड़ में शनिवार की देर रात चोरों ने कालाचांद नापित के घर से 50 हजार नकदी समेत पांच लाख की संपत्ति चोरी कर ली और भाग निकले. कालाचांद पत्नी के साथ छत पर सो रहे थे. उनका पुत्र अपनी पत्नी के साथ ससुराल गया है. इस संबंध में महुदा थाना पुलिस को रविवार सुबह सूचना दी गई तो पदाधिकारी व जवान घटनास्थल पहुंचे. जांच पड़ताल कर चोरों की तलाश की जा रही है. इस संबंध में गृहस्वामी कालाचांद नापित ने कहा कि अधिक गर्मी होने के कारण मैं और मेरी पत्नी रात में छत पर सो रहे थे. सुबह 4 बजे उठकर नीचे आए तो देखा कि घर का दरवाजा खुला है. कमरे में अलमीरा का दरवाजा खुला था और सारा सामान बिखरा पड़ा था. तिजोरी में रखे 50 हजार रुपये, बहू के जेवरात नहीं थे. पत्नी का ऑपरेशन के लिए बैंक से 50 हजार रुपये निकाल कर घर में रखे थे. चोरी गई जेवरात में सोने की चेन, मंगलसूत्र, कान की बाली, सोने का मंगटीका, दो जोड़ी पायल, अंगूठी व सोने का कंगन है. आठ माह पूर्व पुत्र की शादी हुई है. बहू के साथ वह ससुराल गया है. उन्होंने थाना में लिखित शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है.

रेड लाइट एरिया में पुलिस का छापा, दो दलाल गिरफ्तार

गया और मोकामा के ग्राहकों से लूटपाट के बाद पुलिस की कार्रवाई

खास बातें

- दिशा मुख्यद्वार पर पुलिस ड्यूटी फिर से लगाने की रखी गई मांग
- चार दुकानों को भी पुलिस ने किया सील, कई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता । बराकर

बराकर लच्छीपुर दिशा में दलालों के खिलाफ कुल्टी थाना पुलिस की ओर से रविवार को बड़ी कार्रवाई की गई. कुल्टी पुलिस की छापेमारी में दो दलालों को गिरफ़्तार करते हुए चार दुकानों को सील किया गया. यौन कर्मियों ने दिशा क्षेत्र में पहले की तरह पुलिस की तैनाती की मांग की है.
रेडलाइट एरिया में आए दिन लूटपाट की बढ़ती वारदातों को देखते हुए कुल्टी थाना पुलिस द्वारा यहां छापेमारी अभियान चलाया गया. इसका नेतृत्व कुल्टी थाना निरक्षक प्रभारी कृषनंदू दत्ता, नियामतपुर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी, बराकर फाड़ी प्रभारी, चौरंगी फाड़ी प्रभारी, सकतोरिया प्रभारी सहित काफी संख्या में पुलिस बलशामिल थे. पुलिस छापेमारी देखकर दलाल इधर-उधर भागने लगे. पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया. बता दें कि विगत दो तीन दोनों पहले ही गया के पांच युवकों के साथ मारपीट व लूटपाट की घटना जहां हुई थी, उसी कमरे में छापेमारी की गई, यह कमरा रतन हसन का है. लेकिन यहां से सभी फरार हो गए. पुलिस ने उसके संचालित कमरों में ताला जड़ा, वही अक्स अली, इसके कमरे में मोकामा से आए ग्राहकों के साथ मारपीट व लूटपाट की गई थी. उस कमरे में भी ताला लगा दिया गया. वहीं धौनी और अशोक द्वारा संचालित दुकानों को बंद किया गया. मालूम हो कि पुलिस द्वारा धौनी उर्फ मनीष के दो साथी को गिरफ़्तार कर चालान कर दिया है. शनिवार की रात्रि पकड़े गए दोनों को जेल भेज दिया गया. पुलिस ने अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है, तो फिलहाल फरार हैं. विगत कई दिनों से दलाल द्वारा लूटपाट की घटना बढ़ती जा रही थी. इससे यौनकर्मी काफी चिंतित थीं. बार-बार पुलिस प्रशासन से इन दलालों पर अंकुश लगाने की मांग हो रही थी. वहीं पुलिस की छापेमारी अभियान से यौन कर्मियों सहित स्थानीय दुकानदारों में खुशी देखी जा रही है. कुछ यौन कर्मियों ने मोर्चा खोलते हुए दुर्बार समिति द्वारा लगाए गए माइक से आवाज लगानी शुरू की. कहा कि ग्राहकों को सूचित करते हुए सभी दुकानदारों से कहा गया है कि ग्राहकों का बिल एसी कमरों में नहीं ले दुकानों में लिया जाय। वहीं यौनकर्मियों ने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई कि दिशा मुख्य द्वारा पर पहले के जैसा पुलिस की तैनाती की जाए. ताकि यहां दलाल राज समाप्त हो सके.

मंडल अध्यक्ष ने भाजपा नेता पर कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

भाजपा नेता पर पुत्र के साथ निर्दलीय प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार का आरोप

खास बातें

- आजसू प्रत्याशी के खिलाफ वीडियो डालकर नियम का किया उल्लंघन

संवाददाता । बरोरा

भाजपा बाघमारा मंडल अध्यक्ष बच्चू राय ने झारखंड प्रदेश अध्यक्ष को पत्र भेजकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल कार्यकर्ताओं के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई या निष्कासन करने की अनुशंसा की है. भाजपा बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के बरोरा थाना अंतर्गत बेहराकुदर शक्ति केंद्र के ग्राम लेडी निवासी गौतम सिंह धनबाद महानगर भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष के पद पर है. राहुल कुमार सिंह पूर्व में भाजपा युवा मोर्चा बाघमारा मंडल के उपाध्यक्ष थे. दोनों आपसी रिश्ते में पिता-पुत्र हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में पार्टी के विरुद्ध कार्य किया है. दोनों निर्दलीय प्रत्याशी जयराम महतो के पक्ष में कार्य किया. चुनाव प्रचार भी किया. यहां तक की घर में जयराम महतो का चुनावी कार्यालय खोला. अपने फेसबुक अकाउंट से जयराम महतो के पक्ष में चुनाव प्रचार-प्रसार अभियान चलाया. गिरिडीह लोकसभा एनडीए गठबंधन आजसू प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी के खिलाफ वीडियो डालकर पार्टी के नियमों का उल्लंघन कर पार्टी के अनुशासन को तोड़ा है. पार्टी विरोधी कार्य को देखते हुए दोनों के विरुद्ध पार्टी अनुशासन भंग करने के दोषी पाये जाने पर पार्टी से निष्कासन या निलंबन करने की अनुशंसा की है. ताकि पार्टी के भीतर अनुशासन भविष्य में बनी रहे.

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चला अभियान

धनबाद । यात्रियों की सेवा में रेलवे हर पल तैयार है. धनबाद रेल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर सुरक्षा-सुविधा व स्वच्छता को लेकर अभियान चलाया जा रहा है. रेलवे अधिकारी के अनुसार ट्रेनों में सुरक्षित बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग की निरंतर निगरानी के साथ-साथ यात्रियों के लिए सहायक सुरक्षात्मक उद्घोषणा की जा रही हैं. यात्री सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है, जैसे अनारक्षित टिकटों के लिए एटीवीएम की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है और आवश्यकता के अनुसार यात्रियों की सहायता के लिए एटीवीएम सहायक भी तैनात किए गए हैं. यात्रियों को किफायती दर पर स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए 20 रूपए में इकोनॉमी मील (किफायती भोजन), 50 रूपए में स्नैक्स मील (कॉम्बो भोजन) सस्ते दर पर उपलब्ध करायी जा रही हैं. पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था के लिए वाटर वेंडिंग मशीनों के माध्यम से कम कीमत पर शुद्ध, शीतल पेयजल की व्यवस्था की गयी है.

मालगाड़ी की चपेट में आकर रेलवे कर्मचारी की मौत

संवाददाता । कुल्टी

कुल्टी और सीतारामपुर के बीच रेलवे पुल के समीप एक रेलवे कर्मचारी की मालगाड़ी की चपेट में आकर मौत हो गई. घटना के संबंध में बताया जाता है कि आसनसोल रेल मंडल के सीतारामपुर कुल्टी के बीच रेलवे पुल संख्या तीन पर कार्यरत रेलवे कर्मचारी निताई पद सेन कार्य कर रहे थे. इसी क्रम में वह एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए. इससे उनकी मौत हो गई. इस संबंध में श्रमिक संगठन से जुड़े लोगों ने कहा कि विभाग के लोग उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते थे. इतना ही नहीं उसके साथ गाली-गलौज भी करते थे. उन्होंने बताया कि इस घटना में नियमों का पालन नहीं किया गया और जॉइंट नोट बनाए बिना ही शव को आसनसोल मंडल रेलवे अस्पताल लाया गया. घटना की सूचना मिलने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी वहां पहुंचे. कर्मचारियों की तरफ से इन लोगों ने समस्याओं को बताया. उन्होंने कहा कि आसनसोल रेल मंडल के डीआरएम ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे.

बराकर स्टेशन पर कटने से एक की मौत

बराकर । बराकर रेलवे स्टेशन परिसर के समीप एक व्यक्ति की मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वह व्यक्ति प्रतिदिन शाम के समय बराकर स्टेशन आ जाता था. दिन भर वह भीख मांगकर अपना भरण पोषण करता था. रविवार को बराकर रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटर से कुछ दूर पर वह लेट गया, कुछ देर बाद लोगों ने जाकर देखा तो उसकी सांस बंद हो चुकी थी. इसके बाद घटना की सूचना बराकर आरपीएफ को दी गई, हालांकि मृतक रेलवे क्षेत्र के बाहर था.
इसलिए आरपीएफ ने इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस प्रशासन को दिया. सूचना मिलते ही बराकर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में कर ले गई.

रिटायरमेंट से पहले विपिन ने चलायी आखिरी ट्रेन

सहकर्मियों ने किया बैंड बाजे के साथ स्वागत

संवाददाता । गोमो

रिटायर्ड से पहले लोको पायलट विपिन कुमार ने आखिरी ट्रेन जनशताब्दी एक्सप्रेस चलायी. गोमो रेलवे स्टेशन पर परिजनों और सहकर्मियों ने बैंड बाजे के साथ भव्य स्वागत किया. चालक ने रविवार को अंतिम दिन ड्यूटी की. वे 31 मई को रिटायर्ड हो रहे हैं. जानकारी के अनुसार विपिन कुमार जनशताब्दी एक्सप्रेस पटना से ट्रेन लेकर गोमो पहुंचे. जहां उनका स्वागत किया गया. ट्रेन के रूकते ही सबसे पहले उनकी पत्नी सीता देवी इंजन पर चढ़ गई और माला पहना कर नीचे उतारा. स्टेशन पर ईसीआरकेयू के पदाधिकारी व अन्य सदस्य भी थे. रेल चालक विपिंन कुमार ने कहा कि उन्होंने 36 वर्ष सफलता पूर्वक रेल की सेवा की. स्टीम इंजन से लेकर डीजल व इलेक्ट्रिक इंजन को सफलता पूर्वक चलाया.

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने डीआरएम और जीएम से मांगी 84 योजनाओं की रिपोर्ट

खास बातें

- अधिकतर योजनाएं अधूरी रहने से अधिकारियों में हड़कंप
- नक्सल प्रभावित क्षेत्र में काम करने में होती है परेशानी

संवाददाता । धनबाद

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा ने धनबाद रेल मंडल के डीआरएम केके सिन्हा और पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर जोन के जीएम तरूण प्रकाश से 84 रेल परियोजनाओं की अद्यतन रिपोर्ट मांगी है. सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल मंडल में रेलवे लाइन बिछाने से लेकर आरओबी, आरयूबी, सड़क निर्माण, भवन निर्माण, रेलवे क्वार्टर मरम्मत, कार्यालय निर्माण, तालाब का सौंदर्यीकरण, सोलर प्लांट समेत कई रेल परियोजनाएं पर काम चल रहा है. जिसमें अधिकतर रेल परियोजनाएं नक्सल प्रभावित क्षेत्र में हैं. नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रेलवे ठेकेदारों को काम करने में काफी परेशानी होती है. अक्सर ठेकेदार व उनके कर्मियों के साथ मारपीट व लेवी को लेकर वाहनों को जला देने की घटनाएं हुई है. ग्रैंडकॉर्ड व सीआईसी सेक्शन में पांच साल में तीन बार नक्सली घटनाएं हुई है. जिसके कारण कई महीनों तक काम रूका हुआ था. रेल कर्मियों के बीच चर्चा है कि समझौता होने के बाद रेलवे लाइन बिछाने का काम शुरू किया गया था. अभी धनबाद रेल मंडल में लिंक लाइन व तीसरी-चौथी लाइन बिछाने को लेकर बड़े स्तर पर काम चल रहा है. 84 योजनाओं में अधिकतर योजनाओं का काम अधूरा पड़ा है. समय अवधि में काम पूरा नहीं होने व रेलवे बोर्ड से रिपोर्ट मांगे जाने से अधिकारियों में हड़कंप है.

5 साल में करना था फ्रेट कॉरिडोर का काम, बीत गए 16 वर्ष

जानकारी के अनुसार डानकुनी से लेकर लुधियाना के बीच धनबाद रेल मंडल होकर कॉरिडोर के लिए दो लाइने बिछायी जा रही है, ताकि मालगाड़ियों का सुरक्षित परिचालन हो सके और समय पर मालगाड़ियां गंतव्य तक पहुंचे. जबकि फ्रेंट कॉरिडोर काम अभी तक पूरा नहीं हो सका है. डीएफसीसी का काम 2008 से चल रहा है. भूमि अधिग्रहण में धनबाद रेल मंडल को 16 वर्ष लग गए. जिसके कारण काम काफी धीमी गति से चल रही है. पांच साल में काम पूरा कर देना था. डीएफसीसीआईएल को अंतिम बार जून 2022 में काम को पूरा करने का एक्सटेंशन मिला था. इसके अलावा हाई स्पीड ट्रेन को चलाने के लिए भी रेलवे लाइन में काम चल रहा है और नई पोल लगाई जा रही है. रेलवे ठेकेदार की लापरवाही के पिछले साल निचितपुर हॉल्ट के पास में 29 मई को पोल लगाने के दौरान करंट आ जाने से 6 मजदूरों की मौत हो गई थी. हादसे के बाद कई दिनों तक काम रोक दिया गया था.

समस्या लेकर किसी भी समय आ सकती है जनता : ममता

पुलिस की ओर से पूरी मदद की जाएगी

संवाददाता । महुदा

महुदा अंचल के नवपदस्थापित पुलिस निरीक्षक ममता कुमारी ने रविवार को पदभार ग्रहण किया. इस दौरान महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार ने प्रभार सौंपते हुए उन्हें गुलदस्ता देकर स्वागत किया. पादुगोड़ा पंचायत के मुखिया महेश कुमार पटवारी ने शॉल देकर स्वागत किया. महुदा अंचल के पुलिस निरीक्षक ममता कुमारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पहला काम लंबित मामलों का अवलोकन कर उसे निष्पादन करना है. क्षेत्र के लोगों के सहयोग से अमन चैन कायम करने की पहली प्राथमिकता है. पुलिस और पब्लिक के बीच मधुर संबंध स्थापित करने की कोशिश की जाएगी. जनता किसी भी वक्त अपनी समस्या लेकर पुलिस के पास आ सकती है. पुलिस की ओर से पूरी मदद की जाएगी. ममता कुमारी इससे पहले सीआईडी रांची, रामगढ़ थाना समेत कई थानों में कार्य कर चुकी है.

मुखिया के प्रयास ने बदल डाली पंचायत की तस्वीर

10 वर्षों की मेहनत से टापूनुमा पंचायत पावापुर बना आदर्श पंचायत

संवाददाता। सरिया (गिरिडीह)

सरिया प्रखंड से सुदूर लगभग 7 किलोमीटर दूर में बसा पावापुर पंचायत आज फिलहाल कुछ वर्ष पूर्व एक टापूनुमा पंचायत था. जिसका भौगोलिक स्थिति यह थी कि लोग दिन में जाने से भय महसूस करते थे. पंचायत जाने के लिए भी पतली से पगडंडी एक मात्र रास्ता हुआ करता था. पंचायत के चारों ओर घने जंगलों के पहरा आज भी इस पंचायत की खूबसूरती है. लेकिन इस खूबसूरत इलाकों में जंगलराज जंगली जानवरों के आवागमन से लोग अकेले आने जाने में किसी की हिम्मत साथ नहीं देती थी. जब भी लोग अपने दैनिक कार्यों को पूरा करने बाजार या प्रखंड आते साथ में किसी अन्य व्यक्ति साथ लेकर आते. लेकिन आज आजादी के 76 वर्ष बाद भी पावापुर जाने के लिए एक मात्र कालीकरण सड़क गुजरी हुई है। लेकिन यहां के मुखिया के प्रयासों ने गांव की तस्वीर बदल कर रख दी है.

मुखिया के 10 वर्षों के कार्य से बदली पंचायत की तस्वीर

मुखिया संगीत देवी के लगातार 10 वर्षों के पंचायत के प्रति सकारात्मक सोच रखकर किया गया काम से आज पावापुर एक आदर्श पंचायत के रूप में उभर रहा है. सरकार से दी जाने वाली योजनाओं से यहां के ग्रामीणों को शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने का काम किया है. जिससे जरूरतमंद लोगों को लगभग 120 प्रधानमंत्री आवास, 350 राशन कार्ड, पेंशन, पानी निकासी हेतु 7 नालियां, 150 शौचालय, तकरीबन लगभग हर गलियों में पीसीसी व पेबर ब्लॉक की सड़कें, सोलर लाइट, घूमने के लिए 1 पार्क नलकुप निर्माण से आज पंचायत के लोगों की योजनाओं से लाभ मिल रहा है.

मनरेगाकर्मियों को काम देने का प्रयास

मुखिया संगीत देवी बताती हैं कि रोजगार के अभाव में लोग दूसरे शहरों में रोजगार के लिए पलायन करते हैं. इसलिए उनलोगों को पंचायत में काम मिले जिसके लिए जॉब कार्ड बनवाकर पंचायत में काम मिलें उस पर लगातार प्रयास करती हैं.

सड़कों के जाल व कृषि के लिए डोभा का निर्माण

आज पावापुर जाने के लिए एक मात्र काली कारण सड़क है. लेकिन पूरे पंचायत के लिए यह प्रयाप्त नहीं है. जिसके लिए मुखिया ने ग्रामीणों के साथ आम सभाओं के द्वारा ग्रामीणों की सहमति से मनरेगा द्वारा आज कई सड़कों का निर्माण कर प्रखंड व शहर से जोड़ने का काम किया है. जिससे लोगों के आवागमन में सुविधा बढ़ चुकी है.

उन्हें जिस उम्मीद के साथ उन्हें चुना है, उसे पूरा करना उनकी प्राथमिकता है. पंचायतवासियों को सरकार की योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ पहुंचना उनका कर्तव्य है. आगे भी सरकार के हर जनकल्याण योजनाओं से पंचायत के प्रत्येक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा. साथ ही सरकार से पावापुर जाने के लिए कालीकरण सड़के व जनहित में योजनाओं का प्रतिशत बढ़ाने की मांग की.

संगीता देवी
पावापुर मुखिया

शॉट सर्किट से घर में अगलगी से हजारों की संपत्ति जलकर राख

संवाददाता। बोकारो

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सिंहपुर गांव में रविवार दोपहर अचानक लाल मोहन महतो के घर में अगलगी की घटना में हजारों रुपये की संपत्ति स्वाहा हो गई. जानकारी के अनुसार लालमोहन महतो के घर में जब धुंआ उठते हुए ग्रामीणों ने देखा तो ग्रामीणों ने हल्ला मचाया. घर के लोग किसी काम से घर बंद कर गांव में ही दूसरे टोले में गए थे. ग्रामीणों ने फोन से उसे सूचना दी तो लालमोहन आये और ग्रामीणों की सहायता से बाल्टी, मग व डेगची के सहारे कुएं से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास करने लगे. आग की लपटें इतनी तेज थी कि एक घंटे के अंदर घर के अंदर रखा चावल, धान, दाल, सब्जी, बिस्तर, बक्सा, कपड़ा, चांदी के जेवर समेत लगभग 60 से 70 हजार की संपत्ति जल गई.

ब्रीफ खबरें

छपरा चुनाव गोली कांड की जांच की उठी मांग

बोकारो। गोप महासंघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष साधु शरण गोप ने छपरा में हुए चुनाव के दौरान घटना की निष्पक्ष जांच के लिए बिहार के डीजीपी को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा है कि लालू यादव के बेटी रोहिणी आचार्य पर हमला सिर्फ अपराधिक नहीं है, बल्कि सामाजिक अपराध भी है. जान की क्षति दुखद है. यह क्षति एक परिवार की है, लेकिन जो शब्दों का प्रयोग हुआ है, उससे मानव समाज घायल हुआ है. उसका घाव भरने में लंबा समय लगेगा. ऐसी घटना का विकसित समाज में कोई जगह नहीं है. यह सभ्य समाज के माथे पर कलंक है. ऐसे घटानाएं गरीब राज्यों के विकास में बाधक है, इसलिए अपराधिक दृष्टिकोण के साथ-साथ सामाजिक अपराध की दृष्टिकोण से भी जांच होनी चाहिए.

वन विभाग ने अवैध झोपड़ी को किया ध्वस्त

गावां (गिरिडीह)। गावां वन विभाग की टीम ने रविवार को पटना-डोरंडा रोड़ पर हैठली कन्हाय मौजा जंगल के पास सड़क किनारे बने आधा दर्जन से अधिक झोपड़ीनुमा दुकान को ध्वस्त करते हुए अवैध कब्जा मुक्त कराया है. बताया जाता है कि इन झोपड़ीनुमा दुकान में अवैध रूप से महुआ शराब बेचा जाता था. जहां आसपास के लोग शराब पीने आते थे. जिससे दिनभर यहां सड़क किनारे वाहन और लोगों का जमावड़ा लगा हुआ रहता था. जिसकी सूचना लगातार वन विभाग को ग्रामीणों के द्वारा मिल रही थी. इस सूचना के आधार पर एक टीम गठन कर वहां बने झोपड़ीनुमा दुकान को वन विभाग ने रविवार को ध्वस्त कर दिया. वनपाल पवन चौधरी ने कहा कि झोपड़ी ध्वस्त करते हुए सभी को कड़ी चेतावनी दी गई है कि वन भूमि पर किसी तरह के अवैध गतिविधि का संचालन नहीं करना है.

सशुवि मंदिर में नवीन समिति का पुनर्गठन

जरीडीह (बोकारो)। जैनामोड़ स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रविवार को बैठक कर विद्यालय के नवीन समिति का पुनर्गठन किया गया. विद्यालय में धनबाद के विभाग प्रमुख विवेक नयन पांडेय के मार्गदर्शन में नवीन समिति का पुनर्गठन किया गया. जिसमें संरक्षक प्रसाद देव, अध्यक्ष विरंची नाथ मिश्र, उपाध्यक्ष रमापति पाण्डेय, सतीश चंद्र जैन, सचिव नवीन गर्ग, सहसचिव नीलकंठ मंडल, कोषाध्यक्ष कन्हैया लाल स्वर्णकार, अभिभावक प्रतिनिधि ललिता देवी, सृष्टिधर महतो, रंजीत कुमार, धनंजय कुमार, आनंद महतो, हरिमती देवी, अरविंद ठाकुर, सिद्धेश नारायण दास, विवेक नयन पांडेय, माधव चंद्र झा को सदस्य एवं पदेन सह प्रधानाचार्य आनंद कुमार गोस्वामी को बनाया गया. वहीं आमंत्रित सदस्य के रूप में मोती सिंह, टीका प्रसाद, रंजीत महतो को बनाया गया.

गायत्री ज्ञान मंदिर में होगी गोष्ठी

बेरमो। अखिल विश्व गायत्री परिवार की गोष्ठी गायत्री ज्ञान मंदिर करगली बाजार में 30 मई को होगी. 19 से 21 जुलाई तक 9 कुंडीय मां गायत्री महायज्ञ को 9 जुलाई को भूमिपूजन को लेकर चर्चा की जाएगी. बोकारो जिला युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष धनेश्वर महतो, गोमिया प्रखंड समन्वयक पंचदेव यादव, बेरमो प्रखंड समन्वयक रघुनंदन बरनवाल, विनय बरनवाल, लखन महतो, राधे कुमार, पूनम सिंह, अर्चना बरनवाल, जय बहादुर थापा, संजय कुमार, पूनम गुप्ता, हिरण देवी, मिनी देवी, चंपा देवी, अर्पणा चक्रवर्ती, संतोषी चक्रवर्ती, ज्योत्सना चक्रवर्ती, कौशल्या देवी, विलासी देवी, उर्मिला देवी, मंजू सिंह आदि सक्रिय रहेंगे.

बीमा सहित अन्य मामले होंगे निष्पादित

तेनुघाट। आगामी 8 जून को तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा. प्रधान जिला जज अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा इसे लेकर बीमा कंपनी के अधिवक्ता एवं उनके पदाधिकारी के साथ बैठक करने सहित अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन को लेकर सभी को सूचित कर निष्पादन को लेकर न्यायालय में उपस्थित होने की जानकारी देने की बात कही. अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने बताया कि बीमा मामले सहित न्यायालय में अन्य लंबित मामलों का निष्पादन किया जायेगा.

अवैध माइका खदान में वन विभाग ने मारा छापा

विस्फोटक बरामद, माइका और खनन उपकरण जब्त

खास बातें

- गुप्त सूचना पर धरवे जंगल में हुई छापामारी
- खदान संचालक के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता। गावां(गिरिडीह)

गिरिडीह के गावां वन विभाग की टीम ने अवैध माइका उत्खनन के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. इस अभियान के तहत धरवे जंगल में आधा दर्जन से अधिक खदानों में छापेमारी की गई. जिसमें भारी मात्रा में जिलेटिन, डेटोनेटर, माइका और खनन में इस्तेमाल होने वाला कई उपकरण को जब्त किया गया. यह कार्रवाई रेंजर अनिल कुमार के निर्देश पर हुआ. वनपाल पवन चौधरी ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि धरवे जंगल में अवैध रूप से माइका उत्खनन किया जा रहा है. सूचना पर रेंजर के निर्देश पर एक टीम का गठन कर धरवे जंगल में छापेमारी की गई. इस छापेमारी में 45 पीस जिलेटिन, 1 पीस डेटोनेटर, 3 पीस हथौड़ी और सबल सहित कई खनन करने वाला उपकरण को जब्त किया गया. कहा कि मामले में खदान संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है. जब्त जिलेटिन एवं डेटोनेटर के संबंध में गावां थाना में भी खदान संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है. किसी भी सूरत पर अवैध खनन नहीं होने दिया जायेगा. मौके पर अभियान में प्रभारी वनपाल पवन चौधरी, वनरक्षी हीरालाल पंडित, पविन्द्र गुप्ता, बम शंकर वर्मा, सुनील हेम्ब्रम, राजेन्द्र प्रसाद, जिलाजित कुमार आदि थे.

नशे से बच्चों का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा : सुबोध कुमार

बेरहाबाद में कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन

संवाददाता। जमुआ (गिरिडीह)

झालसा रांची के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह अध्यक्ष के आदेशानुसार तथा सचिव डालसा के मार्गदर्शन में रविवार को जमुआ प्रखंड के बेरहाबाद पंचयात के अंतर्गत ग्राम घोरंजो में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया.

प्रखंड विधिक सहायता केंद्र जमुआ के पीएलवी सुबोध कुमार साव ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दिया एवं नशा करने से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए कहा कि किशोर बच्चे आज कल बहुत जोर शोर से नशा की ओर रुचि ले रहे हैं, जो इन बच्चों के भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है. नशा से मौत होने की आशंका भी अधिक है. असल में किसी भी तरह के नशे का हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है.

पीएलवी हीरा देवी ने उपस्थित लोगों को कहा कि नशा करने से हमारे सोचने समझने की शक्ति कमजोर होने लगती है. नशा एक ऐसी बुरी आदत है जो व्यक्ति को तन-मन-धन से खोखला कर देता है. इससे व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. उसके परिवार की आर्थिक स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जाती है. इस बुराई को समाप्त करने के लिए शासन के साथ ही समाज के हर तबके को आगे आना होगा. उक्त अवसर पर सुम्मा देवी, बलिया देवी, पुष्पा देवी, कुंती देवी, सुनीता देवी, निर्मला देवी, मीना देवी, उर्मिला देवी, बेबी देवी, हमरी देवी, सुनीता देवी, सुदामा देवी, बेबी देवी, अंजू देवी, जमुना देवी समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे.

लोगों को नशा मुक्ति के लिए किया जागरुक

साहिबगंज। रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज, नशा मुक्ति के लिए गाँव-गाँव तक पहुँच कर जन-जागरण किया। प्राधिकार के सचिव सह वरीय सिविल जज बिश्वनाथ भगत ने बताया कि झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार और प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज जिले के कई प्रखंडों में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया. उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए जहर से भी ज्यादा घातक है. नशे की वजह से इंसान खुद के काबू में नहीं रहता है, इसके चलते वह ऐसे अपराध को भी अंजाम दे बैठता है जिसके कारण उसे सलाखों के पीछे पछताना पड़ता है. अगर इसे अभी से ही नहीं रोका गया तो ये आगे चल कर विकराल रूप धारण कर सकता है. वहीं मंडरो प्रखंड के सभी लोगों को पीएलवी मंजीत हेम्ब्रम, साहेबगंज सदर प्रखंड के शोभापुर गंगा प्रसाद गाँव में पीएलवी रंजन कुमार सिंह, राजमहल प्रखंड में पीएलवी दिल नवाज अंसारी, निरापारा गाँव में पीएलवी मार्था मरांडी, शीला बासकी, कबुतरखोपी गाँव में पीएलवी सुविधा देवी समेत अन्य जगहों पर नशा मुक्ति के लिए लोगों को जागरूक किया गया.

हर घर नल जल योजना फ्लॉप सूख रहा है ग्रामीणों का गला

योजना को मूर्त रूप देने में लगे संवेदक अंतर्ध्यान

- गांव के 36 घरों को नल से जल पहुंचाने की योजना फेल

जमुआ (गिरिडीह)।

हर घर नल योजना जमुआ प्रखण्ड क्षेत्र में फ्लॉप साबित हो रहा है. फिलवक्त जमुआ प्रखंड के ग्रामीण इलाकों का यही मंजर आम है. पानी के लिए पानी की तरह सरकारी पैसा बहाने के बाद भी ग्रामीणों का गला प्यास से सुख रहा है. हर घर को नल से जल देने की योजना जमुआ प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में फ्लॉप साबित हुआ है. बोरिंग हो गया, मीनार बन गया, टँकी लग गई पर ग्रामीणों को पानी का एक बूंद भी मयस्सर नहीं है. इस महत्वकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने में लगे संवेदक आधा-अधूरा कार्य छोड़कर कहां अंतर्ध्यान हो गए किसी को कुछ नहीं मालूम.

नल जल योजना की मोनेटरिंग कर रहा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी भी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं. प्रखंड के प्रतापपुर में रीतलाल रविदास के घर के पास एवं टीकामगहा में विकु यादव के घर के आगे आज से साल भर पहले उक्त योजना की नींव डाली गई. बोरिंग हुआ, मीनार बना, टँकी भी लग गई बावजूद इसके स्थानीय ग्रामीण पानी के लिए तरस रहे हैं.

इस संयंत्र से गांव के 36 घरों को नल से जल पंहुचाना था. आखिर इस महती योजना पर कैसे ग्रहण लगा हुआ है, इस बात का जवाब किसी के भी पास नहीं है.

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के पास भी इस सवाल का कोई माकूल जवाब नहीं है. इधर भीषण गर्मी के कारण कुंआ तालाब और छोटे-छोटे नदी नाले सुख चुके हैं, पेयजल के विकल्प के तौर पर क्षेत्र में लगाये गए चापाकल भी दम तोड़ने की स्थिति में है.

जाहिर है पेयजल के लिए ग्रामीणों को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है.

डीपीएस के हार्दिक को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में देशभर में पहला स्थान

पिछले साल मिली थी 48वीं रैंक, इस बार बन गया कंट्री टॉपर

संवाददाता। बोकारो

लकीरें खींचकर उसे डिजाइन का स्वरूप देने की प्रतिभा एक बार फिर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो का छात्र रह चुके हार्दिक श्री के लिए काम आई. 19 वर्षीय हार्दिक ने देश के सबसे बड़े डिजाइनिंग संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) की परीक्षा में देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है. डिजाइन में दाखिले के लिए आयोजित परीक्षा में उसे ओपन और ओबीसी एनसीएल, दोनों ही कैटेगरी में आल इंडिया रैंक 1 मिली. खास बात यह है कि पिछले साल भी उसने एनआईडी में सफलता पाई थी, लेकिन रैंक 48 थी. इस बार उसने दोगुनी मेहनत की और पूरे भारत में पहला स्थान पाकर न केवल अपने विद्यालय, अपने शहर, बल्कि झारखंड प्रदेश का मान राष्ट्रीय फलक पर रोशन किया है. उसका मानना है कि नाकामी की बजाय उससे सबक लेकर और मेहनत करनी चाहिए. पढ़ाई-लिखाई या करियर संबंधी कोई परीक्षा जीवन की आखिरी परीक्षा नहीं होती. फेल होने पर हताश होने की बजाय अपनी रुचि को देखते हुए खुद को एक्सप्लोर करें, अपनी प्रतिभा को विस्तार दें, अवसर और सुखद परिणाम जरूर मिलेंगे. एक खास बातचीत में हार्दिक ने बताया कि उसकी दिली ख्वाहिश एनआईडी अहमदाबाद से डिजाइनिंग में चार-वर्षीय स्नातक करनी थी, जो विगत वर्ष पूरी नहीं हो पाई थी. इसलिए, उसने इस बार जी-तोड़ मेहनत की. आगामी एक जुलाई से वहां उसका सत्र शुरू हो रहा है. उसकी इस कामयाबी पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है. प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने उसे बधाई देते हुए इसे विद्यालय सहित पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताई है. उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने विद्यार्थियों को हर वह अवसर प्रदान करता है, जिससे कि वे विभिन्न क्षेत्रों में अपना भविष्य संवार सकें.

हार्दिक ने पिछले ही साल डीपीएस बोकारो से 90 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी. इसके पूर्व 10वीं में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किया था.

गिरिडीह लोस क्षेत्र के 2160 ईवीएम वज्रगृह में रखे गए

बोकारो। गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के छह विधानसभा गोमिया, बेरमो, डुमरी, बाघमारा, टुंडी एवं गिरिडीह के 2160 ईवीएम मशीन को कड़ी सुरक्षा के बीच बोकारो स्थित कृषि बाजार समिति के स्ट्रांग रूम में रखा गया है. गिरिडीह संसदीय क्षेत्र के मतगणना बोकारो कृषि बाजार समिति केंद्र में होगा. जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गिरिडीह मिलाकर कुल बूथ 2160 में 2160 ईवीएम लगाई गई थी. गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में कुल मतदाता 1864660 हैं, जिसमें 64.75 मतदान प्रतिशत रहा. आंकड़ों के अनुसार कुल 1207367 वोट पड़े. जिसकी गिनती आगामी 4 जून को की जाएगी. 94 ऐसे मतदान केंद्र रहे जो पी प्लस वन श्रेणी में होने के कारण शनिवार को उसी क्षेत्र में बनाये गए क्लस्टर सेंटर में सुरक्षित रखा गया था, जिसे रविवार को ब्रजगृह पहुँचाया गया. मौके पर ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव खुद मौके पर निगरानी कर रही हैं, वहीं विभिन्न प्रत्याशियों के प्रतिनिधि भी ब्रजगृह के बाहर मौजूद हैं. सभी प्रत्याशियों के प्रतिनिधि ईवीएम में पड़े वोटों की गिनती होने तक बारी-बारी से ब्रजगृह में तैनात रहेंगे.

सर्वे रास्ता काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, चार घायल

गिरिडीह। गिरिडीह के धनवार थाना इलाके के पांडेयजोर के घघरीबाद गांव में सर्वे रास्ता को निजी जमीन बताकर उसका स्वरूप बदल रहे दबंगों ने पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों से भिड़ गए. इस दौरान धनवार थाना पुलिस ने जब दबंगों के खिलाफ सख्ती किया, तो माहौल शांत हुआ. रविवार शाम सर्वे रास्ता का स्वरूप बदल कर गांव के कपिल राय, शिबू राय समेत अन्य दबंग लोग जेसीबी से उसे खेत का रूप दे रहे थे. इस दौरान जेसीबी से करीब 10 फिट के रास्ते को काटकर उसका स्वरूप बदल दिया गया. इसकी जानकारी जब अरविंद पंडित, कैलाशी देवी, शांति देवी, सुरेश पंडित, महेंद्र पंडित समेत अन्य ग्रामीणों को हुई तब इन्होंने इसका विरोध करना शुरू कर दिया. इस दौरान विरोध कर रहे ग्रामीणों ने जब काम रोका. तो कुछ दबंगों ने हंगामा शुरू कर दिया. जानकारी मिलने के बाद धनवार थाना पहुंची और दोनों पक्ष को शांत कराने का प्रयास किया. लेकिन कपिल राय और शिबू राय अपने लोगों के साथ अरविंद पंडित, महेंद्र पंडित समेत अन्य लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दिया, पथराव भी किया. जब पुलिस सख्त हुई, तब माहौल शांत हुआ और पुलिस जेसीबी को जब्त कर ले गई. जबकि मारपीट में घायल हुए लोगों को रेफरल अस्पताल धनवार पहुंचाया.

झामुमो प्रत्याशी के समर्थन में निकली रैली

ललमटिया। राजमहल लोकसभा क्षेत्र के महागठबंधन प्रत्याशी विजय हांसदा के समर्थन में रविवार को जिला के ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरिया हाट में झामुमो प्रखंड कमिटी द्वारा रैली निकाली गई. रैली में सैकडों की संख्या में समर्थक शामिल थे. रैली डुमरिया गांव से निकल कर डुमरिया हाट के विभिन्न रास्ते से होते हुए गांव के प्रत्येक गली का भ्रमण करते हुए चौराहा तक पहुंची. इस दौरान रैली में शामिल समर्थकों द्वारा प्रत्याशी के समर्थन में नारेबाजी होती रही. चौराहा पर जुटे नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड से इस बार भाजपा का कमल खिलने वाला नहीं है.

मानवाधिकार के सदस्यों ने थाना प्रभारी से की मुलाकात

गावां। विश्व मानवाधिकार संगठन (इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एसोसिएशन) गावां प्रखंड के नव गठित टीम के सदस्यों ने गावां थाना प्रभारी महेश चंद्र से संगठन के अध्यक्ष सोनू मिस्त्री, सचिव मो तौकीर रजा, उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, अकील हैदर तथा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष जमीला खातून, मंजू देवी, राजकुमारी, सुनीता देवी आदि ने मुलाकात कर विश्व मानवाधिकार संगठन के उद्देश्य और कार्य प्रणाली से अवगत कराया.

गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र में लगा गंदगी का अंबार

सफाई के नाम पर नगर निगम कर रहा हर माह दो करोड़ खर्च

खास बातें

- आकांक्षा कंपनी की लापरवाही से शहर की स्थिति नारकीय
- विधायक आवास के बाहर भी लगा कचड़े का अंबार
- बदबू से राहगीरों को हो रही परेशारी

अभय वर्मा। गिरिडीह

शहर की सफाई व्यवस्था पर गिरिडीह नगर निगम हर माह करीब 2 करोड़ रुपया खर्च करता है, बावजूद शहर की स्थिति नारकीय बनी रहती है. पिछले चार दिनों से शहर में कचरा का उठाव नहीं हुआ है. कई बार तो शहर के मुख्य स्थलों पर भी कचरा का जमाव रहता है, पर नगर निगम सोई रहती है. बदबू से हर राहगीर को परेशानी होती है, पर नगर निगम के साहबों का दावा रहता है कि शहर में कचरा का उठाव नियमित रूप से होता है. बड़े-बड़े होर्डिंग और बैनर लगाकर स्वच्छता का संदेश देने वाली गिरिडीह नगर निगम का खुद सफाई में कोई रुचि नहीं रहता है.

यही कारण है कि रविवार को शहर के मुख्य चौक चौराहों पर कूड़े का ढेर लगा हुआ था. नगर निगम के चार दर्जन सफाई कर्मियों के अलावा आकांक्षा कंपनी के द्वारा कूड़ा कलेक्शन का दावा किया जाता है. पर आकांक्षा कंपनी की लापरवाही के कारण शहर की स्थिति नारकीय बनी रहती है.

आलम यह है कि पूर्व विधायक निर्भय सहवादी के आवास के सामने, मकतपुर उच्च विद्यालय के पास तथा कालीबाड़ी चौक रोड स्थित कचरे का जमाव सालों भर रहता है. जबकि इन कचरों से सड़कों से शहर के विधायक सहित कई आला अधिकारी गुजरते हैं पर बंद एसी गाड़ी से किसी को बाहर झांकने की फुर्सत नहीं होती.

इस बाबत नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त अशोक हांसदा ने कहा कि शहर की सफाई नियमित रूप से की जा रही है. संयोग है कि दो चार स्थानों पर गंदगी देखी गई. कहा कि कहीं कचरा जमा हो तो इसकी शिकायत नगर निगम में की जा सकती है. यह भी सच है कि अभी बरसात आना बाकी है. बरसात से पूर्व एक बार फिर बड़े नालियों की सफाई के नाम पर लाखों की राशि की निकासी की जाएगी. यह यहां हर साल होता है.

पानी की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री आवास कोलघट्टी के सदस्यों ने की बैठक, समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी

प्रधानमंत्री आवास के 288 फ्लैटों में पानी की घोर समस्या, लंबी कतार में लगने को मजबूर लोग

संवाददाता। हजारीबाग

पानी की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री आवास कोलघट्टी के सदस्यों ने अजय साव की अध्यक्षता में रविवार को बैठक की. बैठक में पानी की समस्या के समाधान पर चर्चा की गई. लोगों ने बताया कि पानी की व्यवस्था नहीं होगी, तो एक साथ सभी सदस्य फ्लैट छोड़ देंगे. अजय साव ने बताया कि पानी को लेकर 288 फ्लैटों के सदस्यों के बीच आपस में झगड़ा होते रहता है. नगर निगम क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद आवास में पानी की सुविधा नहीं मिल पा रही है. पानी की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. दूर दराज से लोगों को पानी भरकर लाना पड़ता है. समस्या को लेकर हजारीबाग जिला उपायुक्त, उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, वार्ड पार्षद, पीडब्ल्यूडी को ज्ञापन सौंप चुके हैं. लेकिन अब-तक कोई समाधान नहीं हुआ. जल्द समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा. बैठक में सोसायटी के अध्यक्ष, सचिव, महासचिव, कोषाध्यक्ष, आवास के सदस्य मौजूद थे.

पानी लेने के लिए कतार में खड़े लोग.

बिजली कटौती से लोग त्राहिमाम होगी तालाबंदी : राजेश ठाकुर

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा है कि रामगढ़ में बिजली कटौती से जनजीवन अस्त व्यस्त है. इस भीषण गर्मी में लोग गर्मी से त्राहिमाम कर रहे हैं. छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित हो रही है और बिजली की आंख मिचौली से रामगढ़ के व्यापारी परेशान हैं और भ्रष्ट राज्य सरकार भ्रष्टाचार में लीन है. इस सरकार से झारखंड के लोग परेशान हो चुके हैं, ऐसी सरकार को जनता को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए. कांग्रेस और जेएमएम की सरकार ने भ्रष्टाचार में शामिल होकर गरीब गुरबों के पैसों को अपनी घर की तिजोरी में जमा कर रही है. मंत्री के नौकर के घरों से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं और राज्य में बेरोजगारी बढ़ रही है. यदि बिजली कटौती को जल्द से जल्द ठीक नहीं किया गया तो आने वाले समय में बिजली विभाग में तालाबंदी किया जाएगा. ठाकुर ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी मनमाने तरीके से बिजली काट रहे हैं, यह राज्य सरकार की लापरवाही है.

झुमरी तिलैया में पेयजल आपूर्ति को लेकर विधायक ने की उपायुक्त से बात

प्रभावित वार्डों में नीरा यादव की पहल पर पेयजल के लिए टैंकर की होगी व्यवस्था

संवाददाता। झुमरी तिलैया

नगर में विभिन्न वार्डों में कई दिनों से पेयजलापूर्ति नहीं हो रही है। अनियमित पेयजल आपूर्ति के कारण विभिन्न वार्डों के लोगों ने विधायक डॉ. नीरा यादव को शिकायतें की. पेयजल की विकट समस्या को देख उन्होंने त्वरित निदान के लिए कोडरमा उपायुक्त मेघा भारद्वाज से फोन पर बात की. विधायक ने

उपायुक्त से कहा कि बाधित पेयजलापूर्ति के कारण कई वार्डों को सिर्फ पेयजल के लिए पेयजलापूर्ति विभाग पर ही निर्भर रहने के कारण आमजनों को काफी परेशानी हो रही है. उन्होंने उपायुक्त से कहा जब तक सुचारु रूप से पेयजलापूर्ति न हो तब तक के लिए वैकल्पिक व्यवस्था व इसके निदान के लिए पीने योग्य पानी के टैंकर नगर के विद्यापुरी,अड्डी बंगला सहित कई मुख्य रूप से प्रभावित विभिन्न वार्डों में शाम से ही उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें.

ब्रीफ खबरें

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक की मौत

चरही। चरही यूपी मोड़ मंदिर के समीप रविवार को मोटरसाइकिल सवार युवक को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी. इस घटना में बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. हादसे के बाद अज्ञात वाहन फरार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही चरही पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया. परिजनों के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया. चुरचू प्रखंड जिला परिषद सदस्य वासुदेव करमाली ने बताया कि चरही निवासी उमेश करमाली 35 वर्ष पिता कंगलु करमाली मोरंगी स्थित फैक्ट्री में नौकरी करता था. हर रोज की तरह रविवार को भी ड्यूटी पर गया था.

मारपीट मामले में एफआईआर दर्ज

कटकमसांडी। थाना क्षेत्र के मनार गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट मामले में एफआईआर दर्ज कर कटकमसांडी पुलिस जांच में जुट गई है. घटना में दोनों पक्षों से एक-एक लोग जख्मी हु थे, जिनका इलाज सदर शेख भिखारी मेडिकल कालेज व अस्पताल में चल रहा है. घायलों में योगेंद्र यादव व मूलचंद भुईयां शामिल हैं. जानकारी के मुताबिक, मूलचंद भुईयां को भूदान यज्ञ कमिटी बिहार से जमीन दी गई है, जबकि अर्जुन यादव, योगेंद्र यादव सहित अन्य को भी इसी में जमीन मिली हुई है. दोनों पक्ष विवादित क्षेत्र को अपना बता रहे हैं. योगेंद्र यादव उक्त जमीन पर मकान का निर्माण कर रहा था. इसी बीच दूसरे पक्ष द्वारा विरोध किए जाने को लेकर मारपीट की घटना हुई.

शिविर में 18 लोगों ने किया रक्तदान

हजारीबाग। पेलावल विकास मंच का 9वां रक्तदान शिविर पेलावल दक्षिणी पंचायत भवन में संपन्न हुआ. शिविर का शुभारंभ रक्तदाता ऐनुल हक सा.खिरगांव ने किया तथा समापन मंच के उप सचिव इंजमामुल हक भारती ने किया. शिविर में मुख्य अतिथि मंच के संरक्षक डॉ. सीपी दांगी, फिरदौस हसन एवं डॉ. एके मेहता थे. विशिष्ट अतिथि में राहुल सिन्हा एवं अली मुराद खान थे. भीषण गर्मी के कारण रक्तदाताओं की उपस्थिति पूर्वाह्न 11:30 बजे तक नगण्य थी. तत्पश्चात धीरे-धीरे रक्तदातगण उपस्थित होने लगे. शिविर में कुल 18 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. शिविर में एकमात्र महिला रक्तदात्रि साहिना तरन्नुम सा.मंडई ने रक्तदान कर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा की श्रोत बनी.

बरकाकाना में 15 और 16 जून को मंडा पूजा

रामगढ़। बुजुर्ग जमीरा शिव मंदिर के प्रांगण में मंडा पूजा को लेकर बैठक रविवार को हुई. बैठक की अध्यक्षता जीतू यादव एवं संचालन पवन कुमार यादव ने किया. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 15-16 जून को बुजुर्ग जमीरा वार्ड नंबर 7 में मंडा पूजा धूमधाम से मनाने और मेला का आयोजन करने का निर्णय लिया गया. इस दौरान एक कमेटी बनाई गई. मंडा पूजा समिति में अध्यक्ष सनी यादव, सचिव पवन कुमार यादव, रमेश गोप, कोषाध्यक्ष चंदन गोप,जयंत यादव, उपाध्यक्ष देवा गोप, बबलू यादव, सह सचिव राहुल गोप,सुनील मुंडा सदस्य के रूप में मिथुन यादव अजय गोप उर्फ़ लुंबा, दबंग यादव, आनंद यादव आदि शामिल किया गया.

नहीं कोई राहत : हजारीबाग में खून चूस रहे हैं एंबुलेंस संचालक

सरकारी रेट महज दिखावा निजी से भी अधिक किराया

शुभम संदेश **पड़ताल**

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

आपात स्थिति में लोग एंबुलेंस की सुविधाओं लेते हैं, लेकिन हजारीबाग में इसकी कुछ अलग ही कहानी है. यहां लोगों को राहत देने की बात तो दूर, एंबुलेस संचालक आर्थिक मामले में मरीज या मृतकों के परिजनों का खून चूस रहे हैं. अब देखिए न, हजारीचाग सदर अस्पताल या शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से रिम्स तक जाने में एंबुलेंस संचालकों ने सारी हदें पार कर दी है. 3000 रुपये से लेकर 2700 रुपये गिना लेते हैं. अगर कहीं ऑक्सीजन लगाने की जरूरत पड़ी, तो 300 रुपये अलग से चार्ज देने पड़ते हैं. अर्थात 3000 रुपये पॉकेट में है, तो मरीज को एंबुलेंस से आप रिम्स ले जा सकते हैं. यहां यह भी ध्यान रहें कि एंबुलेंस को टोल टैक्स नहीं देना पड़ता है. किसी निजी कार या टैक्सी से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची तक सफर करेंगे, तो टोल टैक्स समेत अधिकतम किराया 2700 रुपये तक लिया जाता है, जबकि सरकार ने एंबुलेस के रेट भी तय कर रखे हैं. इस हिसाब से 10-12 रुपये प्रति किमी चार्ज देना होता है.

सदर अस्पताल में खड़ी निजी एंबुलेंस.

समाजसेवा के नाम पर यह कैसा छलावा : बटेश्वर प्रसाद

भाजपा नेता बटेश्वर प्रसाद मेहता कहते हैं कि समाजसेवा के नाम पर यह कैसा छलावा किया जा रहा है. कई समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने आम नागरिकों की सेवा के लिए एंबुलेस की सुविधाएं मुहैया कराई हैं, लेकिन एंबुलेस संचालक तो मरीजों अथवा मृतकों के परिजनों का खून चूस रहे हैं. यह गंभीर चिंतनीय विषय है. ऐसा लगता है कि एंबुलेंस संचालकों में मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं. ऐसे में सिर्फ वाहवाही लूटने के लिए एंबुलेस देने का कोई मतलब नहीं है. पीड़ित मानवता की सेवा करनी है, तो मुद्दों को तो कम-से- कम बख्श देना चाहिए, एंबुलेस को व्यवसाय नहीं बनाना चाहिए.

ऐसे में अगर हजारीबाग से रिम्स 90 किमी है, तो 1800 से 2000 रुपये तक किराया लगना चाहिए. आखिर 700 रुपये किराया बढ़ाकर लेना कहां तक उचित है, यह गंभीर चिंतनीय विषय है. एक तो मरीज के परिजन मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से पहले से ही परेशान रहते हैं और ऊपर से एंबुलेंस संचालकों की यह करतूत. मजबूरी में लोगों को एंबुलेंस का सहारा लेना पड़ता है. इतना ही नहीं, मुर्दों को लाने-ले जाने के लिए भी एंबुलेंस संचालकों की खूब मनमानी चलती है. स्थानीय स्तर पर तो अनाप-शनाप किराया वसूले जाते हैं.

संवेदनाएं खत्म

- ऑक्सीजन के लिए अलग से 300 रुपये वसूले जा रहे
- मुर्दा उठाने के लिए भी रकम मांगते हैं एंबुलेंस वाले

क्या कहते हैं निजी एंबुलेंस संचालक

इस संबंध में निजी एंबुलेंस संचालक ने बताया कि सरकार की ओर से दूरी के अनुसार 12-रुपये प्रति किमी रेट फिक्स किया गया है. लोकल किराया अपने हिसाब से दूरी के अनुसार लेते हैं. हमारी एम्बुलेंस किलोमीटर से नहीं चलती है. हम रांची जाने का किराया लेते हैं.

कोडरमा स्टेशन पर शिप्रा एक्सप्रेस में घटी घटना पर की गई कार्रवाई

यात्रियों के साथ मारपीट करने पर पांच कोच अटेंडेंट गिरफ्तार

संवाददाता। कोडरमा

इंदौर से हावड़ा जाने वाली शिप्रा एक्सप्रेस के पांच कोच अटेंडेंट को रेल यात्री के साथ मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. यह जानकारी कोडरमा जीआरपी प्रभारी उपेंद्र पासवान ने दी है. उन्होंने बताया कि यात्री की लिखित शिकायत पर पांच कोच अटेंडेंट को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन पर गिरफ्तार किया गया है और पांचों को धनबाद जेल भेज दिया गया. दरअसल, शनिवार रात कोडरमा रेलवे स्टेशन पर कुछ कोच अटेंडेंट की गुंडागर्दी दिखी थी. शिप्रा एक्सप्रेस के कोडरमा रेलवे स्टेशन पर रुकने के बाद 6 से 7 की संख्या में कोच अटेंडेंट ने मिलकर बिहार के गया से ट्रेन में सवार हुए दो यात्रियों के साथ जमकर मारपीट की. कोडरमा जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार पंकज कुमार और सुमन कुमार नामक दो रेल यात्री

कोडरमा रेलवे स्टेशन

जेनरल टिकट पर गया रेलवे स्टेशन में शिप्रा एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुए थे. दोनों यात्रियों ने टीटीई से मिलकर एसी कोच में सीट कंफर्म करने का आग्रह किया. इधर, जब ट्रेन में सवार टीटीई ने ट्रेन में सीट नहीं होने की बात कही, तो एसी बोगी के कोच अटेंडेंट इन दोनों यात्रियों के पास पहुंचे और उन्हें कंफर्म सीट देने की बात कहते हुए सामान रखने वाली सीट पर दोनों यात्रियों को बैठा दिया. आरोप है कि थोड़ी देर बाद इन दोनों यात्रियों से प्रत्येक सीट के लिए तीन 3000-3000 रुपये की मांग कोच अटेंडेंट करने लगे. इधर, टीटीई ने दोनों यात्रियों को कोडरमा स्टेशन पर उतरकर साधारण डिब्बे में सफर करने की सलाह दी. इधर, शिप्रा एक्सप्रेस जैसे ही कोडरमा स्टेशन पहुंची दोनों यात्री ट्रेन से उतरने लगे, लेकिन इसी बीच 6 से 7 की संख्या में कोच अटेंडेंट ने कोडरमा स्टेशन पर दोनों यात्रियों को दौड़ा-दौड़ा पीटा. बेल्ट और लात-घूसों से इन दोनों यात्रियों की जमकर पिटाई की गई और ट्रेन खुलने के बाद कोच अटेंडेंट ने इन दोनों यात्रियों को कभी भी शिप्रा एक्सप्रेस में सफर नहीं करने की धमकी भी दी. कोडरमा स्टेशन से शिप्रा एक्सप्रेस के रवाना होने के बाद इन दोनों यात्रियों ने कोडरमा जीआरपी में कंप्लेन दर्ज कराई. इसके बाद जीआरपी ने त्वरित एक्शन लेते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन (गोमो) पर ट्रेन के पहुंचने के बाद पांच कोच अटेंडेंट को गिरफ्तार कर धनबाद जेल भेज दिया.

कोर्रा थाना क्षेत्र में गिरिडीह के युवक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबुगांव स्थित कुंदन पटेल के लाज में किराए पर रह रहे गिरिडीह जिले के तेंदुआगढ़ा गांव निवासी युवक सचिन कुमार ने शनिवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. वह लॉज में रहकर पढ़ाई करता था. थाना प्रभारी शमशेर बहादुर ने बताया कि यह घटना शनिवार की रात 8:30 बजे की है. पपरिजनों ने बताया कि उनके आने के बाद शव को फांसी के फंदे से निकला जाए. जब अभिभावक पहुंचे उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. मृतक के पिता प्रकाश कुमार ने आवेदन देकर कहा है कि उसके पुत्र ने अवसाद के कारण आत्महत्या की है.

विष्णुगढ़ के प्रवासी मजदूर के शव को सऊदी से वतन लाने की गुहार

विष्णुगढ़। हजारीबाग जिला अंतर्गत विष्णुगढ़ के रहने वाले प्रवासी मजदूर 45 वर्षीय फिदा हुसैन पिता हमीद अंसारी की सऊदी में मौत हो गई है. फिदा रोजगार के लिए सऊदी गए थे जिसके बाद बीते शुक्रवार को हर्ट अटैक से मौत की खबर मिली. मौत से उसके परिजन सदमे में हैं. पत्नी बार-बार पति के मृत शरीर को घर मंगाने की गुहार लगा रही है. मृतक के परिवार में माता-पिता और पत्नी समेत तीन बच्चे हैं. प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले सिकंदर अली ने फिदा की मौत पर संवेदना जताते हुए शव को हर संभव वतन वापस मंगाने का भरोसा दिलाया है.

एसएस मार्ट का हजारीबाग में होगा विस्तार, मिलेगा रोजगार

बैठक में उपस्थित कंपनी के निर्देशक व अन्य.

संवाददाता। हजारीबाग

एग्रो एंड लेबर मल्टी स्टेट कॉरपोरेशन द्वारा संचालित एस एस मार्ट के नाम से हजारीबाग के जिले में एवं प्रखंडों में छोटे-छोटे दुकान एवं बड़े-बड़े मॉल खोले जाएंगे, जिसकी तैयारी पिछले तीन महीने से की जा रही थी. रविवार को हजारीबाग जिले के लोगों की एक बैठक रखी गई. इसमें बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर, गारमेंट, मेडिसिन, फर्टिलाइजर, सेनेटरी, रोजमर्रा के वस्तुएं दुकान में उपलब्ध रहेंगी. सामानों में 15 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी. बहुत सारे युवाओं को रोजगार मिलेगा जिले के हर प्रखंड में लोगों को जोड़ा जाएगा. सामान लेने वाले लोगों को 550 रुपये का कार्ड बनाना होगा, जिस पर एवरेज में उन्हें समान भी दिया जाएगा. मजदूर, किसान वर्ग के लोगों को इसमें ज्यादा फायदा होगा. रियायत मूल में सामान मिलेगा.

जमीन के मुआवजे के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद में किया हमला

केरेडारी में चचेरे देवर ने चाकू से वार कर भाभी को किया घायल

संवाददाता। केरेडारी

थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव में रविवार की दोपहर बाद करीब 3 बजे एक युवक ने एक महिला को चाकू से मार मारकर घायल कर दिया. घायल महिला को परिजनों व प्रमुख सुनीता देवी ने आनन फानन में केरेडारी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के पश्चात उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया.

महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि जोरदाग गांव निवासी आदित्य साव के 20 वर्षीय पुत्र हेमंत कुमार साव ने चचेरी भाभी पर अपने घर के पास घात लगाकर हमला किया. विक्रम साव की 22 वर्षीय पत्नी किरण देवी पर देवर ने

अस्पताल में उपस्थित घायल महिला.

अचानक चाकू से पीठ, सीना और गर्दन पर चार पांच बार वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. महिला वहां कुछ देर घायल पड़ी रही. फिर हो हल्ला होने के बाद वहां ग्रामीण और परिजन जुटे. बताया जाता है किरण देवी की शादी 2021 में चतरा जिले में हुई थी. किरण देवी का दो साल का लड़का है, जिसका नाम आर्यन कुमार है. वहीं ग्रामीणों ने बताया कि किरण देवी दो माह की पेट से भी थी. घटना का मुख्य कारण एनटीपीसी द्वारा जमीन का मुआवजा है. जिसके बंटवारे को लेकर गोतिया में विवाद चल रहा था. इस घटना संबंध में सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत जोरदाग गांव पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार करना चाहा. लेकिन आरोपी के सभी परिवार घर से फरार पाए गए. थाना प्रभारी अजित कुमार ने बताया कि इस मामले को लेकर आवेदन जैसे दिया जायेगा मामला दर्ज कर कानूनी कर्रवाई की जायेगी.

सशक्त परिवार बनाने के लिए नशामुक्त होना जरूरी : देवंती

नशा मुक्ति अभियान चलाकर लोगों को जानकारी देतीं शिक्षिका.

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार रविवार को नशामुक्ति अभियान हजारीबाग जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले चलाया गया. इस दौरान डालसा सचिव गौरव खुराना के निर्देशन में पैनल लॉयर बासुदेव राणा, चौपारण पीएलवी हरेंद्र राणा, बरही पीएलवी पंकज कुमार द्वारा कई गांवों में लोगों को नशा से नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया. वहीं राणा टोला बच्छई में राजकीय बुनियादी विद्यालय बच्छई की शिक्षिका देवंती कुमारी ने कहा कि जिस घर-परिवार एवं समाज में नशा करने वाले लोग होते हैं उसमें कई प्रकार की समस्याएं आती रहती हैं. इससे विकास में ग्रहण लगने की संभावना बढ़ जाती है. वहीं पैनल लॉयर बासुदेव राणा ने घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, भरण-पोषण, डायन-भूत अधिनियम, पोक्सो कानून, बाल श्रम, बाल विवाह, शिक्षा अधिकार अधिनियम, मोटर वेकल एक्ट और मानव तस्करी जैसे कानूनों के बारे में लोगों को बताया. मौके पर भैरो राणा, शिक्षिका देवंती कुमारी, गीता देवी, संगीता देवी, रेणु देवी, विकास शर्मा, सबिता देवी आदि उपस्थित थे.

पहल प्रखंड क्षेत्र के पाराटांड गांव में पुरानी परंपरा भी कायम

ईख की खेती कर किसान नए तरीके से निकाल रहे हैं रस

संवाददाता। कटकमसाडी

प्रखंड क्षेत्र की कंडसार पंचायत के पाराटांड में पुराने जमाने के तरीके से गुड़ बनाया जा रहा है. वहीं ईख से रस निकलने के लिए पहले के समय में बैल एवं भैंसा का उपयोग में किया जाता था, लेकिन वर्तमान समय में किसानों द्वारा नई तकनीकी मोटरसाइकिल से रस निकलने का काम किया जा रहा है.

इस संदर्भ में पाराटांड के किसान प्रमोद मेहता ने बताया कि ईख की खेती में किसानों को बहुत मेहनत करनी पड़ती है. समय-समय पर खेती करने के लिए किसानों को सरकार की ओर से पूंजी अगर मिलती तो किसान उन्नत बीज

नए तरीके का इजाद कर ईख से रस निकालते ग्रामीण.

बोते. उन्होंने कहा कि कटकमसाडी प्रखंड क्षेत्र में केवल पाराटांड गांव में ही फिलहाल ईख की खेती की जा रही है.

किसान सुरेश मेहता ने बताया कि ईख की खेती में बहुत मेहनत करनी पड़ती है और जिस तरह से मंहगाई बढ़ी हुई है उस हिसाब से किसानों को मेहनताना नहीं मिलाता है. किसान बालेश्वर प्रसाद ने बताया कि सरकार की ओर से किसानों को ईख की खेती करने के लिए बढ़वा देने की जरूरत है. ईख की खेती करने में पूरे वर्ष का समय लगता है. किसानों को उचित मूल्य मिलना चाहिए.

किसानों की मांग

- सरकार की ओर से पूंजी उपलब्ध कराई जानी चाहिए
- फसल में पूरे वर्ष का समय लगता है, उचित मूल्य मिले

झोपड़ी में संचालित भोजनालय में अज्ञात का शव हुआ बरामद

संवाददाता। हजारीबाग

सदर थाना क्षेत्र के कचहरी के सम ऐप गुरु गोविंद सिंह पार्क के किनारे बोर से बने एक भोजनालय से शव बरामद किया गया है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राजमिस्त्री कालीचरण नाम का व्यक्ति दुकान में कभी-कभी खाना खाने आया करता था. वहीं झोपड़ी में संचालित भोजनालय के मालिक का कहना है कि तकरीबन चार-पांच दिन से दुकान बंद थी. मृतक कभी भी बंद झोपड़ी में आकर सो जाया करता था. शनिवार सुबह जब दुकानदार अपनी दुकान खोलने आया तो उसका शव झोपड़ी में पाकर सदर थाना को सूचना दी. वहीं सदर थाना पुलिस द्वारा जांच करते हुए मृतक के शव को पोस्टमार्टम करने के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भेज दिया.

मतदान के बाद रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह, धनबाद में राजनीतिक सरगर्मी शिथिल

अपनों संग बिताया दिन किया जीत का दावा

अपनी माटी, परिजन व अराध्य देवता की शरण में उतारी चुनावी थकान

झारखंड में तीसरे चरण का मतदान समाप्त होने के साथ ही रांची, जमशेदपुर, गिरिडीह और धनबाद में चुनावी सरगर्मी थोड़ी सुस्त पड़ गई है. या कहें कि पार्टी नेताओं की भागमभाग पर कुछ समय के लिए ब्रेक लग गया है. इन चार संसदीय सीटों की पार्टियों के प्रत्याशी, नेता,कार्यकर्ता रविवार को चुनावी थकान मिटाते दिखे. ज्यादातर प्रत्याशियों ने अपनी माटी,अपना परिवार और अपने अराध्य देवता की शरण में जाकर चुनावी थकान मिटाई. हर किसी के चेहरे पर जीत के भाव थे और उन्होंने खुद भी इसका दावा किया. सबकी जुबान पर यही था कि जनता ने उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया है. चार जून को देखिएगा जीत हमारी होगी. वे उत्साह से लबरेज हैं. रविवार को सभी शांत मस्ती के मूड में दिखे. चुनावी भागदौड़ ने उन्हें जरुर थोड़ा थका दिया है. पर अंदर से वे अब भी ऊर्जावान हैं और अपनी जीत का दावा कर रहे हैं. कार्यकर्ता भी अपने नेता की जीत के प्रति आशान्वित हैं. शुभम संदेश की टीम ने चारों संसदीय क्षेत्र के प्रमुख प्रत्याशियों से मतदान के बाद के बाद कैसा महसूस कर रहे हैं और उनकी चुनावी थकान दूर हुई या नहीं इस पर बात की. पेश है रिपोर्ट..

धनबाद

कार्यकर्ताओं से घिरी रहीं अनुपमा, सबने साझा किया अनुभव

- दिन के दो बजे प्रधान चुनाव कार्यालय पहुंचीं, विमर्श किया
- जीत के समीकरणों को खंगालने में जुटी रहीं प्रत्याशी अनुपमा

अमित सिन्हा। धनबाद

धनबाद लोकसभा में शनिवार को मतदान ख़त्म हुआ. सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है. जीत-हार से पर्दा चार जून को पर्दा उठेगा. कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह मतदान के दूसरे दिन रविवार को भी कार्यकर्ताओं से घिरी रहीं. सुबह से ही उनके जामाडोबा आवासीय कार्यालय में कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा रहा. सभी कार्यकर्ता मतदान के दौरान के अपने-अपने अनुभव भी साझा कर रहे थे. साथ ही अपनी कर्तव्य निष्ठा का भी बोध करवा रहे थे. अपने-अपने बूथ पर बढ़त के दावे किए जा रहे थे. यहां से निकलने के बाद दिन के दो बजे अनुपमा सिंह बैंक मोड़ स्थित प्रधान चुनाव कार्यालय ब्लैक रॉक होटल पहुंची. जहां उन्होंने कांग्रेस के नेताओं संग विचार विमर्श किया. उनके चुनाव में सभी के सार्थक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया. इसके बाद सभी के साथ दोपहर का खाना भी खाई. इस दौरान उनके चेहरे पर चुनाव में जीत को लेकर उत्साह साफ दिख रहा था. कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि महागठबंधन प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने कांग्रेस सहित महागठबंधन के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है. धनबाद लोकसभा से कांग्रेस की जीत के अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया है.

ढुल्लू महतो दिखे शांत और जीत के प्रति आश्वस्त

- अपने आवासीय परिसर में कार्यकर्ताओं से बातचीत करते दिखे ढुल्लू महतो
- कार्यकर्ताओं से लिया मतदान का रुझान, कहा- पांच लाख से अधिक अंतर से होगी जीत

कतरास। राम पांडेय/अब्दुल हमीद/भोला झा

धनबाद लोकसभा भाजपा प्रत्याशी सह बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो चुनावी प्रचार की व्यस्तता के बाद रविवार को ढुल्लू अपने चिटाही स्थित आवास परिवार के साथ समय बिताने के साथ ही आम दिनों की तरह लोगों से मुलाकात कर रहे थे. प्रतिदिन की तरह सुबह वे रामराज मंदिर में पूजा अर्चना की. इसके बाद ढुल्लू अपने आवासीय परिसर में अपने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर अपने पक्ष की वोट की जानकारी लेते दिखे. वे अपनी जीत के प्रति काफी आश्वस्त दिख रहे थे. उनके अनुसार वे करीब पांच लाख मतों से विजय होंगे. उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा में उनको भारी बढ़त मिल रही है. क्योंकि समाज के हर वर्ग से जाति-धर्म से उपर उठकर उन्हें वोट किया है.

गिरिडीह

हर दिन की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले मथुरा महतो

संवाददाता। कतरास

कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, रिलैक्स मूड में थे

गिरिडीह लोकसभा से गठबंधन के झामुमो प्रत्याशी सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो प्रतिदिन की की तरह सुबह चार बजे पैमिया ऋषी मेमोरियल स्कूल भेलाटांड मॉर्निंग वॉक करने पहुंचे. उनके साथ दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मॉर्निंग वॉक किया. मॉर्निंग वॉक के बाद मथुरा महतो सिजुआ छह नंबर बस्ती स्थित आवास पहुंचे. इसके बाद नहा धोकर अपने आवासीय कार्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठ कर विभिन्न बूथों में हुए मतदान जानकारी ली. साथ ही कई बिंदुओं पर कार्यकर्ताओं से समीक्षा की. इस दौरान में काफी रिलैक्स मूड में दिख रहे थे. उनके कार्यकर्ता मथुरा महतो की जीत पक्की मान रहे हैं. जीत के प्रति कार्यकर्ताओं में उत्साह दिख रहा था. एक कार्यकर्ता की तबीयत खराब होने की सूचना पर मथुरा प्रसाद महतो दोपहर 12 के करीब वे राजगंज के लिए निकल गए.

दिन की शुरूआत पूजा-अर्चना से , फिर कार्यकर्ताओं के बीच रहे

रवि भारती। रांची

गिरिडीह लोकसभा सीट से आजसू के उम्मीदवार चंद्रप्रकाश चौधरी चुनाव के दूसरे दिन रविवार को सुबह पांच बजे उठे. सामान्य दिनों की तरह पूजा अर्चना की. इसके बाद कार्यकर्ताओं से मिले. उनसे फीड बैक लिया. उन्होंने यह भी कहा कि अब तो सारा कुछ ईवीएम में कैद हो गया है. चार जून को ही पता चलेगा.

हम क्षेत्र नहीं छोड़ सकते : चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा चुनाव अपनी जगह है. क्षेत्र की जनता मेरे साथ है. मुझे क्षेत्र में ही रहना पसंद है. हम क्षेत्र नहीं छोड़ सकते. नाश्ता करने के बाद वे सामान्य दिनों की तरह क्षेत्र भ्रमण में निकल गए. जनता की समस्याओं को जाना और समझा. सभी से मिले. शाम चार बजे तक क्षेत्र भ्रमण का सिलसिला जारी रहा.

एनडीए को समर्थन देने की अपील : शाम चार बजे के बाद चंद्रप्रकाश चौधरी कार्यकर्ताओं संग बैठक की. उन्होंने संथाल परगना की तीन सीटों गोड्डा, दुमका और राजमहल में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन देने के निर्देश भी दिए. उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड की सभी सीटें एनडीए के खाते में आएंगी.

जनता के प्रति जताया आभार : चंद्रप्रकाश चौधरी ने लोकतंत्र के पर्व चुनाव में गिरिडीह लोकसभा के सभी मतदाताओं के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कल जो जनता का प्यार ,आशीर्वाद, मिला उसके लिए दिल से अभार इतनी गर्मी होने के बावजूद लोग अपने घरों से निकले और लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लिया.

रिलैक्स मूड में दिखे जयराम, कहा - सिर्फ औपचारिक ऐलान बाकी है

अक्षय चौबे ।तोपचांची

मतदान के दूसरे दिन गिरिडीह लोकसभा के निर्दलीय प्रत्याशी जयराम महतो रिलेक्स मूड में नजर आए. जयराम महतो चुनाव के दूसरे दिन अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर चुनावी समीकरण पर चर्चा-परिचर्चा करते नजर आए. जयराम महतो पहली बार चुनावी दंगल में हैं. उन्होंने कहा कि पहली बार चुनाव के मैदान में बहुत कुछ सीखने को मिला. सीखते-सीखते गिरिडीह लोकसभा के मैदान को फतह करने जा रहे हैं. लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर को प्रस्तुत किया जाएगा. भारत एक लोकतांत्रिक देश है, लेकिन जिस प्रकार से राजनीतिक मैदान में परिवारवाद हावी है. इसके बीच एक विचारधारा को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी केरूप में चुनावी मैदान में खड़ा होना, लोकतंत्र की खूबसूरती है. निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर बहुत सारी चुनावी चुनौतियों को सामना करना पड़ा. नॉमिनेशन से लेकर चुनाव तक बहुत सारी चुनौतियों झेलनी पड़ी. आगे भी चुनौतियों के लिए तैयार हैं.

रांची

पूजा-अर्चना कर लोकसभा क्षेत्र में फीड बैक लेते रहे संजय सेठ

जताया सबका आभार, कहा- मोदी की गारंटी मेरी गारंटी

राजन बॉबी। रांची

- इस बार भारी मतों से जीत हासिल करुंगा, सबका आशीर्वाद मिला है
- मोदी की गारंटी मेरी गारंटी है
- जनता के लिए काम करता रहूंगा

लोकसभा चुनाव को लेकर महीनो से पसीना बहा रहे संजय सेठ मतदान के बाद भी सक्रिय रहे. रविवार को पूजा-अर्चना कर दिन भर लोकसभा क्षेत्र में फीड बैक लेते रहे. कहा कि जनता ने जो प्यार अब तक दिया है, उसका मैं ऋणी हूं. इस बार भी भारी मतो से जीत हासिल कर कर्ज उतारूंगा. राज्य और देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी. मोदी जी की गारंटी मेरी गारंटी है. उन्होंने कहा कि तेज गर्मी के बाद भी बड़ी संख्या में जिस उत्साह से लोगो ने भाग लिया, वो लोकतंत्र के लिए मिसाल है.संजय सेठ ने सभी को धन्यवाद देते हुए आभार जताया. उन्होंने बताया कि इस बार के मतदान में पिछला रिकार्ड ध्वस्त हो गया है. उपायुक्त ने चुनाव का जो नया आकड़ा जारी किया है, उसके अनुसार इस चुनाव में लगभग 21 हजार वोट ज्यादा बढ़े हैं. संजय ने दावा करते हुए कहा कि मेरा दिल कहता है कि अबकी बार चार सौ पार भी होगा.पूरे देश में भाजपा पार्टी और पीएम मोदी जी को उम्मीद से ज्यादा समर्थन मिला है. इसबार भी भारी मतों से जीत हासिल करेंगे.उन्होंने बताया कि सभी इलाकों का भ्रमण करने में इतना व्यस्त रहा कि शाम साढ़े चार बजे भोजन किया.उन्होंने कहा कि अराम हराम है. आम लोगों के हित के लिए आगे भी रातदिन काम करता रहूंगा. संपूर्ण रूप से साथ देने वालों के लिए धन्यवाद छोटा शब्द है, लेकिन फिर भी धन्यवाद देता हूं. उन्होंने मतदाताओं के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं, संगठन के पदाधिकारियों, जिला प्रशासन और प्रेस-मीडिया आभार जताया.

यशस्विनी ने लिया ब्रेक, परिजनों संग रिलैक्स के लिए बाहर गईं

शुभम किशोर। रांची

लोकसभा सीट की इंडिया प्रत्याशी कांग्रेस की यशस्विनी सहाय इस पखवाड़े काफी व्यस्त रही. शनिवार को मतदान समाप्त होने के साथ ही रविवार को अपनी चुनावी भागदौड़ की थकान उतारने के लिए अपने परिजनों के साथ रांची से बाहर चली गई. बताया गया कि दो दिन तक वह राजनीतिक सरगर्मी से दूर रहेंगी. यशस्विनी के पिता और पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय ने मुलाकात के दौरान बताया कि रविवार को यशस्विनी ने आवश्यक सामानों की खरीदारी की. अपने चाचा और भाइयों के साथ वोट की समीक्षा की.

एंटी मोदी ने वोट दिया : सुबोधकांत सहाय

पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय ने कहा कि रांची लोकसभा का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया. रांची में मतदान का प्रतिशत 61.93 रहा. चुनाव के बाद रांची से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने कुछ दिनों के लिए ब्रेक लिया है. उन्होंने बताया कि चुनाव के बाद मेंटली रिलैक्स होने के लिए उन्हें ब्रेक दिया गया है. हर विधानसभा, हर बूथ पर वोट की स्थिति को हमलोगों ने जाना. सुबोधकांत सहाय ने अपनी बेटी की चुनावी बातों को साझा किया और बहुत सारी जानकारी दी.

सुबह 6 से देर रात तक चलाती थीं जनसंपर्क अभियान : सुबोधकांत सहाय ने कहा कि राजनीति में न्यूकमर के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य रहता है. यशस्विनी ने अपनी पूरी लाइफ स्टाइल को चेंज कर दिया. सुबह 6 बजे से पदयात्रा. ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान और शाम 6 बजे से शहरी क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान करती थी. रात 12 बजे तक काम करने के बाद दोबारा 6 बजे से वही रूटीन लगभग एक महीने से कर रही थी.

2019 की तुलना में 2024 बेहतर : पूर्व सांसद ने कहा कि 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस की बेहतर स्थिति है. रांची लोकसभा में 2019 में बीजेपी को सात लाख से अधिक वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस को सवा चार लाख वोट मिले थे. पूर्व सांसद ने कहा कि 2019 में अंधभक्त और देशभक्त ने भाजपा को वोट दिया था. लेकिन इस बार अंधभक्त और देशभक्त ने अलग होकर वोट किया है. चुनाव नजदीक आते ही पीएम मोदी के भाषण में भाषा की गिरावट चरम सीमा पर रही. इस बार एंटी मोदी ने वोट किया.

रुझान अच्छा आ रहा, कार्यकत्ताओं में खुशी: देवेंदनाथ महतो

रेहान अहमद। रांची

रांची से निर्दलीय उम्मीदवार देवेंदनाथ महतो मतदान के बाद गांव तो नहीं गये, पर रांची में ही लोवाडीह स्थित घर में चुनावी भाग दौड़ की थकान उतारी. फिर कार्यकर्ता से स्थिति की फीडबैक ली. वह कहते हैं कि रुझान अच्छा है, इसलिए सभी खुश हैं. हमें तो जनता ने ही चुनाव मैदान में उतारा है. इसलिए उनपर हमको काफी भरोसा है. अब परिणाम का इंतजार है.इन्हें जीत का पूरा भरोसा है. एक सवाल के जवाब में वह कहते हैं कि अब हमारी कसरत चुनावी वायदों और जनहित के कार्यों को पूरा करने के लिए शुरू होगी.

सबका साथ मिला

वे कहते हैं कि हमें सभी समाज के मत मिला है. हम झारखंडी हैं, हमारे दिल में किसी के प्रति कोई भेद भाव नहीं है, इस लिये मुस्लिम, आदिवासी, कुरमी, दलित समेत सारे समाज का साथ मतदान में मिला है.

जमशेदपुर

इंडी गठबंधन प्रत्याशी समीर मोहंती ने योग से दिन की शुरुआत की

आनंद मिश्र । जमशेदपुर

जमशेदपुर संसदीय सीट पर मतदान संपन्न होने के पश्चात रविवार को ज्यादातर प्रत्याशियों ने चुनावी तनाव व थकान दूर करने के साथ ही अपने परिवार के साथ समय बिताया. इस सीट से इंडी गठबंधन प्रत्याशी समीर मोहंती मतदान संपन्न होने के पश्चात शहर से दूर चाकुलिया स्थित अपने गांव बेंद पहुंचे. वहां रात्रि विश्राम के पश्चात आज दिन की शुरुआत योगा के साथ की. करीब एक-डेढ़ घंटे योगा किया. उसके बाद गांव में निर्माणाधीन मंदिर को देखने चले गये. वहां कुछ समय बिताया. फिर गठबंधन के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीच रहे. इस दौरान उन्होंने चुनाव प्रचार से लेकर मतदान तक के संबंध में चर्चा की.

चुनाव परिणाम के संबंध में पूछने पर समीर मोहंती ने बताया कि वह अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं. गांव से लेकर शहर तक उनके पक्ष में मतदान हुआ है. उनके गृह विधानसभा क्षेत्र बहरागोड़ा में तो लोगों ने उनके पक्ष में जमकर मतदान किया है. इसके अलावा सिख, बांग्ला भाषी, ओड़िया भाषी, हिंदी भाषी, संताल व अन्य समाज के लोगों का भी उन्होंने वोट मिला है. हालांकि चार जून को मतगणना के बाद किस्मत का फैसला तो हो ही जायेगा, लेकिन उन्हें विश्वास है कि चुनाव परिणाम उनके पक्ष में आयेगा.

विद्युत अपने गांव में लोगों के बीच रहे, ग्राम देवता की पूजा में हुए शामिल

- जीत की हैट्रिक के लिए आश्वस्त दिख रहे हैं विद्युत वरण महतो
- गांव के पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए, ग्राम देवता की पूजा की
- कहा - देश में मोदी की लहर है

आनंद मिश्र। आदित्यपुर

लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक जीत के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं जमशेदपुर के निवर्तमान सांसद विद्युत वरण महतो. वे चुनाव संपन्न होने के दूसरे दिन रविवार को पैतृक गांव आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड 09 स्थित कृष्णापुर पहुंचे. जहां वे चुनाव भाग दौड़ की थकान मिटाते नजर आए. उन्होंने बताया कि आज उनके गांव में ग्राम देवता की पूजा है. जिसमें ग्रामीणों के साथ वह भी शामिल हुए. श्री महतो अपने गांव के ग्राम स्थान के यजमान भी हैं. जिसमें वे ग्राम देवता की पूजा और प्रसाद वितरण में दोपहर बाद तक व्यस्त रहे. उनके गांव के बुजुर्ग पुजारी परिमल महतो ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवायी. इसके साथ ही उन्होंने अपने परिजनों के साथ भी कुछ समय व्यतीत किया.

अब चार जून को आपलोग देखेंगे किसको जीत मिलेगी

पूछने पर चुनाव संबंधी चर्चा पर विराम लगाते हुए विद्युत वरण महतो ने कहा कि अब चार जून को आप लोग देखेंगे. 2019 की ही तरह एक बार फिर वह रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे. उन्होंने कहा कि देश में मोदी लहर है. उनकी गारंटी पर देशवासियों को विश्वास है. इसका परिणाम चार तारीख को मतगणना में दिखेगा, जब एनडीए गठबंधन 400 से अधिक सीटें हासिल कर देश में तीसरी बार लोकप्रिय सरकार बनायेगी. उन्होंने कहा कि उन्हें उनके क्षेत्र में हर वर्ग का भरपूर समर्थन मिला है, जिससे वे चुनाव जीतने के प्रति आश्वस्त हैं. वे जिस जाति से आते हैं . केवल उनके भरोसे नहीं बल्कि सभी वर्ग और समुदायों ने अपना मत नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने के लिए दिया है. उन्होंने जीत के अंतर के सवाल पर बगैर आंकड़े बताए केवल इतना कहा कि रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे और यह जीत ऐतिहासिक होगी.

चुनाव आयोग के साख पर सवाल

भारतीय चुनाव आयोग ने निश्चित रूप से पहले चुनाव से लेकर 18वीं लोकसभा के चुनाव संपन्न कराने में एक लंबा सफर तय किया है, लेकिन स्थितियां बहुत तेजी से बदली हैं. पहले चुनाव में महज 17 करोड़ मतदाता थे. अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौजूदा आम चुनाव में 97 करोड़ मतदाता हैं. इस दौरान पार्टियों की संख्या बढ़ी है, वोटर बढ़े हैं, पोलिंग बूथ बढ़े हैं, पार्टियों के बीच लड़ाइयां तल्ख हुई हैं और चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें भी तेज हुई हैं. पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन से लेकर टीएन शेषन जैसे सख्त चुनाव आयुक्तों तक ने आयोग को नई प्रतिष्ठा दी है. लेकिन इस बार 543 संसदीय सीटों के लिए सात चरणों में हो रहे मतदान में कई प्रसंग ऐसे घटे कि लोगों ने चुनाव आयोग की साख पर उंगली उठाई. मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा. जिसमें चुनाव आयोग पर मतदान संबंधी अंतिम आंकड़े देर से जारी करने तथा प्रतिशत वृद्धि का मामला उठाया गया. एडीआर व कॉमन कॉज की ओर से दायर याचिका में बूथों पर मतों की संख्या संबंधी फॉर्म 17-सी की स्कैन कापी आयोग की वेबसाइट पर डालने की मांग की गई थी. सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में आयोग ने इस मांग को अव्यावहारिक बताया है. साथ ही कहा कि चुनाव की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया के बाद पूरी होती है, ऐसा करने से व्यवधान उत्पन्न होगा. इससे पहले विपक्ष सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी लगाता रहा है, जबकि आयोग की दलील रही है कि इन्फोर्समेंट एजेंसी उसके अधीन नहीं होती. विपक्ष आयोग को तटस्थ भाव से कार्रवाई करने को कहता रहा है. विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की. आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया. प्रधानमंत्री को नोटिस दिए जाने के बजाय भाजपा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया. ऐसे ही संविधान पर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष को नसीहत दी गई. दरअसल, विपक्ष मांग करता रहा है कि मतदान के बाद वोटों का प्रतिशत जारी करने के बजाय डाले गए वोटों की संख्या जारी की जानी चाहिए. दरअसल, विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रवैया अपनाता रहा है. जिसके चलते विपक्ष ने आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास किया. उनका कहना है कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष अंपायर की भूमिका में नजर आना चाहिए. विपक्ष बांसवाड़ा रैली में प्रधानमंत्री के भाषण पर सख्त कार्रवाई की मांग करता रहा है. इसी तरह आरक्षण, संपत्ति जब्त करने आदि कई विवादित बयान सामने आए. तल्ख टिप्पणियां कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भी की गई थी. विपक्ष कहता है कि इन टिप्पणियों पर आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए. हालांकि, कई पूर्व चुनाव आयुक्त मानते हैं कि यह पहला मौका नहीं, जब विपक्ष आयोग पर सवाल उठा रहा है. जैसे-जैसे राजनीतिक दलों में तल्खी बढ़ती है, बीच में आयोग को शामिल कर लिया जाता है.

> विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की. आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया.

सुभाषित

अतिपरिचयादवज्ञा संततगमनात् अनादरो भवति।
मलये भिल्ला पुरन्ध्री चन्दनतरुकाष्ठमं इन्धनं कुरुते ॥

अतिपरिचय (बहुत अधिक नजदीकी) होने से किसी भी व्यक्ति की अवज्ञा होने लगती है, चाहे वह जितना भी महान क्यों न हो. इसी प्रकार किसी के घर बार बार जाना अनादर का कारण बन जाता है जैसे कि मलय पर्वत की भिल्लनी चंदन के लकड़ी को ईंधन के रूप में जला देती है.

किसका हक दांव पर लगा, किसका इंसाफ?

भारत की राजनीति में जाति के असर से कोई इनकार नहीं कर सकता. हालांकि, भाजपा ने पिछले 10 सालों में इस असर को कुछ हद तक निष्प्रभावी जरूर किया, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली. अब इस बार कुछ जातियों में कुछ अधिक उथल-पुथल हो रही है. इसके केंद्र में भी भाजपा ही है. अब तक छह चरणों के चुनाव के बाद आए रुझानों पर गौर करें, तो देखा जा सकता है कि इस बार जातीय गोलबंदी का भारी नुकसान भाजपा को ही होनेवाला है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

19वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनावों में देश की अधिसंख्य जनता मौजूदा मोदी सरकार से बेहद नाखुश है. मोदी सरकार 2014 में जनता को जो सपने दिखा कर सत्ता में आई थी, उनमें से एक भी पूरे नहीं हुआ. इसके उलट 2024 आते-आते सरकार फूट डालो, राज करो वाली अंग्रेजों की नीति पर उतर आई है. मंगलसूत्र छीनने से लेकर भैंस खोल जाने के आरोप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदू-मुसलमान की घटिया राजनीति पर उतर आए हैं. सरकार के पास कोई मुद्दा नहीं कि वह आगे क्या करने वाली है, या पिछले 10 सालों में क्या किया है. वन मैन आर्मी बन कर पीएम मोदी पूरा चुनाव अपने चेहरे पर लड़ रहे हैं और अपने को अवतारी पुरुष भी बताने लगे हैं. शुरुआती सालों में खुद को पंडित जवाहर लाल नेहरू से भी महान साबित करने में लगे मोदी अब 2024 के चुनाव में आसाराम बापू की तरह प्रवचन देने लगे हैं. उनके प्रवचन उनके भक्तों को भले भाते हों, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही देश की अधिसंख्य आबादी को बिल्कुल रुचिकर नहीं लग रहा है. यही वजह है कि लोगों का रुझान इंडिया गठबंधन की तरफ बढ़ चला है. नतीजे जो भी हों, लेकिन आज की तारीख में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सामने पीएम नरेंद्र मोदी का कद बौना नजर आने लगा है. दिलचस्प बात यह कि इंडिया गठबंधन में मोदी के एक नहीं कई विकल्प दिखने लगे हैं. बंगाल में ममता बनर्जी अकेले दम पर मोदी के सामने खड़ी हैं. बिहार में तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव भी जातीय गोलबंदी से ऊपर लोगों में मोदी से बेहतर करते दिख रहे हैं. दिल्ली और पंजाब में अरविंद केजरीवाल अकेले दम पर मोदी को पछाड़ने में जुटे हैं और लोगों का भरोसा भी जीत रहे हैं. यही हाल तमिलनाडु के एमके स्टालिन का है, तो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार पीएम मोदी को बेहतर तरीके से छका रहे हैं. यह बड़ा बदलाव राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बाद से नजर आ रहा है.

इसके अलावा इस साल के चुनावों ने जाति के नए अवतारों को उजागर किया है, जो भारत की राजनीति के आलोचकों और सामाजिक जीवन के प्रशंसकों, दोनों को हैरान कर देंगे. हर राज्य में शिकायतें भी अलग-अलग हैं. ऊंघते हुए, लहर मुक्त चुनाव में राजस्थान के पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ अमेठी में करणी सेना की मौजूदगी ने भीड़ में उत्सुकता पैदा कर दी. राजपूतों के लिए आरक्षण की मांग करने वाली करणी सेना उत्तर भारत का दौरा कर रही है, शपथ समारोहों का आयोजन कर रही है, जिसके प्रतिभागी भाजपा को वोट न देने की कसम खाते हैं. पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मध्यकालीन शासक मिहिर भोज की जातिगत पहचान को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है, क्या वह राजपूत थे या गुर्जर, जैसा कि नई स्थापित मूर्तियों से पता चलता है? उत्तर प्रदेश में दूसरी जगहों पर भाजपा के मतदाता इस बात पर बंटे हुए हैं कि क्या उनके राजपूत नेता योगी आदित्यनाथ को सत्ता में बैठे लोगों ने दरकिनार कर दिया है. राजस्थान और हरियाणा में ओबीसी दर्जे की मांग कर रहे जाटों ने भाजपा को नकारते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का समर्थन किया है, जबकि बाड़मेर, झुंझुनू, सिरसा और भिवानी-महेंद्रगढ़ में आश्चर्यजनक रूप से करीबी मुकाबले हुए हैं. हालांकि, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट इसी राह पर बढ़े या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है. महाराष्ट्र में मराठा मतदाता ओबीसी का दर्जा न दिए जाने के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए विपक्ष की तरफदारी कर रहे हैं. यूपी और बिहार के यादव ऐतिहासिक रूप से यादवों के वर्चस्व वाली क्षेत्रीय पार्टियों को तो वोट दे ही रहे हैं, लेकिन उनका एक बड़ा वर्ग गैर-यादव उम्मीदवारों की तरफ भी झुक चुका है. हरियाणा और मध्य प्रदेश में यादवों की समकक्ष जातियां भी इंडिया का समर्थन करती देखी गयी हैं. जिन्होंने हाल के चुनावों में भाजपा को वोट दिया है. सत्ता विरोधी लहर से ज्यादा राजपूतों और जाटों की तरह यादव भी राज्यों में नए तरीकों से संगठित हो गये हैं.

कुल मिला कर हिंदुत्व के दबदबे के एक दशक बाद इन घटनाक्रमों को मंडल की राजनीति की वापसी के रूप में देखा जाने लगा है. इसी लालच में विपक्षी दल कर्नाटक और बिहार जैसे दूरदराज के राज्यों में जाति जनगणना का मोर्चा खोल रहे हैं. पहली बात, तो यह कि भाजपा अभी केंद्र की सत्ता में है. अब तक इसकी राजनीतिक रणनीति ओबीसी और एससी समूहों में दो फाड़ करके नए बने अलग-अलग समूहों से हिंदुत्व को नई धार देने की रही है. मोदी के नेतृत्व में भाजपा प्रत्येक समूह के नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत करती है, उन्हें नीति निर्माण जैसे बहुत महत्वपूर्ण पद तक देती है. दूसरा, नए आर्थिक दबाव अब राजपूत और जाट जैसी प्रमुख कृषक जातियों की राजनीति को ड्राइव कर रही हैं. जातिगत आरक्षण के कारण ओबीसी, एससी और एसटी बैकग्राउंड के लोगों ने उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में प्रमुख समूहों के मुकाबले काफी प्रगति की है.

ये चुनाव जाति के नए लोकतांत्रिक पुनर्जन्म के युग की शुरुआत का वादा करते दिख रहे हैं. एक ओर, समकालीन हिंदुत्व के बड़े बैनर तले ब्राह्मण और राजपूत, दलितों या आदिवासियों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं. दूसरी ओर, ओबीसी और एससी समूहों के बीच दरार भाजपा विरोधी राजनीति की एक नई लहर को जन्म दे सकती है. दोनों प्रवृत्तियां अलग-अलग राज्यों में एक साथ चल सकती हैं, जिससे अप्रत्याशित चुनावी संभावनाओं की एक श्रृंखला सामने आ सकती है. जातियों के भीतर और बाहर बदलते राजनीतिक गठबंधन अब सत्ता के लिए होड़ कर रहे हैं. ये ऐसी नीतियों की मांग कर रहे हैं जो पूरे जाति समूहों के बजाय टुकड़ों या सूक्ष्म समूहों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करती हैं. सांप-सीढ़ी के इस नए खेल में कुछ लोगों के लिए सामाजिक न्याय दूसरों के लिए सामाजिक विनाश का कारण बन सकता है. इसलिए, हम यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं, किसका हक दांव पर लगा है और किसका इंसाफ..?

• बोधि-वृक्ष

सूत्र

अतिशय दंभ

पुराने समय की बात है, जब ठाकुरों में आन बान शान और दंभ हमेशा सिर चढ़ा रहता था. गांव में एक ठाकुर और एक बनिए का घर आमने सामने था. प्रातः काल दोनों ही अपनी दातुन विधि घर की बाहरी चौकी पर सम्पन्न किया करते थे. प्रायः ठाकुर दातुन के पश्चात भीगी मूंछों पर ताव दिया करते और सामने बैठा बनिया भी मुंह धोने के बाद सहज ही मूंछों पर दोनों हाथ फेरा करता था. ठाकुर को अपने सामने ही एक भीरू बनिए का यूं मूंछों पर ताव देना हमेशा नागवार गुजरता था. मन तो करता था उसी समय बनिए को सबक सिखा दें, लेकिन घर परिवार की उपस्थित में ठीक न मानकर मन मसोस कर रह जाते. प्रतिदिन की यह क्रिया उनके रोष की ज्वाला को और भी तीव्र किए जाती थी. संयोगवश एक दिन गांव के बाहर मार्ग में दोनों का आमना सामना हो ही गया. ठाकुर ने बनिए को देखते ही गर्जना की- "क्यों बे बनिए, शूरवीरता बढ़ गई है जो हमेशा मेरे सामने ही अपनी मूंछों पर ताव देता है?" बनिया भांप गया, आज तो गए काम से. किन्तु फिर भी अपने आप को सम्हालते हुए बोला, "वीरता और बहादुरी किसी की बपौती थोडे ही है." ठाकुर फिर गरजा- " अच्छा!? तो निकाल अपनी तलवार, आज बहादुरी और बल का फैसला हो ही जाय." तत्काल बनिया नम्र होते हुए बोला- "देखिए ठाकुर साहब, अगर लड़ाई होगी तो हम में से किसी एक का वीरगति को प्राप्त होना निश्चित है. मरने के बाद निश्चित ही हमारा परिवार अनाथ हो जाएगा. उन्हें पीछे देखने वाला कौन? अतः क्यों न हम पहले पीछे के झंझट का सफाया कर दें, फिर निश्चिंत होकर बलाबल की परीक्षा करें?" ठाकुर साहब मान गए. घर जाकर, सफाया करके पुनः निर्णय स्थल पर आ गए. थोडी ही देर में बनिया जी भी आ गए. ठाकुर ने कहा- "ले अब आ जा मैदान में." बनिए ने कहा- "ठहरिए ठाकुर साहब! क्या है कि मैं जब सफाया करने घर गया तो सेठानी ने कहा कि- यह सब करने की जरूरत नहीं. आप अपनी मूंछ नीचे कर देना और कभी ताव न देने का वादा कर देना, अनावश्यक लडाई का क्या फायदा? इसलिए लीजिए मैं अपनी मूंछ नीचे करता हूं और आपके सामने कभी उन पर ताव नहीं दूंगा." "चल फुट्ट बे डरपोक कहीं का!!" कहते हुए दूसरे ही क्षण ठाकुर साहब, दोनो हाथों से अपना सर पकडते हुए वहीं पस्त होकर बैठ गए. बहादुरी का अतिशय दंभ व्यक्ति को मूढ़ बना देता है.

पूरब और पश्चिम में बदलता शक्ति संतुलन

• देशांतर

टीएन नाइनन

पश्चिमी जगत और बाकी की दुनिया के बीच बढ़ते जा रहे मुकाबले में, अब यह स्पष्ट है कि भले पश्चिम के हाथ में अभी भी अधिक ताकत हो, किंतु वह कमजोर पड़ता जा रहा है. एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, अमेरिका की नौसेना का रुख अब 'दबदबे' वाली भूमिका से बदलकर 'प्रतिरोधक' में तब्दील हो गया है. आर्थिक परिधि में भी, अमेरिका का रवैया आक्रामकता से (तकनीक पर प्रतिबंध, व्यापार पर रोक और आर्थिक नाकाबंदी) से बदलकर रक्षात्मक (अमेरिकी बाजार में आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त कर लगाना) हो गया है. और यूक्रेन को मिला पश्चिमी समर्थन रूस को नहीं रोक पाया. माओ ने शायद समय से पहले ही घोषणा कर दी थी: 'एक दिन पूरब की हवा पश्चिमी वायुमंडल पर छा जाएगी.' और अब यह होना शुरू हो गया है. सालों तक, पश्चिमी विश्लेषकों और पत्रकारों ने चीन और रूस को पढ़ने में चूक की है. रूस को तो वे आर्थिक रूप से बहुत कमजोर मानते रहे और व्लादिमीर पुतिन को राजनीतिक रूप से चुनौती देने लायक समझते रहे. दशकों पहले चीन के भरभराकर ढहने की भविष्यवाणी भी की गई थी और हाल में उसे समस्याओं से घिरा बताते रहे. फिर भी रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों का अप्रत्याशित रूप से डटकर सामना किया, यूक्रेन में उसका हाथ ऊपर है और पुतिन ने एक बार फिर चुनाव में कार्यकाल अर्जित किया. इसी दौरान, तुलनात्मक आय स्तर वाली अर्थव्यवस्थाओं में चीन सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना रहा. अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई, क्योंकि इसके निशाने पर वे वस्तुएं हैं, जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता. इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यतः राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है. भले ही चीन निशाने पर ली गई इन वस्तुओं में बहुतों का बड़ा उत्पादक है, लेकिन वह अपने माल के लिए अन्य मंडियां तलाश लेगा. बल्कि ये अमेरिकी आयातक हैं, जिनके पास कुछ वस्तुओं को मंगवाने के वैकल्पिक स्रोत नहीं हैं, फिर चीन तीसरे देश में लगाए अपने कारखानों की मार्फत इन वस्तुओं को अमेरिका पहुंचा सकता है. इसी बीच, अमेरिकी उपभोक्ता महंगा माल खरीदने के लिए विवश रहेंगे. इस प्रकार के रक्षात्मक खेल (जो कि भारी सब्सिडी देकर अमेरिकी उत्पादकता को फिर से जिंदा करने का दूसरा पहलू है) पहले अपनाए गए आक्रामक रुख के विपरीत है. उम्मीद यह थी कि उक्त आक्रामक कदम अमेरिका के दुश्मनों की घेराबंदी करेंगे. कोई शक नहीं कि प्रतिबंधों से चुभन होती है (जैसा कि हमेशा प्रतिबंधों के मामले में होता है) लेकिन इसका असर आंशिक रहा. रूस ने अपने तेल एवं गैस के लिए नए ग्राहक ढूंढ़ लिए, जबकि पूरबी यूरोप को अपनी ऊर्जा जरूरतों के अहम स्रोतों के तौर पर सस्ती रूसी गैस से हाथ धोना पड़ा, जिससे जर्मनी जैसे मुल्क की भी आर्थिकी हिल गई. इसी बीच, रूसी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होती गई. रूस और चीन, दोनों ने भुगतान का नया तरीका विकसित कर लिया और इससे डॉलर पर निर्भरता न रही (अब इनका 95 फीसदी व्यापार स्थानीय मुद्रा में हो रहा है), यहां तक कि एक अलग 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग संचार प्रणाली भी विकसित कर ली है. रूस के रिजर्व खजाने में आज डॉलर के मुकाबले चीनी मुद्रा रेनमीबिस का भंडार अधिक है. उधर चीन अपना धन सोने में बदल रहा है, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में भारी स्वर्ण खरीदारी की है. भले ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाईना का वर्तमान 2,250 टन सोना कुल रिजर्व भंडार का 5 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आज तक की तारीख तक यह मात्रा सबसे अधिक है. जहां तक तकनीक का मामला है, किसी अन्य देश के मुकाबले चीन इस क्षेत्र में अधिक तेजी से तरक्की कर रहा है. स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और लिथियम बैटरी से चालित वाहन या अन्य उपकरणों में प्रयुक्त इस विशेष जरूरत की आपूर्ति के मामले में चीन बाकी देशों से कहीं आगे है और कुछ मंडियों में अपनी धाक बना चुका है. अब वह इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफ साइंस और रक्षा उत्पादन क्षेत्र में नई खोज के बूते लंबी छलांग लगाने में सक्षम है. उदाहरणार्थ, हुआवे ने हाल ही में सात नैनोमीटर वाली चिप से युक्त अपने नए स्मार्ट फोन से पश्चिमी जगत को चौंका डाला और अब पांच नैनोमीटर वाली चिप तैयार करने पर काम चल रहा है. उसने अगले साल तक चिप निर्माण में 75 फीसदी आत्मनिर्भरता पाने का लक्ष्य रखा है.

> अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई, क्योंकि इसके निशाने पर वे वस्तुएं हैं, जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता. इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यतः राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है.

साइबर हमलों के जवाब को चाहिए पूरी तैयारी

• डिजिटल सुरक्षा

मधुरेन्द्र सिन्हा

आदिकाल से मनुष्य का स्वभाव रहा है- लड़ना और नये शस्त्रों का आविष्कार करना. नुकीले पत्थरों से जो कहानी शुरू हुई, वह आगे बढ़ते-बढ़ते तीर-तलवार और उसके आगे बंदूकों-तोपों तक चली गई. फिर लड़ाकू जहाज और मिसाइलें. बात यहां तक ही नहीं ठहरी. अब यह अदृश्य लड़ाई में तब्दील हो चुकी है, जिसमें शत्रु पास होते हुए भी कहीं दिखता नहीं. यह शत्रु देशी या विदेशी कोई भी हो सकता है. वह आप पर या आपके देश पर हमले करता है इंटरनेट या फोन के माध्यम से आपके पैसे चुराने की कोशिश करता है या बेशकीमती सूचनाएं. यही है साइबर हमला और सारी दुनिया के देश इससे परेशान हैं. लेकिन भारत की बात ही अलग है. पिछले दस वर्षों में देश का डिजिटलीकरण बहुत तेजी से हुआ और यह लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया. लेकिन उसके सामने साइबर अपराधी भी चुनौती बनकर खड़े हो गये हैं, जिनका लगातार सफाया हो रहा है. देश की प्रतिष्ठित संस्थाओं से सूचनाएं चुराने की पुरजोर कोशिशें हो रही हैं, उन्हें नष्ट करने की भी साजिश ऑनलाइन हो रही है. लोगों से डरा-धमका कर उनकी गाढ़ी कमाई निकलवाने की कोशिशें हो रही हैं. यह सब दूर-दराज से सिर्फ इंटरनेट, स्मार्टफोन या ऐसे ही माध्यमों से हो रहा है. साइबर ठगी तो इसका छोटा-सा उदाहरण है. बड़े शातिर साइबर हमलावर तो देश की वित्तीय संस्थाओं और प्रणालियों पर भी हमला करते रहते हैं. जी-20 के दौरान तो भारतीय प्रतिष्ठानों और जी-20 आयोजन संबंधी दफ्तरों पर लाखों हमले हुए. इस दौरान हर 60 सेकेंड में 16 लाख साइबर अटैक हुए थे. लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने अपनी त्वरित व कुशल कार्रवाई के जरिये साइबर अपराधियों को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने दिया. छोटे स्तर पर तो ये कुछ हद तक कामयाब हो गये, लेकिन उन पर शिकंजा कसता जा रहा है. देश में साइबर हमलों को खत्म करने की जिम्मेदारी केन्द्रीय गृह मंत्रालय की है. प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में एक साइबर तथा इन्फॉरमेशन सिक्योरिटी डिवीजन साइबर सेफ इंडिया के लिए काम कर रहा है. गृह मंत्रालय ने तीन नये कानून भी बनवाये जो साइबर अपराध रोकथाम में सहायक होंगे. इनमें इलेक्ट्रॉनिक एफआईआर की व्यवस्था के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणों को सबूत के तौर पर मानने का प्रावधान भी है. केंद्रीय गृह मंत्रालय में साइबर क्राइम से निपटने के लिए स्थापित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने अब तक उल्लेखनीय कार्य किया है. विदेशों से हमले करने वाले साइबर अपराधी बेहद चतुर एवं अति आधुनिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस होते हैं. वे हमला करते हैं और हमारे देश के महत्वपूर्ण संस्थानों के वेबसाइटों तथा संचार व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करते हैं या वहां से सूचनाएं चुराने का प्रयास करते हैं. हमारे कई बड़े संस्थानों पर ऐसे हमले हो चुके हैं, लेकिन ज्यादातर निष्फल हुए हैं. ऐसे हमले चीन, पाकिस्तान से तो होते ही हैं, तुर्की और अमेरिका-कनाडा से भी होते हैं. लेकिन हमारी एजेंसियां चाकचौबंद रहती हैं और हमले निष्फल करती जाती हैं. भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने पूरे भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग 5 लाख शिकायतों का निपटारा किया है. यह केन्द्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों में समन्वय स्थापना के अलावा साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है. इसने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की लॉन्चिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसका उपयोग पहले से ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 31 लाख से अधिक साइबर अपराध शिकायतों, 66,000 एफआईआर के साथ 14 करोड़ बार किया जा चुका है. राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला (एनसीएफएल) साइबर घटनाओं से संबंधित जांच में सहायता करती है. चूंकि, ऐसे अपराध राज्य की सीमाओं से परे होते हैं, इसलिए आई4सी ने बेहतर अंतर-राज्य समन्वय के लिए संयुक्त साइबर अपराध समन्वय दल यानी जेसीसीटीएस की स्थापना की है. 'साइबर दोस्त' नामक एक सोशल मीडिया हैंडल भी संचालित किया जा रहा है, जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा से जुड़े टिप्स मुहैया कराता है. गृह मंत्रालय द्वारा 'साइबर जागृति दिवस' नामक एक पहल भी की जा रही है.

> भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने पूरे भारत में 1200 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और लगभग 5 लाख शिकायतों का निपटारा किया है. यह केन्द्र विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और हितधारकों में समन्वय स्थापना के अलावा साइबर अपराध से निपटने के लिए देश के भीतर क्षमता निर्माण करने का भी प्रयास कर रहा है.

मीडिया में अन्यत्र

ताइवान स्ट्रेट में सैन्याभ्यास, चीन के क्या हैं इरादे?

चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अचानक दो दिनों का युद्धाभ्यास करके न केवल ताइवान को कड़ा संकेत दिया है, बल्कि इस पूरे क्षेत्र की संवेदनशीलता को फिर से रेखांकित कर दिया है. युद्धाभ्यास का मकसद खुद चीनी सेना ने इस द्वीप की सत्ता पर कब्जा करने की अपनी क्षमता जांचना बताया है. युद्धाभ्यास ऐसे समय किया गया, जब ताइवान में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने सत्ता संभाली ही है. लाई ताइवान में स्वायत्त नीतियों के पक्षधर माने जाते रहे हैं और चीन उन्हें 'खतरनाक अलगाववादी' बताता रहा है. युद्धाभ्यास के पीछे भी तात्कालिक कारण सोमवार को पद संभालने के बाद दिए गए उनके पहले भाषण को माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने चीन से कहा था कि वह ताइवान को डराने-धमकाने की नीति से बाज आए. ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता है. वह कह चुका है कि अगर जरूरत पड़ी तो बलपूर्वक भी चीन उस पर कब्जा कर लेगा. चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी स्पष्ट कर चुके हैं कि ताइवान को चीन में मिलाने के काम को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता. दूसरी तरफ, ताइवान लोकतांत्रिक देश है और वहां के ज्यादातर लोग कम्युनिस्ट चीन के साथ जाने को तैयार नहीं हैं. वहां चीन विरोधी मानी जाने वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर सत्ता में आई है. यह बात भी सही है कि अमेरिका समेत दुनिया के ज्यादातर देश वन चाइना पॉलिसी के तहत ताइवान को चीन का हिस्सा मानते हैं. फिर भी ताइवान से अनौपचारिक तौर पर इन देशों के करीबी संबंध हैं. हाल के वर्षों में चीन की बढ़ी हुई आक्रामकता के मद्देनजर यह करीबी बढ़ी है. खासकर अमेरिका ने यहां न केवल हथियारों की सप्लाई बढ़ाई है, बल्कि कई उच्चस्तरीय राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल भी भेजे. इस पर चीन अपनी नापसंदगी जाहिर करता रहा है. चीन पहले भी इस क्षेत्र में युद्धाभ्यास के जरिए अपना असंतोष प्रकट करता रहा है, लेकिन इस बार का युद्धाभ्यास पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और व्यापक माना जा रहा है. कई जानकारों का कहना है कि इसके जरिए चीन ताइवान और उसके मित्र देशों को यह दिखाना चाहता है कि वह इस द्वीप पर जब चाहे कब्जा कर सकता है. संकेत गंभीर इसलिए है कि ताइवान सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिहाज से तो दुनिया के लिए अहम है ही, एक प्रमुख व्यापारिक मार्ग के रूप में भी ताइवान स्ट्रेट महत्वपूर्ण है. ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ना या किसी तरह से संघर्ष की स्थिति बनना खतरनाक साबित होगा. यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र में किसी तरह का तनाव या संघर्ष भड़कने की आशंका के खिलाफ सचेत किया है. (एनबीटी)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जी/मन

जी, आपने ठीक कहा-मोहन जी का जी घबरा रहा है. आजकल किसी काम में उनका मन नहीं लग रहा. इन वाक्यों में अर्थ के दृष्टिकोण से समानता रखनेवाले तीन शब्द जी, मन और चित्त. हिंदी के विभिन्न शब्दकोशों में इन तीनों शब्दों के अर्थ लगभग एक ही हैं, लेकिन वाक्यों में प्रयोग किये जाने पर इनके अर्थों में विशिष्टता आ ही जाती है और इनके अनेकार्थकता का बोध भी होता है. ऐसी विशिष्टता मुहावरों में अक्सर देखी जाती है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जी अनेकार्थक शब्द है. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में इसका मतलब है चित्त, दिल, हृदय, साहस, बहादुरी, जीवट, जीव, जान, अंतर्मन, तबीयत, मनोदशा, विचार, संकल्प. वहीं अव्यय के रूप में यह किसी के नाम, पदवी, अल्ल या धार्मिक स्थानों के ससाथ जोड़ा जानेवाला आदरसूचक शब्द है. किसी वरिष्ठ या सम्मानित व्यक्ति के कथन या प्रश्न के उत्तर में संक्षिप्त प्रतिसंबोधन के रूप में भी जी का प्रयोग होता है. जैसे राम जी, श्याम जी. किसी के बुलाने या पछने पर उत्तर में कहा जानेवाला स्वीकृतिपरक शब्द जी है. जैसे कहा जाये-आप कहां हैं? आ रहे हैं तो जवाब मिलता है-जी, आ रहा हूं. जी से बननेवाले कई मुहावरे हम अपने दैनिक जीवन में प्रयोग में लाते हैं. जैसे दिल दहलना यानी मन में कुछ भय का संचार होना, जी अच्छा होना यानी शरीर स्वस्थ होना, जी खट्टा होना यानी विरक्त होना, जी चुराना यानी कुछ करने से भागना, जी मिचलाना यानी उल्टी महसूस करना. जी में आना यानी विचार पैरा होना. मन और चित्त दोनों संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं. मन का मतलब है अंतःकरण, चित्त, इच्छा, चाहत, आत्मा, हृदय, दिल. मन तौल का मापक भी होता है. जैसे चार मन धान मिल गया है. इससे बने मुहावरों की संख्या तो अनंत है. जैसे मन कचोटना, यानी मन दुखी होना या क्लेश होना, मन के लड्डू खाना यानी बेकार की आशा रखकर प्रसन्न होना.

ऊधो, अब दिन चुनाव के आये

• तीर-तुक्का

शशिकांत सिंह 'शशि'

मुरारी बाबू ने ऊधो को बुलाया. बोले- मित्र ! यह पत्र लो. सीधे मेरे निर्वाचन क्षेत्र में जाओ. जनता से मिलना. उन्हें कहना कि मैं राजकाज में इतना उलझ गया था कि नहीं आ सका. इस बार यदि वे मुझे चुनती हैं तो उनके एक-एक सपने पूरे कर दूंगा. उनका जो प्रेम मेरे प्रति है, उसे बनाये रखें. अब केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र में रहना है. अपनी प्यारी जनता का विरह अब मुझसे सहा नहीं जाता. मैं यह सत्ता का ताज अपने सिर पर धारण किये बैठा हूं तो किसके लिए? जनता की खातिर ही न. मैं तो स्वभाव से ही संत हूं. इन टंटों में पड़ना नहीं चाहता. मगर क्या करूं अपनी प्यारी जनता के लिए यदि मुझे आग पर भी चलना पड़े तो चलूंगा. मेरा मन ही जानता है कि मैं अपनी जनता से कितना प्रेम करता हूं लेकिन मजबूर हूं. इतना कह कर मुरारी रोने लगे. जब तक वह रोते रहे तब तक ऊधो खड़े रहे. उनके रो चुकने के बाद उन्होंने निवेदन किया- स्वामी ! आपकी सेवा में रहते मुझे आज दसवां साल है. हम और आप एक ही साथ मथुरा से दिल्ली आये थे. मैं पढ़ा-लिखा था. इसलिए मेरी अक्ल किताबों में ही खत्म हो गई थी. आपने किताबों में अपना समय खराब नहीं किया था, इसलिए आपकी अक्ल बची हुई थी. आपने राजनीति ज्वायन कर ली. मैं आइएएस की तैयारी में जुट गया. मैं पीटी से आगे नहीं गया. आप एमपी तक जा पहुंचे. आपका मेरे ऊपर उपकार है कि आपने मुझे अपना पीए रख लिया, जो आज मैं दिल्ली में रह पा रहा हूं. बाल मित्रता के कारण मै आपको एक सलाह देने की हिम्मत कर रहा हूं. आज भी आप जनता के मतों पर ही अपनी जीत के लिए निर्भर हैं. आप जनता के पास क्यों संदेश भेजना चाहते हैं. आपको तो पता ही है कि उनके मन में आपके प्रति कोई आदर नहीं है. जनता को आप पत्र भेज रहे हैं. पत्र पढ़ने का समय किसके पास है. मुरारी मुस्कराये. उन्हें पता था कि पढ़ा-लिखा आदमी है. बात को सीधे नहीं समझ सकता. उसे समझाने के लिए तर्क करने पड़ेंगे. काम चाहे एक मिनट को हो फिर भी तर्क एक घंटे का होगा. उन्हें पीए तो दूसरा भी मिल सकता था. लेकिन उन्हें ऊधो की निष्ठा पर भरोसा था. उन्हें दल बदलने का डर नहीं लगता था. दूसरे का क्या पता आज उनके साथ हो कल किसी दूसरे के साथ. उन्होंने अपनी आवाज में मिश्री घोलते हुए कहना शुरू किया -मित्रवर ! आपमें सच्चे मित्र के सभी लक्षण है. सच्चे मित्र का अर्थ ही है कि बिना भय या प्रीति के अपनी राय साफ साफ रखे. किसी के क्रोध की चिंता नहीं करे. आपके विचारों का मैं आदर करता हूं. बस आपसे यही निवेदन है कि समय की नाजुकता को समझें.

मोटिवेशन

क्या आप मुख्य अतिथि या जूरी बनने जा रहे हैं?

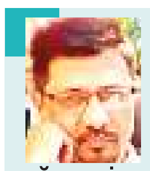

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ज्यादातर कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि की उपस्थिति गरिमामय में नहीं होती. वे वह प्रभाव नहीं छोड़ पाते जिसकी अपेक्षा रहती है. इसके कई कारण हैं- जैसे कि उनका देर से आना, जल्दी चले जाना. कार्यक्रम के दौरान अपने मोबाइल को स्क्रोल करते रहना. मैसेज पढ़ना और उनका जवाब देना. बीच-बीच में कॉल रिसीव करना. अपने असिस्टेंट को निर्देश देते रहना. और जब उन्हें बोलने के लिए आमंत्रित किया जाता है तो वे अपनी उपलब्धियां गिनाने लगते हैं, अपनी विद्वत्ता झाड़ने लगते हैं. अपना प्रवचन इतना लंबा खींच देते हैं कि लोग उबने लगते हैं. बहुतों को तो यह भी पता नहीं होता कि किसने आमंत्रित किया है, कार्यक्रम का आयोजक कौन है, आज का विषय क्या है. उन्हें इससे कोई मतलब नहीं रहता कि वे कहां बोल रहे हैं, किसके लिए बोल रहे हैं, और क्यों बोल रहे हैं. अक्सर उन्हें झेलना बहुत मुश्किल हो जाता है. इसका असर होता है कि जल्दी-जल्दी तालियां बजने लगती हैं, कभी-कभी सीटियां भी. अफसोस की बात कि वक्ता इसे अपना सशक्त संभाषण का प्रभाव मानते हैं, और दुगुने उत्साह से चाटना शुरू कर देते हैं.

होना यह चाहिए

- मुख्य अतिथि का स्थान बहुत महत्वपूर्ण होता है. उन्हें हर दृष्टिकोण से बहुत प्रभावशाली दिखना चाहिए. उन्हें समय पर आना चाहिए.
- उन्हें कायदे से बैठकर पूरे कार्यक्रम को देखना, समझना चाहिए और दिमाग में कार्यक्रम से जुड़ी अच्छी बातों को नोट करते जाना चाहिए, जिसे वे अपने वक्तव्य में शामिल कर सकें. उन्हें होमवर्क करके आना चाहिए. विषय क्या है, किस संस्था ने उन्हें बुलाया है, उन्हें ठीक-ठाक इसकी जानकारी होनी चाहिए.
- उन्हें अपने संभाषण को तीन हिस्सों में विभाजित करना चाहिए. सबसे पहले उन्हें आयोजकों की तारीफ करनी चाहिए क्योंकि किसी भी कार्यक्रम को आयोजित करने में बहुत तैयारी करनी पड़ती है. जितने भी प्रतियोगी मंच पर आते हैं, वे कठिन तैयारी के बाद आते हैं. तो उनकी कमियों को नजर अंदाज कर, उनके सकारात्मक पहलू पर बोलना चाहिए. दूसरे, अगर उन्हें 15 अगस्त, 26 जनवरी, गांधी जयंती या इस तरह के विशेष अवसरों पर बुलाया गया है, तो इस दिवस की महत्ता पर कुछ शब्द बोलने चाहिए. अंत में सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपना वक्तव्य को समाप्त करना चाहिए.
- उन्हें आत्म प्रशंसा से बचना चाहिए. एक ही बात बार-बार नहीं बोलना चाहिए. अपना संभाषण लंबा नहीं खींचना चाहिए.
- मुख्य अतिथि की तरह जूरी का पद भी बहुत गरिमामय होता है क्योंकि उन्हें प्रतियोगियों को जज करना रहता है. जूरी को खुद प्रतियोगियों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए. उनका खुद का बॉडी लैंग्वेज, उच्चारण, प्रेजेंटेशन सशक्त होना चाहिए. ज्यादातर जूरी मंच पर जाते ही प्रतियोगियों की कमजोरियों पर कमेंट करने लगते हैं. उन्हें तरह-तरह की सलाह देने लगते हैं. कुछ प्रवचन पर उतर आते हैं. यह उनकी सबसे बड़ी भूल है.

- जूरी को 3 :1 का फार्मूला याद रखना चाहिए. इसका अर्थ है 4 मिनट में 3 मिनट प्रतियोगियों की तारीफ कीजिए, उन्हें प्रोत्साहित कीजिए. सिर्फ एक मिनट उनकी कमी पर बोलिए, और एक छोटा सा टिप्स दीजिए उन्हें दूर करने का. ज्यादातर बच्चों की यह पहली या दूसरी प्रतियोगिता होती है. आपका काम है सही तारीफ से उन्हें प्रोत्साहित करना. अप्रिशिएसन जितना असरदार होता है, सलाह नहीं. कम बोलिए, टू द पॉइन्ट बोलिए.

मूल मंत्र : डेल कार्नेगी ने कितनी सही सलाह दी है-सीखते रहना, अपने आप को बेहतर बनाना हमारा पहला लक्ष्य होना चाहिए. मुख्य अतिथि, जूरी बनाया जाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. हमारा लक्ष्य होना चाहिए अपने आचरण से, अपने संभाषण से इस उपलब्धि को बरकरार रखना. जॉर्ज वि फ्रे हेगेल का कहना है - विद्वान हर चीज में सकारात्मक गुण देखता है। हम जहां जाएं, पूरी तैयारी के साथ जाएं, सकारात्मक नजरिया लेकर जाएं.

बच्चों के कमरे का इंटीरियर डेकोरेशन

तारों का तराना है परियों की कहानी है

बच्चों की किलकारी, उनका हंसना-मचलना, उनकी धमाचौकड़ी..यही तो मकां को घर बनाती है. उनके ख्वाब ही हमारे भविष्य का ताना-बाना बुनते हैं. इसलिए घर में बच्चों का कमरा तैयार करना पैरेंट्स के लिए बहुत भावुकता और जिम्मेदारी भरा काम होता है. उनके आराम, उनकी सुविधा के साथ-साथ उनके विकास को भी घर का यह कोना प्रभावित करता है. इंटीरियर डिजाइन से हमने जाना कि कैसा हो बच्चों का कमरा

अमित कुमार पांडेय
(इंटीरियर डिजाइनर)

फर्नीचर का जब करें चयन

जब बच्चे के लिए बेड ले रहे हों तो सबसे पहले कंफर्ट को लेकर आश्वस्त हों. मैट्रेस में मीडियम फर्मनेस का स्प्रिंग वाला मैट्रेस सही रहेगा. फ्लैक्सिबल बेड का चयन करें जो बच्चों के बड़े होने पर भी उनके अनुरूप सेट हो सके. बिस्तर के फ्रेम को इस तरह रखें कि उनकी किसी भी गतिविधि में परेशानी नहीं हो.

अगर आपके पास स्पेस है तो बच्चों का बेड के साथ-साथ फ्लोर पर आप अपना भी बेड बना सकते हैं. बच्चों के साथ समय गुजारने का यह खूबसूरत तरीका है. इस भागदौड़ की जिंदगी में उनके साथ थोड़ा अधिक समय गुजारने का मौका मिलेगा. यकीनन यह आरामदायक तरीका सुकून देगा.

वार्डरोब ऐसा बनवाएं या खरीदें जो बाद के वर्षों में भी उनके काम आए. इसमें बहुत कलाकारी की जरुरत नहीं. ड्रॉवर और सेल्फ वाले क्लासिक वार्डरोब ले सकते हैं. अगर बेटी है तो क्लोजेट और ड्रेसिंग का डिजाइन ऐसा करें कि वह ज्यादा उम्र तक उसे कर सके.

- बच्चों के लिए डेस्क ऐसी चुनें जिसकी लंबाई और ऊंचाई को जरुरत के अनुसार समायोजित किया जा सके. जगह कम है तो दीवार पर हैंग करने वाला या स्लाइडिंग डेस्क का उपयोग कर सकते हैं.
- कुर्सी एडजस्टेबल हाइट वाली हो. ऐसी कुर्सी लें जिसमें फुटरेस्ट की सुविधा हो. कुर्सी लेते समय ध्यान रखें कि यह आपके बच्चे के अनुकूल हो क्योंकि इस उम्र में पोस्चर स्वास्थ्य और व्यक्तित्व, दोनों के लिए बहुत मायने रखता है.

विजुअल अपीलिंग वॉल डेकोर

बोल्डेस्ट कलर और क्रिएटिव डिजाइन इन दिनों बच्चों के कमरे के लिए चलन में है. दीवारों के लिए डाई पेंटिंग कराएं या म्यूरल वॉल पेपर लगाएं. जंगल का रोमांच, परियों की कहानियां, फूलों वाले बाग-बगीचे, बच्चों के प्रिय जानवर, कार्टून आदि से वाल डेकोर प्रेरित हो सकती है. अंतरिक्ष जैसी सजावट, तारों वाली रात की सजावट, ऐरोप्लेन जैसी सजावट आदि भी उनकी पसंद के अनुरुप चुन सकते हैं.

किड्स रूम कलर ट्रेंड

बेहतर हो कि रंगों के मामलों में जेंडर न्यूट्रल ऑप्शंस पर सोचें. यह लड़कों के कमरे का रंग है और यह लड़कियों के कमरे का रंग है, इस मानसिकता से ऊपर उठें. आपके बच्चे का फेवरिट रंग जो हो, उसे उसके कमरे का रंग बना सकते हैं. न्यूट्रल कलर हमेशा ट्रेंड में रहते हैं. फिर भी डल न्यूट्रल कलर की जगह बटरी न्यूट्रल शेड्स या पेस्टल कलर का चयन बेहतर रहेगा. हालांकि ब्लू, पर्पल, ब्राइट पिंक और रेड, रेडिएंट ऑरेंज और यलो, म्यूटेड ग्रीस और डीप ब्राउन भी इन दिनों ट्रेंड में हैं.

हेडबोर्ड

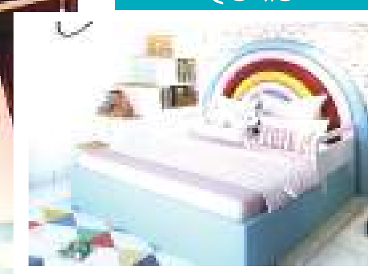

बच्चों के कमरे में हर चीज क्रिएटिव और ब्राइट होनी चाहिए. कैची हेडबोर्ड से विजुअल अपील बढ़ जाता है. अधिक आराम के लिए सॉफ्ट फिनिश, थोड़े अलग डिजाइन वाले (प्रिंसेज कोस्टल या जंगल में टेंट) जैसा कुछ हेड बोर्ड इसमें सफल होगा.

मल्टीपरपस कार्पेट

बच्चे अक्सर फर्श पर खेलना, पढ़ना और यूं ही वक्त गुजारना पसंद करते हैं. इसलिए उनके कमरे का फ्लोर मुलामियत भरा कवर डिमांड करता है. उनके कमरे के लिए स्टाइलिश और कंफर्टेबल कार्पेट या दरियां चुनें. बेशक कंफर्ट अधिक मायने रखता है. ज्योमेट्रिक, फ्लोरा या फॉना प्रिंट बेहतर विकल्प हो सकते हैं.

लाइटिंग ट्रेंड

पढ़ाई के लिए, खेलों के लिए, पेंटिंग या क्राफ्ट बनाने या दूसरी एक्टिविटी के लिए बच्चों के कमरे में जितनी प्राकृतिक रोशनी अहमियत रखती है, उतनी ही आर्टिफिशयल रोशनी भी. इन दिनों नेचुरल मटेरियल के लाइटिंग फिक्सचर फैशन में हैं. लाइट के अलग-अलग सोर्स हों, कुछ सीलिंग पर, कुछ फ्लोर पर और कुछ दीवारों पर.

आरामदायक कोने

बच्चों के कमरे में कुछ कोजी कॉनर्स जरूर हों. यहां फ्लोर पर रखी दरी या गद्दे पर ढेर सारे कुशंस हो सकते हैं या फिर कुछ बीन बैग या छोटा सोफा हो सकता है. आराम से स्टोरी बुक पढ़ने, गुड्डा-गुड़िया खेलने, कोई क्राफ्ट बनाने या यूं ही गप्पे मारने के लिए यह जगह परफेक्ट होगी.

क्या आप इमोशनली इंटेलिजेंट हैं?

सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय चिकित्सक

इमोशनल इंटेलिजेंस दरअसल अपनी और दूसरों की भावनाओं तक पहुंचने और उसे समझने की क्षमता है. यह हमें वह कौशल सिखाता है जिसकी बदौलत तनाव भरे समय और परिस्थितियों को बदलने का हम माद्दा रखते हैं. इससे हम जहां बेहतर समायोजन में सफल होते हैं, वहीं हमारे संबंध को भी यह खासा प्रभावित करता है. आइए, इमोशनल इंटेलिजेंस को कैसे बढ़ाएं, इसकी करें चर्चा...

- **सेल्फ अवेयरनेस**
आप खुद की भावनाओं को लेकर सजग रहें. किस बात पर आपा खोते हैं, कौन सी बात दुखी करती है और कौन सी स्थिति आपके लिए सुखद है, इस बात से सजग रहेंगे तो उस परिस्थिति विशेष में कैसी प्रतिक्रिया देनी है, जान पाएंगे. यह प्रैक्टिस की चीज है और शुरुआत में आप इसे नोट कर समझ सकते हैं.
- **अभिव्यक्ति का सही अंदाज**
अपनी भावनओं को सही तरीके से अभिव्यक्त करना हमारे इमोशनल इंटेलिजेंस को इम्प्रूव करता है. इसके कई तरीके हैं जिसमें किसी से बात क र , लिखकर, ड्रॉइंग बना कर आदि शामिल हैं.
- **दूसरे को समझिए**
दूसरे की परिस्थिति में खुद को रख कर उसकी भावनाओं को समझना भी आपकी भावनात्मक बुद्धिमानी को दर्शाता है.
- **खुद के प्रति अच्छा व्यवहार**
खुद के आत्मसम्मान का ख्याल रखें, आत्म मूल्यांकन करें और खुद की अवधारणा को लेकर विचार करें.
- **सकारात्मक रहिए**
किसी मसले पर अपनी सकारारात्मकता बनाए रखें. अलग अलग सोच पर खुलकर बात करें. सकारात्मक सोच के लिए ये जरूरी है.
- **सीखिए बात करने की कला**
बात करने के कौशल को बढ़ाने के लिए मेहनत करें. भावनाओं की सटीक अभिव्यक्ति में यह सहायक होगी.

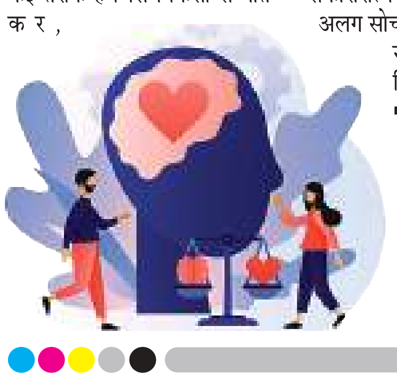

यात्रा वृतांत : संजय डुबरी- 3

व्याघ्र शावकों की वह अठखेलियां...

अहा! अप्रतिम! अद्भुत्! अलौकिक

राकेश रमण

संजय डुबरी सफारी की जीवन रेखा है यहां की बनास और उमरारी नदी, हमारे चालक रामकुमार ने इसकी जानकारी हमें दी. प्रतिदिन ये दोनों नदियां हमें आकर्षित करती रहीं. भीषण गर्मी में भी जंगल के जलस्रोत पूरी तरह नहीं सूखते. काश! पेड़ों के इस अप्रतिम योगदान को आदमी अब भी समझ जाए!

इंतजार की वह घड़ी

जंगल सफारी में वन्य प्राणियों का दर्शन करने के लिए बहुत धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करनी पड़ती है. प्रतीक्षा की घड़ियों में हमें हमारे स्थानीय संयोजक सुभाष जी की कहानियों ने हमारा काफी मनोरंजन किया. उन्होंने कई उपयोगी बातें भी बतायी. लेकिन इन्हीं बातों के बीच अगले दिन हम बाघ को मात्र झाड़ियों में घुसता हुआ ही देख पाए. फिर तो काफी प्रयास के बाद भी हम ऐसे खुले स्थान पर बाघ का दर्शन नहीं कर पाए जहां से सुंदर तस्वीर उतारी जा सके. लेकिन अगली सफारी में काफी प्रतीक्षा के बाद हमें हमारे मार्गदर्शकों बाबूल्ले, जयप्रकाश आदि ने अंततः वह दृश्य हमें दिखला ही दिया जिसकी हमें बहुत व्यग्रता से प्रतीक्षा थी.

बाघ-बाघिन और शावक

वह क्षण हमारे लिए बहुत रोमांचक था क्योंकि अब हम मंडोली के खुले स्थान पर बाघिन को उसके चारों बच्चों के साथ खेलते हुए देख रहे थे. और फिर थोड़ी ही देर के बाद बोनस के रूप में दूसरी ओर से नर बाघ भी इस दृश्य में प्रवेश कर गया. अहा! अप्रतिम! अद्भुत्! अलौकिक. व्याघ्र शावकों

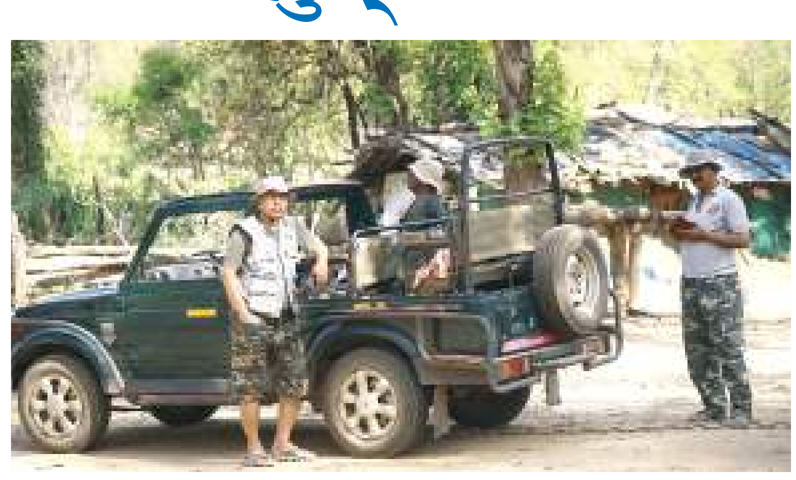

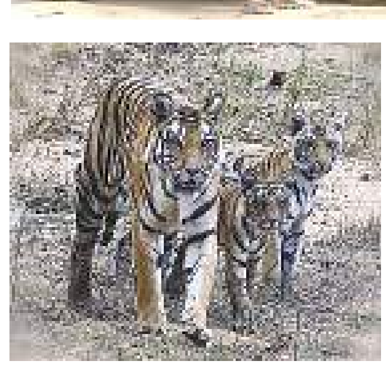

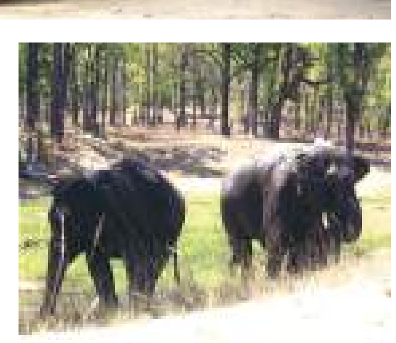

की वह अठखेलियां तथा दूर रहकर भी मां की सतत निगरानी. मातृत्व की महानता का यह प्राकृतिक दृश्य कितना सुन्दर संदेश देता है! अंधेरा घिरने तक उनकी गतिविधियों को हम अपलक देखते रहे, तस्वीरें भी खूब उतारीं. और फिर रिजार्ट पर लौट आए.

अब हमारे पास अनूठी यादों का एक शानदार खजाना साथ चल रहा था और हम प्रमुदित मन से अपने-अपने निवास की ओर लौट रहे थे. पुलिन दा मेदिनीनगर, जयंतो दा तथा अपूर्व दा कोलकाता और मैं रांची. एक बेहद ऊर्जादायक और सार्थक सफारी की यात्रा पूरी करके हम प्रसन्न थे और संजय डुबरी के अनुछुए जंगल को मन ही मन प्रणाम कर रहे थे. **(समाप्त)**

गोद में लैपटॉप?

घर से काम कर रहे हों या दफ्तर में, इन दिनों लैपटॉप गोद में रखकर काम करने की आदत आम देखी जा रही है. यह आदत कई तरह की समस्याओं को न्यौता देती है.

- **कमर दर्द**
जब हम गोद में लैपटॉप रखकर काम करते हैं तो आमतौर पर हमारा पोस्चर स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं होता. इससे कमर व शरीर के दूसरे हिस्से में दर्द हो सकता है.
- **प्रजनन क्षमता पर असर**
अमेरिकन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन की एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. दरअसल लैपटॉप से निकलने वाली गर्म हवा शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता को कम कर सकती है.
- **टोस्टेड स्किन सिंड्रोम-**
लैपटॉप के इस्तेमाल करते समय इसेस जो गर्म हवा निकलती है, उसके संपर्क में आने से त्वचा में जलन की समस्या होने लगती है. इस स्थिति को टोस्टेड स्किन सिंड्रोम कहा जाता है. इसमें त्वचा पर हल्के और ट्रांसिएंट रेड रैशेज हो जाते हैं.
- **अन्य दुष्प्रभाव**
जब हम गोद में लैपटॉप पर रखकर काम करते हैं तो अक्सर हमारे दोनों पैर चिपके रहते हैं. इस पोस्चर में लैपटॉप की रेडिएशन सीधे हमारे शरीर पर पड़ती है जो कई बीमारियों का कारण बनती है. इस पोस्चर में आंखों से पर्याप्त दूरी नहीं रह पाती. इस कारण आंखों में खिंचाव, सूखापन या सिरदर्द की समस्या हो सकती है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद हार्दिक को लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का पहला जत्था रवाना

एजेंसी। मुंबई

मुंबई इंडियंस के कप्तान और भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक पंड्या की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं. भारतीय ऑलराउंडर का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का सीजन बेहद खराब रहा. रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद उन्हें लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा और हूटिंग का सामना करना पड़ा.

मैदान पर बल्ले और गेंद से हार्दिक का प्रदर्शन भी उम्मीद से कम रहा. अब जबकि यह अनुभवी क्रिकेटर टी20 विश्व कप 2024 अभियान की तैयारी कर रहा है तो वह यूएसए और वेस्टइंडीज में अभियान के लिए रवाना हुए खिलाड़ियों के पहले बैच में शामिल नहीं हो सके.

कप्तान रोहित की अगुआई में भारतीय क्रिकेटरों को शोपीस इवेंट के लिए यूएसए और वेस्टइंडीज जाने के लिए एयरपोर्ट पर देखा गया. रोहित शर्मा, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और ऋषभ पंत उन खिलाड़ियों में शामिल थे, जिन्हें देखा गया. लेकिन हार्दिक को नहीं देखा जा सका. बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज को भी देखा जा सकता है, साथ ही हार्दिक के मुंबई इंडियंस के साथी सूर्यकुमार यादव भी देखे जा सकते हैं, लेकिन एमआई कप्तान कहीं नहीं दिखे. बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 प्लेऑफ में शामिल नहीं होने वाले खिलाड़ियों के पहले बैच को शनिवार को सुबह ही भेजने का फैसला किया, जबकि बाकी खिलाड़ी फाइनल के बाद रवाना होंगे.

तकनीकी रूप से हार्दिक को इस समूह का हिस्सा होना चाहिए था, लेकिन वह वहां नहीं थे. सोशल मीडिया पर प्रशंसक सोच रहे हैं कि क्या हार्दिक के पहले बैच के रवाना से अनुपस्थित रहने का उनके निजी जीवन के बारे में चल रही अफवाहों से कोई लेना-देना है.

हार्दिक पंड्या-नताशा स्टेनकोविक तलाक की अफवाहें

ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस जोड़े के बीच सब कुछ ठीक नहीं है. ये अटकलें तब शुरू हुईं जब नताशा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पांड्या सरनेम हटा दिया. रेडिट पर नताशा और हार्दिक अलग हो गए वाली पोस्ट वायरल होने के बाद लोगों ने आग में घी डालने का काम किया, जहां यूजर ने आईपीएल 2024 मैचों में उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और बताया कि उन्होंने हाल के दिनों में हार्दिक के साथ कोई तस्वीर पोस्ट नहीं की है. सोशल मीडिया पर अफवाहें तो खूब चल रही हैं, लेकिन हार्दिक या नताशा की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है. नतीजतन, यह फिलहाल सिर्फ अटकलों से ज्यादा कुछ नहीं है. नताशा के इंस्टाग्राम पेज पर अभी भी उनकी और हार्दिक की तस्वीरें मौजूद हैं, साथ ही क्रिकेटर के परिवार के बाकी सदस्य भी मौजूद हैं. नतीजतन, नताशा द्वारा हार्दिक के साथ सभी तस्वीरें डिलीट करने की खबरें सच नहीं हैं.

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत प्रधान ने कहा

अमेरिका में ऐतिहासिक होगा टी 20 विश्व कप

एजेंसी। न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क में भारत के महा वाणिज्यदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने कहा है कि अमेरिका में टी20 विश्व कप ऐतिहासिक टूर्नामेंट होगा जिसे लेकर भारतवंशियों के साथ अमेरिकी लोगों में भी इसे लेकर काफी उत्साह है और क्रिकेट को देश में मुख्यधारा में लाने में यह अहम भूमिका निभाएगा. प्रधान ने कहा, पहली बार अमेरिकी धरती पर क्रिकेट का विश्व कप खेला जा रहा है. इसे लेकर भारी उत्साह है. भारतवंशियों में ही नहीं बल्कि अमेरिका के लोगों में भी. उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस सदस्य, सीनेटर, जन प्रतिनिधि सभी इसके बारे में बात कर रहे हैं. टी20 विश्व कप अमेरिका और वेस्टइंडीज में दो से 29 जून तक खेला जाएगा. भारतीय क्रिकेट टीम पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ यहां नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अपने अभियान का आगाज करेगी. भारत और पाकिस्तान का मैच यहां नौ जून को होना है. प्रधान ने कहा, मुझे यकीन है कि यह ऐतिहासिक आयोजन होगा. टीम इंडिया कई तरह से भारत का प्रतिनिधित्व करती है. इसे लेकर सभी में काफी उत्साह है. हम उनका स्वागत करने को बेताब हैं और उनकी हौसलाअफजाई भी करेंगे. उन्होंने कहा, भारतीय टीम पहली बार अमेरिका की टीम से खेलेगी. यह बड़ा पल होगा. भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर उन्होंने कहा, इसे लेकर काफी उत्साह है. कई जानी मानी हस्तियां इसे देखने पहुंचेंगी.

ब्रीफ खबरें

सेना की निशानेबाजी इकाई लड़कियों को बढ़ावा देगी

महू। ओलंपिक रजत पदक विजेता विजय कुमार और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जीतू रॉय जैसे निशानेबाजों की प्रतिभा को तराशने वाली सैन्य निशानेबाजी ईकाई ने इस खेल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आर्मी गर्ल्स स्पोर्ट्स कंपनी (एजीएससी) की शुरुआत की है. थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से एजीएससी का उद्घाटन किया. भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, महिला निशानेबाजों को सशक्त बनाने की पहल के तहत आर्मी गर्ल्स स्पोर्ट्स कंपनी का उद्घाटन रविवार को महू में सैन्य निशानेबाजी ईकाई में 11 बालिका निशानेबाजों के पहले बैच के साथ किया गया.

ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक नहीं खेलेंगे नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान मांसपेशी में लगी चोट के कारण चेक गणराज्य में 28 मई को होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स मीट में भाग नहीं ले सकेंगे. चोपड़ा ने इस सत्र में दो स्पर्धाओं दोहा डायमंड लीग और फेडरेशन कप में भाग लिया है. वह अतिथि के तौर पर इस टूर्नामेंट में पहुंचेंगे. आयोजकों ने एक बयान में कहा, चोपड़ा को दो सप्ताह पहले अभ्यास के दौरान मांसपेशी में चोट लगी थी जिसकी वजह से वह ओस्ट्रावा में नहीं खेल सकेंगे लेकिन अतिथि के तौर पर यहां आएंगे.

रोहित को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंचे बाबर

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 32 रन की पारी खेली. बाबर की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम को 23 रन से इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. लेकिन इस मैच में बाबर ने अपने नाम बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली. टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में बाबर रोहित को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर पहुंच गए. इस लिस्ट में बाबर से आग सिर्फ विराट कोहली हैं. बाबर इस दौरान विराट को भी पछाड़ सकते हैं. बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए बटलर के 84 रन पर 7 विकेट पर 183 रन बनाए.

पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय स्टार को लगा करारा झटका

सिंधू को मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में वांग ने हराया

एजेंसी। कुआलालंपुर

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का पिछले दो साल से चला आ रहा खिताब का इंतजार और लंबा हो गया क्योंकि उन्हें मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में रविवार को यहां विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज चीन की वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा. ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू तीन गेम तक चले 79 मिनट के मुकाबले के निर्णायक गेम में 11-3 की बड़ी बढ़त बनाने के बावजूद 21-16 5-21 16-21 से हार गयी.

वांग ने शानदार वापसी करते हुए आखिरी 23 में से 18 अंक जीत कर खिताब अपने नाम किया. विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू इससे पहले 2022 सिंगापुर ओपन खिताब अपने नाम करने में सफल रही थी और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थी. पांचवी वरीयता प्राप्त सिंधू अगर चैम्पियन बनती तो सोने पर सुहागा होता, लेकिन फाइनल तक के सफर में इस प्रभावशाली प्रदर्शन से पेरिस ओलंपिक से पहले उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा.

यह एक वर्ष से अधिक समय में किसी बीडब्ल्यूएफ टूर पर उनका पहला फाइनल था.सिंधू मैच के अधिकांश मौजूदा एशियाई चैंपियन वांग के खिलाफ दबदबा बनाने में सफल रही, लेकिन निर्णायक गेम में ब्रेक के बाद उन्होंने लय गंवा दी और वांग ने शानदार वापसी कर जीत दर्ज की. दिलचस्प बात यह है कि सिंधू ने अपना पिछला फाइनल सिंगापुर ओपन में वांग के खिलाफ ही जीता था. वह हालांकि पिछले साल आर्कटिक ओपन में वांग से हार गई थीं, लेकिन उन्होंने इससे पहले तीन मुकाबलों में चीन की खिलाड़ी को दो बार हराया था. सिंधू ने पिछले काफी समय से कैरोलिना मारिन, ताई त्जु यिंग, चेन यू फेई और अकाने यामागुची जैसी बड़ी खिलाड़ियों को हराने में विफल रही है और पेरिस ओलंपिक में उन्हें इन खिलाड़ियों के कड़ी चुनौती मिल सकती है. घुटने की चोट से उबर कर खेलों में वापसी कर रही सिंधू का फाइनल में पहुंचने से आत्मविश्वास जरूर बढ़ेगा.

विरोधी के स्मैश का नहीं था कोई जवाब

दोनों खिलाड़ियों के बीच एक तेज तर्रार रैली का अंत सिंधू के क्रॉस कोर्ट शार्ट से हुआ जिससे वह 7-2 की बढ़त बनाने में सफल रही. ब्रेक के समय उन्होंने 11-3 की बड़ी बढ़त कायम कर ली थी. वांग ने ब्रेक के बाद कमाल की वापसी की करते हुए 55 और 56 शॉट तक चली दो रैलियों को जीत कर सिंधू पर दबाव बना दिया. सिंधू अब बेसलाइन और साइडलाइन दोनों जगहों से गलती करने लगी थी और वांग ने लगातार पांच अंक के साथ अपना आत्मविश्वास हासिल किया. सिंधू ने क्रॉस कोर्ट शॉट से वांग की लगातार अंक हासिल करने के सिलसिले को रोका लेकिन चीन की खिलाड़ी ने इस बार लगातार सात अंक हासिल कर मैच में 15-13 की बढ़त बना ली. सिंधू पर अब थकान हावी होने लगा था. सिंधू ने शनिवार को कड़ा सेमीफाइनल मुकाबला खेला था जो 83 मिनट तक चला था .वांग ने इसके बाद छह चैम्पियनशिप प्वाइंट हासिल किये. सिंधू इसमें दो का बचाव करने में सफल रही लेकिन चीन की खिलाड़ी ने अगले प्वाइंट को भुनाकर खिताब जीत लिया.

अब कल सिंगापुर ओपन में करेंगी आगाज

सिंधू अब मंगलवार से शुरू होने वाले सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगी. हैदराबाद की 28 साल की यह खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में अभ्यास करती है. वह वांग के खिलाफ जीतने की स्थिति में होने के बावजूद मैच गंवाने की खामी को दूर करना चाहेंगी.

सिंधू फाइनल में तेज शुरुआत की और दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई. सिंधू 6-4 की बढ़त बनाने में सफल रहीं लेकिन वांग ने दो अंक लेकर वापसी की. भारतीय खिलाड़ी ने शानदार रक्षण दिखते हुए वांग पर दबाव बनाए रखा लेकिन चीन की खिलाड़ी का नेट के करीब से लगाया गया क्रॉस-कोर्ट लाइन के बाहर जा गिरा जिससे ब्रेक तक सिंधू ने 11-9 की बढ़त कायम कर ली. वह अपने प्रभावशाली रिटर्न से इस बढ़त को 13-9 और फिर 17-10 करने में सफल रही.

भारतीय खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए वांग ने स्कोर को 16-19 किया लेकिन फिर सिंधू चार मैच प्वाइंट हासिल करने में सफल रही. वांग ने शटल को कोर्ट से बाहर खेल दिया और सिंधू ने पहला गेम जीत लिया. सिंधू दूसरे गेम में पूरी तरह से बेरंग नजर आई. वांग ने उन पर 5-1 की बढ़त बनाने के बाद इसे 11-3 में बदल दिया.

आईपीएल : 17 साल में कहीं और नहीं हुआ ऐसा

चेपॉक स्टेडियम ने रचा इतिहास

एजेंसी। चेन्नई

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच रविवार को आईपीएल 2024 का फाइनल खेला जा रहा है. दोनों टीम की चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टक्कर हो रही है, जो चेपॉक के नाम से मशहूर है. एसआरएच के कप्तान पैट कमिंस ने खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. चेपॉक ने नायाब इतिहास रच डाला है, जो 17 साल में कहीं और नहीं हुआ. चेपॉक तीन आईपीएल फाइनल की मेजबानी करने वाला पहला स्टेडियम बन गया है.चेपॉक में पहली बार आईपीएल फाइनल साल 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के बीच खेला गया था. सीएसके ने तब 58 रन से आरसीबी को हराकर खिताब जीता था.

सीएसके ने 205/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में आरसीबी निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन ही जुटा सकी. यहां दूसरी बार खिताबी मुकाबला 2012 में आयोजित हुआ, जिसमें केकेआर और सीएसके की भिड़ंत हुई. सीएसके ने 190 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे केकेआर नेदो गेंद बाकी रहते चेज किया. यह केकेआर की पहली आईपीएल ट्रॉफी थी. उसने दूसरे खिताब 2014 में हासिल किया. केकेआर ने दोनों खिताब गौतम गंभीर की अगुवाई में अपने नाम किए, जो फिलहाल फ्रेंचाइजी के मेंटोर हैं. कोलकाता टीम 10 साल बाद खिताबी सूखा समाप्त कर पाएगी या नहीं, हीं सभी फैंस की इसपर निगाह होगी. जीतने की कोशिश में होगी. उसने एकमात्र ट्रॉफी 2016 में डेविड वॉर्नर की कप्तानी में हासिल की. केकेआर और एसआरएच पहली बार आईपीएल फाइनल में आमने-सामने हैं. कोलकाता चौथी जबकि हैदराबाद तीसरी बार खिताबी मुकाबले में उतरी है. कोलकाता ने पहले क्वालिफायर में एसआरएच को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी. वहीं, हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ क्वालीफायर-2 जीतकर एंट्री मारी.

टॉस उछालते समय नाचने लगे श्रेयस अय्यर

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल मुकाबले में टॉस के समय कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक ऐसा टोटका किया जिसे देखकर सबकी हंसी छूट गया. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में सनराइजर्स के खिलाफ अय्यर को टॉस का सिक्का उछालने का मौका मिला. अय्यर ने जैसे सिक्सा अपने हाथ में लिए उसे उछालने से पहले वह 360 डिग्री में घूम गए. अय्यर को ऐसा करते देख विरोधी कप्तानी पैट कमिंस और रवि शास्त्री भी हैरान थे. पैट कमिंस को तो कुछ पता भी नहीं चल पाया. वह सिर्फ मुस्कुरा कर रह गए.हालांकि, अय्यर का यह टोटका उनके काम नहीं आया और वह हार गए. सनराइजर्स के कप्तान कमिंस ने टॉस जीत लिया. टॉस जीतने के बाद कमिंस ने सीएसके के मैदान पर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. टॉस हारने के बाद अय्यर थोड़ा मायूस दिखे, क्योंकि केकेआर के कप्तान भी पहले इस पिच पर बैटिंग करना चाहते थे.टॉस जीतने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम की शुरुआत बहुत ही खराब रही है. टीम के दोनों विध्वंसक ओपनर ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा बुरी तरह से फ्लॉप हो गए. अभिषेक शर्मा को केकेआर के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया. सनराइजर्स की टीम इस झटके से उबरने की कोशिश में लगी ही थी कि ट्रेविस भी आउट हो गए.

■ पैट कमिंस की छूट गई हंसी

कानूनी विकल्प तलाश रहा है ईएफआई

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) अपने कामकाज के संचालन के लिए दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा तदर्थ समिति के गठन के बाद कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है.

इसने कहा कि अदालत के इस फैसले से इस गरीब खेल महासंघ पर भारी वित्तीय बोझ पड़ जायेगा जो या तो समिति को फीस दे सकता है या खेल के विकास के लिए काम कर सकता है. अदालत ने राजस्थान घुड़सवारी संघ की याचिका पर यह फैसला सुनाया था. आरईए ने ईएफआई कार्यकारी समिति के सदस्यों के कार्यकाल में विस्तार को चुनौती देते हुए कहा था कि यह खेल कोड के खिलाफ है. एक अलग याचिका में आरईए ने आरोप लगाया था कि ईएफआई ने क्लबों और संस्थानों को मताधिकार देकर खेल कोड का उल्लंघन किया है क्योंकि प्रदेश संघों को ही मतदान का अधिकार है. ईएफआई के एक सूत्र ने कहा, हमारा सालाना राजस्व दो करोड़ रुपए हैं और कम से कम एक करोड़ तदर्थ समिति की फीस में चला जाएगा, अगर वह एक साल तक काम करती है. आदेश के तहत ईएफआई को समिति के अध्यक्ष को प्रतिमाह पांच लाख रुपए और दो सदस्यों को एक एक लाख रुपए देने होंगे.

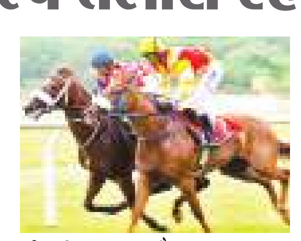

खिलाड़ियों को वापिस बुलाकर इंग्लैंड ने गलती की : वॉन

एजेंसी। चेन्नई

साल्ट व जैक्स को बहुत कुछ सीखने को मिलता और उनकी तैयारी मजबूत होती

पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला खेलने के लिए अपने क्रिकेटरों को आईपीएल से वापिस बुला कर इंग्लैंड बोर्ड ने गलती की क्योंकि उन्हें प्लेआफ में दबाव के हालात में खेलने का अनुभव नहीं मिल सका, जो टी20 विश्व कप में काम आता. इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर (राजस्थान रॉयल्स), फिल साल्ट (कोलकाता नाइट राइडर्स) और विल जैक्स (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू)को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ चार मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए वापिस बुला लिया था, जिसकी सुनील गावस्कर समेत भारत के पूर्व क्रिकेटरों ने आलोचना की थी. वॉन ने क्लब प्रेयरी फायर पॉडकास्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पहले है, लेकिन आईपीएल में दबाव उससे कम नहीं. इन खिलाड़ियों को प्रशंसकों, मालिकों और सोशल मीडिया के जिस दबाव का सामना करना होता है, वह बहुत बड़ा है.

उन्होंने कहा, इंग्लैंड ने खिलाड़ियों को वापिस बुलाकर उस दबाव के अनुभव से वंचित कर दिया. आईपीएल प्लेऑफ के दबाव व दर्शकों के दबाव से तैयारियां पाकिस्तान के खिलाफ टी20 खेलने से कहीं बेहतर होती. उन्होंने कहा, खास तौर पर साल्ट और जैक्स को तो बहुत कुछ सीखने को मिलता और उनकी तैयारी मजबूत होती. मैं पाकिस्तान या इंग्लैंड टीम का अपमान नहीं कर रहा, लेकिन आईपीएल में दबाव बहुत होता है और इसका स्तर उस द्विपक्षीय शृंखला से बेहतर है.

पीसीबी

शाहीन ने ठुकराया था उप-कप्तानी का ऑफर? पीसीबी ने अब तोड़ी है चुप्पी

टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तानी क्रिकेट में बवाल जारी

एजेंसी। इस्लामाबाद

टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान टीम में उप-कप्तानी को लेकर बवाल जारी है. हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि शाहीन अफरीदी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की तरफ से उप-कप्तानी का ऑफर सौंपा गया था. हालांकि, उन्होंने इसे ठुकरा दिया. अब बोर्ड ने इन रिपोर्ट्स का खंडन किया है और बयान जारी किया है.

दरअसल, वनडे विश्व कप 2023 के बाद पाकिस्तान की टीम में बदलाव देखने को मिला था. बाबर आजम से कप्तानी छीनकर शाहीन अफरीदी को सौंप दी गई थी. हालांकि, कुछ महीनों बाद उन्हें भी हटा दिया गया और टी20 विश्व कप से पहले बाबर आजम को एक बार फिर बागडोर सौंप दी गई. हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान की टीम में कोई उप-कप्तान नहीं है.

पीसीबी ने किया खंडन

पीसीबी ने तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के उप-कप्तानी छोड़ने की रिपोर्ट्स का रविवार को खंडन किया. बोर्ड ने कहा, चयनकर्ता इस खबर से हैरान थे क्योंकि जब शुक्रवार को उन्होंने दो घंटे तक ऑनलाइन बैठक की तो सात में से छह चयनकर्ता बाबर आजम के लिए उप कप्तान रखने के पक्ष में नहीं थे. बोर्ड की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि मार्च में एक चयनकर्ता ने अफरीदी से पूछा था कि क्या वह भविष्य में उप कप्तान बनना चाहेंगे, लेकिन तेज गेंदबाज ने इनकार कर दिया था.

टीम में गेंदबाज हारिस राउफ को जगह मिली

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है. टीम में चोट के बाद वापसी करने वाले गेंदबाज हारिस राउफ को जगह मिली है, जबकि कप्तान बाबर आजम होंगे. टीम में पांच खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार टी20 विश्व कप खेलते दिखेंगे. 2021 और 2022 के बाद यह तीसरा टी20 विश्व कप है, जिसमें बाबर कप्तानी करते दिखेंगे.

टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम

बाबर आजम (कप्तान),अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमां, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान.

बीच के ओवरों में पाकिस्तान के स्ट्राइक रेट से चिंतित अफरीदी

■ **टीम के फाइनल में पहुंचने का यकीन**

एजेंसी। दुबई

पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को यकीन है कि पाकिस्तान एक बार फिर टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचेगा, लेकिन बीच के ओवरों में बल्लेबाजों के खराब स्ट्राइक रेट पर उन्होंने चिंता जताई.

पूर्व हरफनमौला ने कहा कि शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, मोहम्मद आमिर और अब्बास अफरीदी जैसे गेंदबाजों के रहते पाकिस्तान के पास दुनिया का सर्वश्रेष्ठ तेज आक्रमण है. टी20 विश्व कप के टूर्नामेंट दूत अफरीदी ने आईसीसी से कहा, मुझे हमारे बल्लेबाजों के स्ट्राइक रेट को लेकर चिंता है. खासकर सातवें से 13वें ओवर के बीच. उन्होंने कहा, उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा. आठ से नौ रन प्रति ओवर बनने चाहिए.

पाकिस्तान मेरी नजर में खिताब की प्रबल दावेदार है. पाकिस्तान की 2009 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अफरीदी का मानना है कि तेज गेंदबाजों पर बडी जिम्मेदारी होगी. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान फाइनल में पहुंचेगा चूंकि वेस्टइंडीज और अमेरिका के हालात हमारी टीम को रास आएंगे. किसी और टीम के पास इतना मजबूत गेंदबाजी आक्रमण भी नहीं है. हमारे तेज गेंदबाज कमाल के हैं. इन सभी गेंदबाजों पर बड़ी जिम्मेदारी है. पाकिस्तान को पिछली बार फाइनल में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया था. अफरीदी ने आगे कहा, टीम के सभी खिलाड़ी अहम हैं लेकिन पिछले कुछ समय में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, फखर जमां, शाहीन, नसीम शाह, हारिस रऊफ, शादाब खान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. मुझे अगर एक को चुनना है तो मैं बाबर को चुनूंगा.

ब्रीफ खबरें

पुलिस ने हथियार तस्कर को किया गिरफ्तार

मुंगेर । पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया. जानकारी के अनुसार हथियार तस्कर कुछ हथियार को बेचने का फिराक में थे. जिसके बाद पुलिस के द्वारा अपने एक शख्स को खरीदार बना उसे हथियाए तस्कर के साथ डील करने को भेजा गया. जब हथियार तस्कर और खरीदार के बीच दस हजार में डील हो गई और हथियार डिलिवरी का जगह मुंगेर बस स्टैंड के पास एक होटल में तय हुआ. तब वहां पुलिस का खरीदार वहां पहुंचा तो और वहां पहले से मौजूद तस्कर से हथियारों की डिलिवरी की बात होने लगी.

डिलिवरी ब्वॉय लूटकांड में दो बदमाश गिरफ्तार

वैशाली । पुलिस ने सदर थानान्तर्गत डिलिवरी ब्वॉय लूटकांड का खुलासा कर दिया. पुलिस ने घटना में शामिल चार अभियुक्तों को अवैध आग्नेयास्त्रों एवं लूटे गये सामानों के साथ गिरफ्तार कर लिया. एसपी ने प्रेसवार्ता कर बताया कि सदर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम दौलतपुर नएच-22 से सटे बंद पड़े पेट्रोल पंप से सटे कच्ची सड़क पर कुछ अपराधकर्मी अवैध आग्नेयास्त्र के साथ किसी अपराध को अंजाम देने के उद्देश्य से जमा हुए हैं. सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष सदर एवं सशस्त्र बलों के साथ उक्त स्थल की घेराबंदी की गई.

बिहार के चार मजदूरों की गोवा में हुई मौत

सीवान । बिहार के चार मजदूरों की गोवा में दर्दनाक मौत हो गयी. वहीं तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गये. जानकारी के अनुसार, सभी मजदूर खाना खाने के बाद झोपड़ीनुमा घर में सो रहे थे. तभी पहाड़ी सड़क से नीचे आ रही बस अनियंत्रित हो गयी और झोपड़ी में गहरी नींद में सो रहे सात मजदूरों पर चढ़ गयी. ग्रामीणों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया. जहां चार मजदूरों की मौत हो गयी. जबकि तीन का इलाज अस्पताल में चल रहा है. घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

पटना पहुंचे कलाकार खेसारी ने काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह की जम कर तारीफ की, बोले

पार्टी की जरूरत कमजोर लोगों को पड़ती है

कड़ा मुकाबला

- पवन सिंह के लिए रोड शो व हेलीकॉप्टर शो करेंगे
- काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं कलाकार पवन सिंह

संवाददाता । पटना

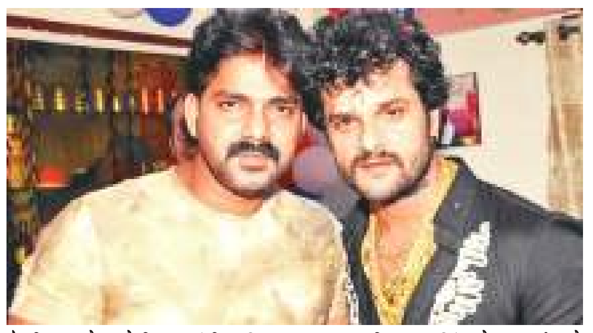

बिहार का काराकाट में लोकसभा चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है. एनडीए उम्मीदवार के उपेंद्र कुशवाहा को भाकपा माले के राजाराम सिंह के साथ भाजपा बेस वाले भोजपुरी एक्टर पवन सिंह से भी चुनौती है. इसे लेकर भाजपा भी काफी गंभीर है. यही वजह है पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, नीतीश कुमार समेत एनडीए के बड़े बड़े नेताओं ने उनकी जीत सुनिश्चित कराने में ताकत लगा दी है. तीन दिन पहले भाजपा के पक्ष में रोड शो करने वाले भोजपुरी गायक और नायक खेसारी लाल यादव भी पवन सिंह के समर्थन में उतर गए. रविवार को खेसारी लाल यादव पटना पहुंचे. वहां पत्रकारों ने उनसे बात की.

खेसारी लाल ने काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह की जमकर तारीफ की. कहा कि पवन सिंह शेर हैं और वो अकेले ही काफी हैं. उन्हें किसी पार्टी की जरुरत नहीं है. उन्होंने कहा कि, जो कमजोर होते हैं वो राजनीति का सहारा लेते हैं और पवन सिंह कमजोर नहीं है. उन्होंने कहा है कि पवन सिंह के लिए काराकाट में रोड शो से हेलीकॉप्टर शो तक करेंगे. पत्रकारों ने सवाल पूछा कि पवन सिंह को भाजपा से निष्कासित कर दिया गया. इस पर खेसारी लाल ने कहा कि पवन सिंह के साथ बिहार की जनता है. वह बिहार का नेता नहीं बल्कि बिहार का बेटा है. जनता के आशीर्वाद से अकेले ही चुनाव जीतेगा. खेसारी लाल ने कहा कि कलाकार होने के नाते वह पवन सिंह के समर्थन में हैं और वो काराकाट भी जाएंगे. वहां रोड शो से लेकर हेलीकॉप्टर शो तक करेंगे और पवन सिंह को जिताने के लिए वोट मांगेंगे. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कलाकार के लिए हर दिन लहर ही रहता है. खेसारी लाल ने कहा कि भोजपुरी भाषा नहीं बटी है.

चुनाव के माहौल में कुछ लोग इसे बांटना चाहते हैं. पवन सिंह ने अपनी भाषा के लिए बहुत काम किया है. पीएम मोदी और अमित शाह की काराकाट में जनसभा के सवाल पर खेसारी लाल ने कहा कि वे सम्मानित लोग हैं. उनके लिए कुछ नहीं कहना है. उन्होंने खुद चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि मैं अपनी भाषा के लिए काम कर रहा हूं, काहे इधर फंसा रहे हैं.

हिलसा में पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी

संवाददाता । नालंदा

पति ने पत्नी की गला घोटकर जान ले ली. घटना का खुलासा रविवार को हुआ. घटना को अंजाम देने के बाद सनकी पति घर छोड़कर फरार हो गया. मृतका की पहचान हिलसा इलाके के गजेंद्र बिगहा गांव निवासी सोनू कुमार के 20 वर्षीय पत्नी हुलसी कुमारी के रूप में हुई. हत्या की सूचना मिलने के बाद मृतका के मायके से परिजन पहुंचे फिर पुलिस को सूचना दी गई.

पुलिस ने शव को बरामद कर बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है. बताया जाता है कि पड़ोसी ने मृतका के परिजन को घटना की जानकारी दी, घर पहुंचने पर परिजनों ने सिर्फ शव को देखा. परिवार के अन्य लोग घर पर मौजूद नहीं थे. मृतका के भाई पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि हमारी बहन की शादी 8 मई 2022 को हुई थी. बहन की शादी में उपहार के तौर पर मांगे गए कई सोने के गहने और रुपये भी दिए गए, मगर सोने के बजरंगबली का लॉकेट के लिए परेशान किया जा रहा था. मेरी बहन लगातार बोलती थी कि दे दीजिए लॉकेट, लेकिन समय दिया जा रहा था. परिजन ने यह भी बताया की शादी के बाद मेरी बहन को अपने घर साल भर तक नहीं ले गए थे.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सासाराम लोस क्षेत्र के कैमूर में जनसभा को संबोधित किया, कहा

कर्पूरी ने पिछड़े समाज के लिए बहुत काम किया

बोले शाह

- लालू जी सामाजिक न्याय पर गोल-गोल बतियाते हैं
- पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ घमंडिया गठबंधन बना है

संवाददाता । कैमूर

बिहार में लोकसभा चुनाव अब अंतिम चरण में है. इसलिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है. चुनावी दौरे के क्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को सासाराम लोकसभा क्षेत्र के कैमूर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया. अमित शाह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर की भूमि है जिन्होंने पिछड़े और कमजोर समाज के लिए बहुत काम किया. उनके विकास की नींव रखी. लेकिन लालू यादव सामाजिक न्याय पर गोल-गोल बात बतियाते हैं. लेकिन कर्पूरी ठाकुर को उन्होंने कभी भारत रत्न देने की चर्चा नहीं की.

यह काम करके नरेंद्र मोदी ने देश भर के पिछड़ों को सम्मान दिया. उन्होंने दावा किया की पांच चरणों के चुनाव में ही एनडीए को 310 सीटों का तोहफा जनता ने दे दिया है. अब बचे चरणों में चार सौ पार करना है. अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ घमंडिया गठबंधन बना. लालू जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस की शरण में चले गए हैं जो पिछड़ा विरोधी है. कांग्रेस पार्टी ने गरीबों, पिछड़ा और दलितों का हमेशा विरोध किया. काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट को कांग्रेस ने दबा दिया. उनके हिस्से की रिजर्वेशन की फाइल दबा दी. फिर मंडल कमीशन की रिपोर्ट को भी रोक दिया. राहुल गांधी के पिताजी राजीव गांधी ने इसका डटकर विरोध किया था. लेकिन नरेंद्र मोदी ने पिछड़ा समाज के लिए अलग से आयोग बनाकर संवैधानिक सम्मान देने का काम किया.

अमित शाह ने दावा किया कि राहुल गांधी और लालू यादव कहते हैं कि मुसलमान को आरक्षण देंगे. लेकिन उनसे पूछना चाहूंगा कि किसके हिस्से का आरक्षण काटकर मुसलमान को दे दोगे. इनलोगों ने कर्नाटक, हैदराबाद और बंगाल में मुसलमान को आरक्षण इन्हीं समाज का हिस्सा काट कर दे दिया. अमित शाह ने आश्वासन दिया कि जब तक बीजेपी का एक भी सांसद पार्लियामेंट में बचेगा तब तक इस समाज के आरक्षण को खत्म नहीं होने देंगे. यह नरेंद्र मोदी की गारंटी है. दलित समाज के लिए कांग्रेस पार्टी ने हमेशा विरोधी काम किया. जब उनकी सरकार थी तो दलित समाज के उत्थान के लिए बजट 41 हजार करोड़ था. नरेंद्र मोदी ने इसे 1,65,000 करोड़ तक पहुंचा दिया. अमित शाह ने कहा कि14 अप्रैल को राष्ट्रीय समरसता दिवस घोषित किया, 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया और अंबेडकर जी से जुड़े स्थानों को तीर्थ स्थल बनाने का काम किया. घमंडिया गठबंधन का सपना कभी पूरा नहीं होगा. प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी ही बनेंगे. अगर घमंडिया गठबंधन जीत जाती है तो पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बना कर देश का बंटाधार कर देंगे.

एक-एक साल के लिए प्रधानमंत्री बनाएंगे और लोकतंत्र का मजाक उड़ाएंगे. जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि आपके प्रधानमंत्री का प्रत्याशी कौन है तो उन्होंने कहा कि बारी-बारी से एक-एक साल के लिए बनेंगे. क्या देश है से चल सकता है. ऐसी सरकार पाकिस्तान को जबड़ा तोड़ जवाब दे सकती है क्या? यह काम सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं. शाह ने कहा कि मोदी ने आतंकवाद को नियंत्रित किया, नक्सलवाद को कंट्रोल किया, देश के गरीबों के लिए अनाज की व्यवस्था कर दी.

दस साल तक लालू यादव की सरकार चली. सोनिया, मनमोहन उसमें कर्ता धरता थे. बिहार को 10 साल में आप लोगों ने क्या दिया? इन लोगों ने 10 सालों में बिहार को सिर्फ दो लाख 80 हजार करोड़ दिया लेकिन नरेंद्र मोदी ने 14 लाख करोड़ इतनी ही अवधि में बिहार को देने का काम किया. इससे राज्य का विकास हुआ. कहा कि मोदी सरकार ने क्षेत्र के लिए बहुत सारा काम किया है.

लड़कों के लिए पोशाक योजना हमने शुरू की: नीतीश कुमार

पटना में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम नीतीश ने राजद पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए और लड़कों के लिए पोशाक योजना हमने शुरू की और लड़कियों के लिए साइकिल योजना शुरू की. लड़कों की भी मांग थी तो इसके डेढ़ दो साल के बाद हमने लड़कों के लिए साइकिल योजना शुरू कर दी. इस योजना के बाद लड़कियां कितनी घूमती थी और माता और पिता को भी ले जाकर सामने लाती थी. यह सब चीज भूलिएगा मत, याद रखिएगा. पहले कोई किया था? तब हम ही लोग भाजपा के साथ काम किए थे. नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 में हमलोग आए. एक साथ सरकार में आए. उससे पहले क्या था? क्या कोई अपने घरों से बाहर निकल रहा था? किसी के पास यह साहस नहीं था. काफी विवाद होता था. पढ़ाई का क्या हाल था? बहुत कम बच्चों को शिक्षा तक पहुंच मिली. उन्हें अवसर मिला, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया. हमने इतना काम किया है चाहे वह स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो या कोई अन्य में क्षेत्र हो.

सारण चुनाव हिंसा मामले में एसपी पर गिरी गाज

पटना । सारण में हुए चुनाव हिंसा मामले में जिला एसपी डॉ. गौरव मंगला पर गाज गिरी है. बिहार सरकार ने डॉ. गौरव मंगला का तबादला कर दिया है. सारण एसपी को पुलिस मुख्यालय भेज दिया है. वहीं मुजफ्फरपुर के रेल एसपी डॉ. कुमार आशीष को सारण का नया एसपी बनाया गया है. गृह विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. बता दें कि जिले के टाउन थाना क्षेत्र के बड़ा तेलपा स्थित मतदान केंद्र संख्या 318 और 319 पर विगत 20 मई को मतदान हो रहा था.

वोटिंग के दौरान आरजेडी और बीजेपी कार्यकर्ता सुबह से शाम तक मतदान केंद्र पर बैठे थे. मतदान के दौरान रोहिणी आचार्य और आरजेडी नेता भोला यादव एक बूथ का जायजा लेने दो से ज्यादा बार पहुंची. जिसको देखकर बीजेपी समर्थक भड़क गये. उन्होंने रोहिणी और भोला यादव पर बूथ कैप्चर करने का आरोप लगाया और हो-हंगामा करने लगे. बात इतनी बढ़ गयी कि आरजेडी और बीजेपी कार्यकर्ताओं आपस में भिड़ गये. इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पत्थरबाजी, गाली-गलौज और लाठी-डंडे चलने लगे. इस गोलीबारी में आरजेडी समर्थक की मौत हो गयी थी. वहीं दो अन्य लोग घायल हुए थे. इस हिंसा के बीच पुलिस ने किसी तरह से रोहिणी आचार्य को वहां से सुरक्षित निकाला. सारण में हिंसा बढ़ने के बाद एहतियात के तौर पर इंटरनेट सेवा पर रोक लगी थी.

कारोबार

गेल के हरित हाइड्रोजन संयंत्र का हुआ उद्घाटन

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लि ने बताया कि उसका मध्य प्रदेश के विजयपुर स्थित पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र चालू हो गया है. इसकी क्षमता 10 मेगावाट है. यह देश की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कंपनी के नयी और वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. विजयपुर परिसर में हरित हाइड्रोजन उत्पादन इकाई के लिए 10 मेगावाट का प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन इलेक्ट्रोलाइजर कनाडा से आयात किया गया है. संयंत्र प्रतिदिन लगभग 4.3 टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा.

चौथी तिमाही में 6.1-6.7 % रहेगी आर्थिक वृद्धि दर

नयी दिल्ली । बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 से 6.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है. यह इससे पिछली तिमाहियों में दर्ज आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है. विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने यह अनुमान लगाया है. सरकार चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और पूरे वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान 31 मई को जारी करेगी.

भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में आज भी दुनिया में नंबर वन है

कैश पेमेंट में भी नहीं आई है कमी

भाषा । नयी दिल्ली

डिजिटल पेमेंट

- डिजिटल पेमेंट मार्च 2023 में 35 .15 लाख करोड़ हुई
- रोजाना दो लाख रुपये नकद लेनदेन की सीमा लागू है

पैसों के लेनदेने के मामले में भारत में डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ा है. चाहे कोई सरकारी योजना के तहत लोगों के खाते में पैसे जाने की बात हो या किसी दुकान पर सामान खरीदने की बात हो डिजिटल माध्यम सरल और सुरक्षित माना जाता है. इसलिए भारत में इसका चलन तेजी से बढ़ा है. इस वजह से भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में दुनिया में नंबर वन है. लेकिन इसके बाद भी आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल की समस्या हल नहीं हुई है.

कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में दिल्ली और मुंबई में अपने स्टोर खोले थे. लेकिन वहां पर बड़ी संख्या में ग्राहक ऑनलाइन पेमेंट करने के बजाय कैश पेमेंट करने लगे. इस कारण कंपनी को दोनों स्टोर्स में नोट गिनने वाली मशीनें लगानी पड़ी. सूत्रों के मुताबिक भारत में अमेरिकी कंपनी के दो स्टोर्स में होने वाली कुल बिक्री में 7-9% हिस्सा नकद भुगतान का है. अमेरिका या यूरोपीय देशों में कंपनी के स्टोर्स पर कैश पेमेंट की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है. कई स्टोर्स में तो कैश पेमेंट जीरो है. लेकिन भारत में ग्राहक अब भी मोबाइल फोन या कंप्यूटर खरीदने के लिए नकदी के बंडल लेकर स्टोर पर आते रहते हैं.

एक सूत्र ने बताया कि ऐपल के दिल्ली स्टोर में नकद भुगतान करने वाले ग्राहकों की संख्या मुंबई की तुलना में ज्यादा है. भारत में दोनों स्टोर्स की रिपोर्टिंग लाइन सीधे अमेरिका में ऐपल रिटेल टीम को है. वे ऐपल इंडिया के सेल्स ऑपरेशन को रिपोर्ट नहीं करते हैं. उनकी सेल्स ग्लोबल फाइनेंशियल रेकॉर्ड्स में भी शामिल है. हालांकि, ऐपल भारत में कैश पेमेंट्स की समस्या से जूझने वाली अकेली कंपनी नहीं है. सरकार ने 2017 से प्रति व्यक्ति रोजाना दो लाख रुपये नकद लेनदेन की सीमा लागू की है. इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करना और काले धन पर अंकुश लगाना है. भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन में बढ़ोतरी के बावजूद कैश इन सर्कुलेशन में भी भारी तेजी देखी गई है.

मार्च 2017 में यह 13.35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2023 में 35.15 लाख करोड़ रुपये हो गई. यह स्थिति तब है जबकि देश में यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान में पर्याप्त वृद्धि हुई है.

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2023 के अंत तक 19.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो मार्च 2017 में 2,425 करोड़ रुपये थी. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) का अनुमान है कि भारत में 15% से 20% तक कारों की खरीद लोग अपने पैसों से करते हैं. यहां तक कि लग्जरी गाड़ियों को खरीदने के लिए भी लोग दो लाख रुपये तक का नकद भुगतान करते हैं. बाकी रकम का भुगतान विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है.

20% लोग नकद खरीदारी करना पसंद करते हैं

मर्सिडीज बेंज इंडिया के एमडी संतोष अय्यर ने कहा कि लगभग 20% ग्राहक पूरी तरह नकद खरीदारी करना पसंद करते हैं. दिल्ली में एक कार डीलर ने बताया कि एक खरीदार पूरी तरह कैश में सुपर लग्जरी कार खरीदना चाहता था. फाडा के प्रेजिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि कई ग्राहक ब्याज से बचने के लिए फाइनेंशियल विकल्पों का लाभ नहीं उठाना चाहते हैं. इसके बजाय अपनी बचत का उपयोग करके पूर्ण भुगतान करना पसंद करते हैं. कुछ खरीदारों के पास बैंक लोन के लिए आवश्यक दस्तावेज, जैसे आयकर रिटर्न नहीं होते हैं या उन्हें ऋण-योग्य नहीं माना जा सकता है.

भारत को वित्त वर्ष 2023-24 में नौ साझेदारों के साथ व्यापार घाटा

नयी दिल्ली । भारत को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान चीन, रूस, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया समेत शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा है. आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है. व्यापार घाटा, आयात और निर्यात के बीच का अंतर है. आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि बीते वित्त वर्ष में 2022-23 की तुलना में चीन, रूस, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के साथ घाटा बढ़ गया. दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया और इराक के साथ व्यापार घाटे में कमी हुई. वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डॉलर, रूस के साथ 57.2 अरब डॉलर, दक्षिण कोरिया के साथ 14.71 अरब डॉलर और हांगकांग के साथ 12.2 अरब डॉलर हो गया. चीन के साथ दोतरफा व्यापार 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर रहा, और वह अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया. भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 118.28 अरब डॉलर रहा. भारत का अपने चार प्रमुख व्यापारिक साझेदारों-सिंगापुर, यूएई, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है.

न्यूज अपडेट

नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ

नयी दिल्ली । सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,85,320.49 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ. सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक को हुआ. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,404.45 अंक या 1.89 प्रतिशत चढ़ गया. सेंसेक्स शुक्रवार को 75,636.50 अंक के दिन में अपने कारोबार के सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया. समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई. सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 61,398.65 करोड़ रुपये बढ़कर 20,02,509.35 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

जेएलआर को भारत में उद्योग से अधिक वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली । टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को चालू वित्त वर्ष में लक्जरी कार बाजार की कुल वृद्धि की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है. जेएलआर के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि कंपनी स्थानीयकरण को बढ़ा रही है और साथ ही अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है. इससे उसे अपनी बिक्री में वृद्धि उद्योग से तेज रहने की उम्मीद है. कंपनी भारत में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट की स्थानीय असेंबली शुरू करने के लिए तैयार है. वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री इससे पिछले साल की तुलना में 81 प्रतिशत बढ़कर 4,436 इकाई रही है.

आईओसी, गेल, ओएनजीसी पर लगा जुर्माना

नयी दिल्ली । इंडियन ऑयल, ओएनजीसी और गेल (इंडिया) लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कई तेल एवं गैस कंपनियों पर सूचीबद्धता अनिवार्यता को पूरा करने के लिए निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने को लेकर लगातार चौथी तिमाही में जुर्माना लगाया गया है. शेयर बाजारों ने जनवरी-मार्च तिमाही में सूचीबद्धता अनिवार्यता को पूरा नहीं करने पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) और मेंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स (एमआरपीएल) पर कुल मिलाकर 34 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है.

शेयर बाजार

निफ्टी की साप्ताहिक आधार पर 491 अंकों की उछाल में उनकी मात्र 1166 करोड़ रुपये की खरीद को कोई बड़ा योगदान नहीं माना जा सकता है

इस समय भारत एक शेयर क्रांति के मध्य में है, शेयरों में निवेश के प्रति भारतीयों का विश्वास बढ़ा है

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

पिछले सप्ताह निफ्टी ने सार्वकालिक ऐतिहासिक ऊंचाई का स्पर्श किया तथा शुक्रवार के सत्र में 23000 निफ्टी के स्तर को पार किया. यद्यपि बंदी 22957 की रही. भारतीय शेयर मार्केट की यह तेजी भारत की जय तथा भारत की विजय का शक्तिशाली घोष था. इस बार की नई ऊंचाई अपने सामर्थ्य की ऊंचाई थी,अपनी शक्ति के बल पर प्राप्त की हुई ऊंचाई थी.इसलिए ये सबसे महत्वपूर्ण तेजी है. पहले भारतीय शेयर मार्केट विदेशी संकेत तथा नियंत्रण पर चलते थे. उन्होंने क्रय किया तो तेजी, बेचा तो मंदी. इस बार उनके विक्रय के पश्चात भी नई ऊंचाई बनी. यह एक बड़ा निर्णायक संदेश है, आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर शेयर मार्केट का. ऐसा नही कि विदेशी निवेशकों का प्रभाव बिलकुल समाप्त हो जाएगा परंतु अब अपेक्षाकृत प्रभावी भूमिका में हम भारतीय निवेशक रहेंगें. अप्रैल 24 में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 35692 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, मई माह में भी अभी तक 34459 करोड़ रुपए के शेयर की एफआईआई की बिकवाली रही है. परंतु इस 70151 करोड़ रुपए के इस विक्रय के पश्चात भी, इसको आत्मसात कर भारतीय शेयर मार्केट ने एक नई ऊंचाई बनायी. इस समय भारत एक शेयर क्रांति के मध्य में है. शेयरों में निवेश के प्रति भारतीयों का उत्साह तथा विश्वास बढ़ा है. यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शुभ सकारात्मक संकेत भी है क्योंकि अच्छा शेयर मार्केट पूंजी मार्केट का विस्तार करता है, अधिक पूंजी उपलब्ध कराता है.

निफ्टी का 23000 का स्तर पर अपने उचित मूल्यांकन से थोड़ा अधिक ही है. परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि इस स्तरों से कोई बड़ी गिरावट आने की संभावना है. भारत में लोकसभा चुनावो का परिणाम 4 जून को आने वाला है. मोदी सरकार की सत्ता मे वापसी का भाव प्रबल है. अमेरिका के एक प्रमुख राजनीति विज्ञान विशेषज्ञ इयान ब्राइमर ने भी भाजपा की विजय की भविष्यवाणी कर दी है. यह ध्यान रखना चाहिए कि यूएस प्रमुख राष्ट्रों के चुनावों पर पैनी दृष्टि रखता है. अतः मोदी सरकार की वापसी होती है तो मार्केट उछलेंगे ही, अच्छे बहुमत से होती तो बहुत जोर से उछलेंगे. वैसे इस सप्ताह मार्केट की चाल तो पुनः बता रही कि मार्केट की अवधारणा तो मोदी को बड़े बहुमत की ही है. अगले सप्ताह सब कुछ स्पष्ट हो ही जायेगा. पिछले सप्ताह में एफआईआई ने नकद संभाग में 1166 करोड़ रुपए की खरीदारी की. निफ्टी की साप्ताहिक आधार पर 491 अंकों की उछाल में उनके द्वारा मात्र 1166 करोड़ रुपए की खरीद कोई बड़ा योगदान नहीं माना जा सकता है. एफआईआई पुनः बड़े निवेश के पूर्व लोकसभा चुनाव का परिणाम देख लेना चाहते हैं.

भारत में तो शेयर मार्केट में ऐसा उत्साह है कि यूएस में ब्याज दरों में कमी के अनुमानों को ले कर संशय से डाउ में 22 मई को 616 अंकों की भारी भरकम गिरावट आई परंतु भारतीय मार्केट में निफ्टी 23 मई को 370 अंक तेज हुआ. यह एक सबसे बड़ी असंबद्धता का नाद था. भारतीय शेयर मार्केट अब तेजी के लिए विदेशी निवेशक पर ही निर्भर नही रहने की स्थिति में पहुंच रहा है,अपनी आधारभूत आर्थिक कारकों के आधार पर चलेगा, तेज होगा. भारतीयों की आय में इस वित्त वर्ष में अच्छी वृद्धि का अनुमान है. कुल घरेलू बचत में 11 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है. यह अर्थव्यवस्था सुदृढ़ता के लिए अच्छा संकेत है. इस बचत का एक अच्छा भाग म्यूचुअल फंड, शेयरों में निवेशित हो सकता है. ऐसा एक चलन भी बना है. बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट पूंजीकरण पहली बार 5 ट्रिलियन डॉलर, 416 लाख करोड़ रुपए के पार निकला है. चौथे स्थान पर विराजमान हांगकांग को हम कभी भी पछाड़ सकते हैं. मार्केट पूंजीकरण में उछाल से विदेशी निवेशक भी मार्केट की अंतर्निहित शक्ति से प्रभावित होते हैं, निवेश को आकर्षित होते हैं. 4 ट्रिलियन डॉलर से 5 ट्रिलियन डॉलर की,25 प्रतिशत वृद्धि की यह यात्रा मात्र 6 महीने में हुई है.

देश में बिना बिके घरों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आ रही है. वारेन बफे जैसे शेयर मार्केट के पितामह कह रहे कि भारत में अवसरों की भरमार है. विख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला कह रहे कि मोदी सरकार ने कीर्तिमान की संख्या में जीविका का सृजन किया है. पिछले एक दशक में भारत अर्थव्यवस्था में 8 ट्रिलियन डॉलर का सार्वजनिक तथा निजी निवेश हुआ है. आरबीआई ने 2.11 लाख करोड़ रुपए का लाभांश दिया है. यह सरकार की वित्तीय स्थिति को अधिक सुदृढ़ करेगा. वर्ष 2030 तक बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का पूंजीकरण 10 ट्रिलियन डॉलर अर्थात अभी से दुगना होने की संभावना है. इससे भी शेयर मार्केट के उज्ज्वल भविष्य का अनुमान लगाया जा सकता है. भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 648.7 अरब डॉलर हो गया है.

निफ्टी के आधार पर मार्केट कुछ अधिक मूल्यांकन पर हैं. युद्ध की अवहेलना करना शेयर मार्केट सीख गए हैं. ब्याज दर की कमी में विलंब हो सकता है,होना तो है ही. ब्रेंटू क्रूड के मूल्यों में गिरावट के बाद भी निचले स्तरों से उछाल नहीं आया है, 82.09 डॉलर प्रति बैरल ही हैं. क्रूड की मांग में कमी की भविष्यवाणी है, अमेरिका में क्रूड का भंडार बढ़ा है, युद्ध की परिस्थिति में भी क्रूड में उछाल टिक नहीं पा रहा. अतः जब युद्ध ठंडा होगा तो क्रूड में बड़ी गिरावट देखी जा सकती है. यह भारत के लिए अच्छा होगा. चूंकि चुनाव परिणाम आने हैं,इसलिए इंडिया विक्स 21.71 है परंतु आने के पश्चात यह भी गिर कर तेजी का समर्थन कर सकता है. चुनाव परिणामों के पूर्व तकनीकी आधार पर निफ्टी 23300 से 23500 जा सकता है. सट्टा के सौदे कॉल पुट के माध्यम से करें. अच्छे मूल्यांकन पर उपलब्ध शेयरों को इकट्ठा करें. मोदी की जय तथा विजय के साथ भारत तथा भारतीय शेयर मार्केट का स्वर्णिम काल का आरंभ होने को है.

भारत के लिए इस साल का कान फिल्म महोत्सव शानदार रहा, अलग-अलग श्रेणी में मिले तीन पुरस्कार, पीएम मोदी व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दी बधाई

पायल कपाड़िया ने ग्रां प्री पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बन रचा इतिहास

एजेंसी। कान

भारत के लिए इस साल का कान फिल्म महोत्सव शानदार रहा और पायल कपाड़िया की "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट", एफटीआईआई के छात्र चिदानंद एस. नाइक की "सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो", और "द शेमलेस" की अनसूया सेनगुप्ता को अलग-अलग श्रेणी में प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित किया गया. शनिवार को संपन्न हुआ 77वां संस्करण निस्संदेह देश के लिए सबसे अच्छा रहा, इस दौरान आठ भारतीय या भारत पर आधारित फिल्मों को पुरस्कार प्रतिस्पर्धाओं में जगह मिली. भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) की पूर्व छात्रा कपाड़िया ने "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट" के लिए ग्रां प्री पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बनकर इतिहास रच दिया. फिल्म को पाम डि''ओर के बाद महोत्सव के दूसरे सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रां प्री से सम्मानित किया गया है. अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर को 'अनोरा' के लिए सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार पाम डि''ओर से सम्मानित किया गया. कनी कुसरुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम अभिनीत मलयाली-हिंदी फिल्म "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट" मुंबई में सड़क यात्रा पर निकलीं तीन महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है. कपाड़िया की फिल्म 30 वर्षों में मुख्य प्रतियोगिता में दिखाई गई पहली भारतीय फिल्म और किसी भारतीय महिला निर्देशक की पहली फिल्म है. इससे पहले आखिरी बार शाजी एन करुण की फिल्म स्वाहम (1994) प्रदर्शित की गई थी.

30 वर्षों में मुख्य प्रतियोगिता में दिखाई गई पहली भारतीय फिल्म और किसी भारतीय महिला निर्देशक की पहली फिल्म है "ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट"

77 वां संस्करण निस्संदेह देश के लिए सबसे अच्छा रहा, इस दौरान आठ भारतीय या भारत पर आधारित फिल्मों को पुरस्कार प्रतिस्पर्धाओं में जगह मिली

शोषण और उत्पीड़न की एक अंधेरी दुनिया बयां करती है 'द शेमलेस'

बुल्गारियन निर्देशक कॉन्स्टेंटिन बोजानोव की "द शेमलेस" में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रोडक्शन डिजाइनर सेनगुप्ता 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं. "द शेमलेस" शोषण और उत्पीड़न की एक अंधेरी दुनिया बयां करती है जिसमें दो यौनकर्मी एक बंधन में बंधती हैं. सेनगुप्ता ने यह पुरस्कार "क्वीर और अन्य कमजोर समुदायों" को समर्पित किया. उन्होंने कहा, "समानता के लिए लड़ने को लेकर आपको समलैंगिक होने की जरूरत नहीं है, आपको गुलामी के बारे में जानने के लिए गुलाम बनकर देखना जरूरी नहीं है – हमें बस सभ्य इंसान बनने की जरूरत है." नाइक की "सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो..." को ला सिनेफ (फिल्म स्कूल फिक्शन या एनिमेटेड फिल्में) श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला. कन्नड़ लोककथा पर आधारित यह फिल्म एक बूढ़ी औरत पर आधारित है जो मुर्गा चुरा लेती है जिसके बाद गांव में सूरज उगना बंद हो जाता है. इससे पहले, कान महोत्सव के लिए चुनी गईं भारतीय फिल्मों में मृणाल सेन की "खारिज" (1983), एम एस सथ्यू की "गर्म हवा" (1974), सत्यजीत रे की "पारस पत्थर" (1958), राज कपूर की "आवारा" (1953) वी शांताराम की "अमर भूपाली" (1952) और चेतन आनंद की "नीचा नगर" (1946) शामिल हैं.

"हमारी फिल्म को यहां तक लाने के लिए कान फिल्म महोत्सव का शुक्रिया. एक और भारतीय फिल्म के लिए कृपया 30 साल तक इंतजार न करें." – **पायल कपाड़िया**

पायल कपाड़िया को 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्री जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर भारत को गर्व है. उनकी उल्लेखनीय प्रतिभा वैश्विक मंच पर चमक दिखाती है, जो भारत में समृद्ध रचनात्मकता की झलक दर्शाती है. –**नरेंद्र मोदी**

प्रतिष्ठित ग्रां प्री पुरस्कार जीतने के लिए पायल कपाड़िया और ऑल वी इमेजिन एज लाइट की पूरी टीम को बधाई. अनसूया सेनगुप्ता को 'द शेमलेस' में उनके अभिनय के लिए 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी के तहत सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने के लिए बधाई. –**राहुल गांधी**

ब्रीफ खबरें

अफगानिस्तान में बाढ़ से 15 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से एक ही परिवार के 10 सदस्यों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. असामान्य रूप से भारी मौसमी बारिश देश के कई हिस्सों में कहर बरपा रही है, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है. भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के मामलों के चलते संपत्ति और फसलें भी नष्ट हो गई हैं. शनिवार रात आई बाढ़ के कारण उत्तर-पूर्व स्थित बदख्शां और उत्तरी बगलान प्रांत प्रभावित हुए हैं.

गेम जोन में आग मानव निर्मित आपदा

अहमदाबाद। उच्च न्यायालय की एक विशेष पीठ ने रविवार को राजकोट के एक गेम जोन में आग लगने की घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे प्रथम दृष्टया "मानव निर्मित आपदा" बताया है. इस हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई थी. खंडपीठ ने कहा कि ऐसे गेमिंग जोन और मनोरंजक सुविधाएं सक्षम अधिकारियों से मंजूरी के बिना बनाए गए हैं. पीठ ने अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट नगर निगमों के अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि वे सोमवार को उसके समक्ष इस निर्देश के साथ उपस्थित हों कि किन प्रावधानों के तहत अधिकारियों ने इन इकाइयों को स्थापित किया या संचालित करना जारी रखा.

सर्वेक्षण : ताडोबा रिजर्व में 55 बाघ देखे गए

नागपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) में किए गए ''वॉटरहोल पशु सर्वेक्षण'' में 55 बाघों सहित कुल 5,069 जंगली जानवर देखे गए. टीएटीआर ने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा कि 'निसर्गानुभव-2024' का आयोजन 23 और 24 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर किया गया था. कोर और बफर जोन में 55 बाघ,17 तेंदुए, 86 जंगली कुत्ते, 65 जंगली भालू, 1,458 हिरण, 488 सांभर आदि पाए गए. इसमें कहा गया कि बफर क्षेत्रों में कम से कम 26 बाघ और आठ तेंदुए देखे गए, जबकि मुख्य क्षेत्रों में 29 बाघ और नौ तेंदुए देखे गए.

रविवार आधी रात तक पश्चिम बंगाल के तट पर दस्तक देने के आसार

'रेमल' भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील

एजेंसी। कोलकाता/ नयी दिल्ली

चक्रवात 'रेमल' भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है और इसके रविवार आधी रात तक बांग्लादेश एवं पश्चिम बंगाल के तटों पर दस्तक देने का अनुमान है. मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी. विभाग ने बताया कि 'रेमल' के तटों पर पहुंचने पर 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और उनका वेग 135 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगा. चक्रवात के कारण पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा और कोलकाता एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है. मौसम कार्यालय ने बताया कि 'रेमल' उत्तर की ओर बढ़ रहा है और रविवार आधी रात तक मोंगला बंदरगाह के दक्षिण-पश्चिम के निकट सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) और खेपुपारा (बांग्लादेश) के बीच तटों को पार करने से पहले इसके और तेज होने की संभावना है. चक्रवात को देखते हुए पूर्वी और दक्षिण पूर्वी रेलवे ने एहतियात के तौर पर दक्षिण और उत्तर 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिले के तटीय जिलों में कई ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी हैं. कोलकाता हवाई अड्डे के अधिकारियों ने चक्रवात 'रेमल' के संभावित प्रभाव के कारण रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए उड़ान संचालन निलंबित करने का फैसला किया है. इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलाकर कुल 394 उड़ान प्रभावित होंगी. कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह में भी चक्रवात के पूर्वानुमान के कारण रविवार शाम से 12 घंटे के लिए माल एवं कंटेनर प्रबंधन परिचालन निलंबित रहेगा.

110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और उनका वेग 135 किमी प्रति घंटे तक होगा

21 घंटे के लिए उड़ान संचालन निलंबित, इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मिलाकर 394 उड़ान प्रभावित होंगी

चक्रवात से सुंदरबन मैंग्रोव वन के भी प्रभावित होने की आशंका : राज्य एजेंसी के प्रयासों में समन्वय के लिए लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'कोलकाता पुलिस की 10 टीम शहर के 10 पुलिस प्रभागों में तैनात की गई है.' राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के दल भी उन जिलों में जा रहे हैं जिनके चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने की आशंका है. एनडीआरएफ ने कोलकाता, उत्तर 24-परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24-परगना, हावड़ा और हुगली सहित कई जिलों में अपने दल एवं उपकरण तैनात किए हैं. चक्रवात से सुंदरबन मैंग्रोव वन के भी प्रभावित होने की आशंका है. सुंदरबन दुनिया के सबसे बड़े वनों में से एक है और अपने विविध जीव-जंतुओं के लिए जाना जाता है.

पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होने की चेतावनी

चक्रवात रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी में सागर द्वीप से 240 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में स्थित था और इस दौरान 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और उनका वेग 110 किलोमीटर प्रति घंटे था. यह मॉनसून से पहले के मौसम में बंगाल की खाड़ी में आने वाला पहला चक्रवात है. मौसम कार्यालय ने पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में 26-27 मई को अत्यधिक भारी वर्षा होने चेतावनी जारी की है. असम और मेघालय में भी अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है. मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में 27-28 मई को भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है. चक्रवात के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों में पहुंचने पर 1.5 मीटर तक की तूफानी लहर के कारण निचले इलाकों में पानी भर जाने की आशंका है.

सियालदह दक्षिण और बारासात-हसनाबाद खंड में ट्रेन सेवाएं एहतियातन निलंबित

पूर्वी रेलवे ने रविवार रात 11 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक सियालदह दक्षिण और बारासात-हसनाबाद खंड में ट्रेन सेवाओं को एहतियातन निलंबित कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप कई लोकल ट्रेन रद्द कर दी गईं. दक्षिण पूर्व रेलवे ने भी रविवार को कांडारी एक्सप्रेस और रविवार एवं सोमवार को दीघा से आने-जाने वाली कुछ रेल रद्द कर दी हैं. उत्तरी ओडिशा में बालासोर, भद्रक और केंद्रपाड़ा जिलों में 26-27 मई और मयूरभंज में 27 मई को भारी बारिश होने की संभावना है. उत्तर बंगाल के जिलों कूच बिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी में 28-29 मई को अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है. इसके अलावा दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में भी भारी बारिश की संभावना है.

आम चुनाव-2024

पाकिस्तान में इंडिया गठबंधन के लिए मांगी जा रही है दुआ : मोदी

एजेंसी। देवरिया (उप्र)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तान में समाजवादी पार्टी (सपा) व कांग्रेस के लिए दुआ मांगी जा रही है और सीमा पार से 'जिहादी इन्हें समर्थन' दे रहे हैं. मोदी देवरिया जिले के रुद्रपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. मोदी ने भाजपा नीत राजग गठबंधन की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा, 'कुछ ताकतें हैं जिन्हें भारत की प्रगति से दर्द हो रहा है. ये लोग 4 जून को लेकर अलग ही सपने देख रहे हैं.' मोदी ने बिना नाम लिए फर्रुखाबाद की एक सभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद की भतीजी द्वारा 'वोट जिहाद' की अपील की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यहां सपा और कांग्रेस वाले 'वोट जेहाद' की अपील कर रहे हैं. इनका मुद्दा देश का विकास नहीं, ये तो भारत को कई दशक पीछे ले जाना चाहते हैं.'

हार देखकर प्रधानमंत्री की ज़बान लड़खड़ा रही : अखिलेश यादव

एजेंसी। बलिया (उप्र)

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह एहसास हो गया है कि भाजपा केंद्र में सत्ता बरकरार नहीं रख पाएगी जिस वजह से उन्होंने आत्मविश्वास खो दिया है और भाषणों में उनकी ज़बान लड़खड़ा रही है. यहां बेल्थरा रोड में सलेमपुर संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार रमाशंकर विद्यार्थी के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यादव ने सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना को खत्म करने का वादा किया. उन्होंने कहा, "चार जून एक ऐतिहासिक दिन होगा. जलवायु परिवर्तन के साथ, राजनीतिक परिवर्तन भी होगा. 'मंत्रिमंडल' और 'मीडिया मंडल' दोनों बदल जाएंगे." यादव ने 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि जब आत्मविश्वास खो जाता है तो ज़बान लड़खड़ा जाती है. उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी सरकार जा रही है.

दिल्ली की घटना में पांच शिशु अस्पताल में उपचाराधीन, उपराज्यपाल ने दिया जांच का आदेश

अस्पताल में आग से सात शिशुओं की मौत

एजेंसी। नयी दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गयी. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव को पूर्वी दिल्ली के अस्पताल में आग लगने की घटना की 'जांच शुरू करने' का निर्देश दिया. वहीं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि पूर्वी दिल्ली में बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने की घटना हृदय विदारक है और इस मामले में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. इसी बीच, पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के बच्चों के एक अस्पताल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है. दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात शाहदरा क्षेत्र के विवेक विहार में बच्चों के एक अस्पताल में आग लग गई. डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि 12 शिशुओं को अस्पताल से निकाला गया लेकिन उनमें से सात की मौत हो गई. गर्ग ने बताया कि पांच शिशुओं का एक अन्य अस्पताल में इलाज किया जा रहा है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'बेबी केयर न्यू बोर्न हॉस्पिटल' और उससे सटी एक इमारत में शनिवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे आग लगी. अन्य लोगों की मदद से बच्चों को अस्पताल से बाहर निकाला गया.

अरविंद केजरीवाल बोले सरकार पीड़ितों के साथ

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार पीडितों के के साथ है. प्रशासन घायलों का उचित इलाज सुनिश्चित कर रहा है. स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले या गलत काम में लिप्त लोगों को सख्त सजा दी जाएगी.

आग लगने की घटना हृदय विदारक : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने से बच्चों की मौत होने की घटना हृदय विदारक है. इसके साथ ही उन्होंने शोक संतप्त अभिभावकों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की.

दिल्ली में आवासीय इमारत में आग लगने से तीन लोगों की मौत

नयी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में शनिवार देर रात चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लग जाने से तीन लोगों की मौत हो गई. दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि 66 वर्षीय परमिला शाद नाम की महिला का जला हुआ शव इमारत की पहली मंजिल पर मिला. उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए गए दो अन्य लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया और उनकी पहचान 18 वर्षीय केशव शर्मा एवं 34 वर्षीय अंजू शर्मा के रूप में की गई है. दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, 'हमें कृष्णा नगर में देर रात दो बजकर 35 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली.

पीएम मोदी की 'मुजरा' टिप्पणी बिहार का अपमान है : खरगे

ऐजेंसी ।सासाराम

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'मुजरा' टिप्पणी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने यह टिप्पणी करके 'बिहार का अपमान' किया. सासाराम लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता और महागठबंधन के उम्मीदवार मनोज कुमार के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को बिहार में एक चुनावी रैली में विपक्षी नेताओं के लिए 'मुजरा' शब्द का इस्तेमाल किया... मोदी जी ने इस शब्द का इस्तेमाल कर बिहार का अपमान किया... यानी यहां मुजरा होता है. यह बिहार और उसके मतदाताओं का अपमान है.' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी खुद को 'तीसमारखां' मानते हैं... वह गलत धारणा में हैं. जनता ही असली 'तीसमारखां' है. वह (प्रधानमंत्री) एक तानाशाह हैं... अगर तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो लोगों को कुछ भी कहने की इजाजत नहीं होगी."

साक्षात्कार

अमित शाह ने कहा-एक एक पंथनिरपेक्ष देश के अंदर धर्म के आधार पर कानून नहीं होना चाहिए

अगले कार्यकाल में लागू होगा यूसीसी और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने पर सभी पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद अगले पांच वर्ष के भीतर पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी. शाह ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगली सरकार अपने अगले कार्यकाल में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करेगी क्योंकि देश में एक साथ चुनाव कराने का समय आ गया है. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च भी कम होगा. चुनाव को सर्दियों या साल के किसी अन्य समय में आयोजित करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा, 'इस पर विचार किया जा सकता है. यदि हम कोई एक चुनाव प्रीपोन (निर्धारित समय से पूर्व) कराते हैं तो यह किया जा सकता है. यह किया भी जाना चाहिए. यह छात्रों की छुट्टी का समय भी होता है. यह बहुत सारी समस्याएं भी पैदा करता है. समय के साथ, चुनाव (लोकसभा) धीरे-धीरे इस अवधि (गर्मियों के दौरान) में होने लग गए.' समान नागरिक संहिता के बारे में बात करते हुए शाह ने कहा, 'समान नागरिक संहिता एक जिम्मेदारी है जो हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा स्वतंत्रता के बाद से हमारी संसद और हमारे देश के राज्य विधानसभाओं पर छोड़ी गई है.'

भाजपा का लक्ष्य है कि पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता हो

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भरतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड में एक प्रयोग किया है, क्योंकि वहां बहुमत की सरकार है. हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र के साथ यह राज्यों का भी विषय है. शाह ने कहा, 'मेरा मानना है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार है. उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए गए कानून की सामाजिक और कानूनी जांच होनी चाहिए. धार्मिक नेताओं से भी सलाह ली जानी चाहिए.' उन्होंने कहा, 'मेरे कहने का मतलब है कि इस पर एक व्यापक बहस होनी चाहिए... और इस व्यापक बहस के बाद उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए गए मॉडल कानून में कुछ परिवर्तन करना है या नहीं...तय किया जाना चाहिए. क्योंकि कोई न कोई कोर्ट में जाएगा ही जाएगा. न्यायपालिका का अभिप्राय भी सामने आएगा.' उन्होंने कहा, 'उसके बाद देश के विधानमंडलों में और संसद को इस पर गंभीरता से सोचना चाहिए और हां...कानून जरूर बनना चाहिए. इसलिए हमने इसे अपने संकल्प पत्र में रखा है.'

समय आ गया कि देश में एक साथ चुनाव होने चाहिए : केंद्रीय गृह मंत्री

शाह ने कहा कि हम 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' कराने (लागू करने) का पूरा प्रयास करेंगे और इस पर भी चर्चा होानी चाहिये. प्रधानमंत्री ने (पूर्व राष्ट्रपति) रामनाथ कोविंद (की अध्यक्षता में) कमेटी गठित की है. मैं भी इसका सदस्य हूं. कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है. समय आ गया कि देश में एक साथ चुनाव होने चाहिए.' शाह ने कहा, 'हमारा संकल्प पत्र पांच साल का होता है और हम उसमें लेकर आएंगे.' भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता को राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है.

भाजपा राज में लोगों के जीवन में प्रगति नहीं हो रही है : प्रियंका

एजेंसी। फतेहगढ़ साहिब (पंजाब)

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर प्रहार करते हुए पूछा कि यदि देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि हो रही है तो लोगों के जीवन में प्रगति क्यों नहीं हो रही है? यहां चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए झूठ बोलने और जनता से खोखले वादे करने' का आरोप लगाया. प्रियंका ने कहा कि देश में 70 करोड़ युवा बेरोजगार हैं और बेरोजगारी 45 साल में सबसे ज्यादा है. सरकारी क्षेत्र में 30 लाख पद रिक्त हैं. कांग्रेस महासचिव ने कहा, 'वह (मोदी) बड़े-बड़े दावे करते हैं कि अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है. मैं पूछना चाहती हूं कि यदि इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है तो आपके (लोगों के) जीवन में प्रगति क्यों नहीं हो रही है. आपके बच्चों को नौकरी क्यों नहीं मिली? महंगाई इतनी ज्यादा क्यों बढ़ गई है. अगर देश तेजी से प्रगति कर रहा है तो यहां की स्टील फैक्टरियां बंद क्यों हो रही हैं. माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाकर उद्योग को कमजोर क्यों किया जा रहा है.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)